गाजीपुर जिले का ऐसा गांव जहाँ जाने से डरता है विकास

पटखौलिया ग्राम प्रधान गमगम बिंद द्वारा अवैध धन उगाही करवाते हैं बीडीओ विकासखंड रेवतीपुर

● सागर कुमार/के.के. सिंह

15 अगस्त 2014 को 68 वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि ''भाइयो-बहनो, हम इक्कीसवीं सदी में जी रहे हैं। क्या कभी हमारे मन को पीड़ा हुई कि आज भी हमारी माताओं और बहनों को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है? डिग्निटी ऑफ विमेन, क्या यह हम सबका दायित्व नहीं है? बेचारी गाँव की माँ-बहनें अँधेरे का इंतजार करती हैं, जब तक अँधेरा नहीं आता है, वे शौच के लिए नहीं जा पाती हैं। उसके शरीर को कितनी पीड़ा होती होगी, कितनी बीमारियों की जड़ें उसमें से शुरू होती होंगी! क्या हमारी माँ-बहनों की इज्जत के लिए हम कम-से-कम शौचालय का प्रबन्ध नहीं कर सकते हैं?'' 19 मार्च 2017 को यूपी के सीएम के तौर पर शपथ लेने के बाद 30 मार्च 2017 को विधानसभा में पहली बार संबोधन करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम जनहित में मजबूती से काम करेंगे। हमें 22 करोड़ जनता के बारे में सोचना है।'' 29 मार्च 2022 को यूपी का दोबारा सीएम चुने जाने के बाद विधानसभा में योगी आदित्यनाथ ने अपने पहले भाषण में कहा कि ''हमें अब युवाओं, किसानों मजदूरों, दबे कुचले लोगो के लिए सोचना है, उनकी आवाज को आगे बढ़ाना है।''

सुरेंद्र सिंह राणा
बीडीओ, रेवतीपुर

उपरोक्त कोट्स को पढ़ने के बाद आप समझ गए होंगे कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी और उनके हनुमान कहे जाने वाले भारत के सबसे बड़े प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की सरकारों का मौलिक एजेंडा क्या है। दोनों ही सरकारों के विजन और मिशन के बारीकी से अध्ययन करने पर हमें इन सरकारों की प्राथमिकता युवा, गरीब ,आदिवासी ,पिछड़े दलित, किसान ,मजदूर, और महिलाओं से जुड़े समस्याओं का सामाधान दिखता है । और आज देश के किसी कोने में खड़े होकर या फिर उत्तर प्रदेश के किसी गांव में खड़े होकर एक आम आदमी से पूछा जाए कि देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा और उत्तर प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा तो कुछ इलाकों और कुछ लोगों की बात छोड़ दी जाए तो अधिकांश लोगों

गमगम बिंद उर्फ हेमराज बिंद
ग्राम प्रधान

अफजाल अंसारी
पूर्व सांसद, गाजीपुर

रजनीकांत पांडे
ग्राम सचिव

का जवाब देश के प्रधानमंत्री के रूप में पुनः नरेंद्र मोदी जी का आगमन और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी के विकास कार्यों और प्रशासनिक उपलब्धियों के बारे में लोग कहने से नहीं रुकेंगे। यह अलग बात है कि इनके कुछ राजनीतिक विरोधी भी हैं और इस सरकार में सब कुछ सही हो रहा है ऐसा भी हम नहीं कह रहे हैं लेकिन देश और प्रदेश की मूड देखी जाए तो अभी भी लोगों का मूड इन दोनों नेताओं के पक्ष में हैं। पिछले कुछ दिनों में भारतीय जनता पार्टी के हाथ से कई प्रदेश छीनें हैं परंतु फिर भी इन दोनों नेताओं का काट अभी भी विपक्ष के किसी भी नेता में नहीं है। हालांकि पटना में हुए विपक्षी नेताओं की बैठक से देश को एक संदेश देने का प्रयास किया गया परंतु इसके तुरंत बाद ही महाराष्ट्र में शरद पवार की एनसीपी दो फाड़ हो गई और इस बैठक के तुरंत बाद ही इस बैठक की जननी कही जाने वाली जदयू और राजद के नेता भी आपस में एक दूसरे पर तल्ख टिप्पणियां करने लगे।

परंतु फिर भी विपक्ष अपने एकजुट होने के दावे कर रहा है और आने वाले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पटकनी देने के लिए एक मजबूत गठबंधन का भी भरोसा देश को दे रहा है। खैर! इन सभी के बीच केवल सच आपको हमेशा से ही मुद्दों का खबर दिखाते रहा है नेता चाहे कोई भी हो सरकार चाहे किसी की भी हो हम आम आदमी के लिए खबर दिखाते हैं और जब हमें लगता है कि आम आदमी के हक और हुकूक को छीना जा रहा है तो केवल सच उनकी आवाज बनती है , और इसी निमित्त आज हम आपको ले चलते हैं उत्तर प्रदेश के एक ऐसे गांव में जहां की 90% जनता गरीब है, पिछड़ी है, अशिक्षित है और सभी सुविधाओं से वंचित है। हम बात कर रहे हैं उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के विकासखंड रेवतीपुर लोकसभा क्षेत्र गाजीपुर और विधानसभा क्षेत्र जंगीपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पटखौलिया की।

क्षेत्र के नेताओं की बात करें तो 2014 में लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी के काफी करीबी माने जाने वाले, मनोज सिन्हा जी ने अपनी जीत दर्ज कराई थी और जीतने के बाद क्षेत्र में कई विकास कार्यो को आरंभ करवाया था परंतु फिर भी 2019 में जनता का आशीर्वाद उन्हें नहीं मिला और 2019 के लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी के भाई अफजल अंसारी ने जीत दर्ज कराई। अफजाल अंसारी के दादा भारतीय मुस्लिम लीग और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सक्रिय पदाधिकारी रहे। अफजाल अंसारी के बारे में एक चर्चित वाक्य यह भी कहा जाता है कि यह भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी के चचेरे भाई हैं। 1 मई 2023 को, 4 साल की जेल की सजा दिए जाने के बाद अंसारी को संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। क्षेत्र के विधानसभा की बात करें तो गाजीपुर लोकसभा के अंतर्गत जंगीपुर विधानसभा में उक्त पटखौलिया ग्राम पंचायत का नेतृत्व है। अखिलेश यादव सरकार के कैबिनेट में मंत्री रहे स्वर्गीय कैलाश यादव के पुत्र वीरेंद्र कुमार यादव 2017 में जंगीपुर के विधायक चुने गए।

आर्यका अखौरी
जिलाधिकारी, गाजीपुर

विधायक वीरेंद्र कुमार यादव इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए, एमए और एलएलबी की डिग्री हासिल की। और उसके बाद अन्य जगह से पीएच.डी भी किया है। इनके बारे में क्षेत्र में कहा जाता है कि काफी लोकप्रिय नेता है। इनकी पहुंच आम आदमी तक है गांव के गरीब से गरीब और अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी इनसे फोन के माध्यम से या फिर इनके घर पर जाकर डायरेक्ट इनसे बात कर सकता है और अपनी समस्याएं बता सकता है परंतु वर्तमान समय में किसी भी समस्या के निवारण हेतु जाने पर गांव वालों से कहते हैं कि सरकार इनकी नहीं है इसलिए कुछ भी नहीं कर सकते हैं। इस गांव के इतिहास के बारे में बात करें तो पहले यह गांव सुहवल ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता था और ग्राम प्रधान सुहवल से ही चुनकर आते थे इस वजह से पटखौलिया गांव का संपूर्ण विकास कभी भी ठीक ढंग से हो नहीं पाया। गांव वालों के काफी मांगों के बाद पटखौलिया गांव को ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया और अभी तक दो बार स्वतंत्र रूप से ग्राम प्रधान का चुनाव हो चुका है। परंतु विडंबना यह है कि दोनों ही बार पटखौलीया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान एक ही परिवार के पहले चाचा लालचंद बिंद और अब भतीजा गमगम बिंद उर्फ हेमराज चयनित हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों ही प्रधान अपने आप में काफी दमखम रखने वाले हैं और आर्थिक रूप से काफी संपन्न हैं परंतु फिर भी इन्हें गांव के विकास कार्यों की समझ नहीं है। गांव के विकास कार्य की जिम्मेवारी मुख्य रूप से ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव की रहती है जिसकी मॉनिटरिंग उस प्रखंड के प्रखंड विकास अधिकारी को करना होता है। परंतु यहां पर यह तीनों ही कड़ी किसी काम की नहीं है। सबसे पहले तो हम इस गांव के ग्राम प्रधान गमगम बिंद उर्फ हेमराज बिंद के बारे में आपको बताते हैं। गमगम बिंद प्रधान बनने से पहले इंटे

के भट्टे पर रहते थे और ईटों की ढुलाई करने वाले गधों और कुछ मजदूरों की निगरानी करते थे और उनकी उपस्थिति का हिसाब किताब रखते थे।

गांव में अत्यधिक जमीन होने के कारण काफी पैसा और उसके वजह से रुतबा भी है। परंतु ग्राम पंचायत के प्रधान के तौर पर उन के क्या क्या अधिकार है , उनके क्या-क्या दायित्व है और उनका क्या कार्यक्षेत्र है इन सभी की जानकारी उक्त प्रधान को है ही नहीं। और इसी वजह से गांव के सचिव रजनीकांत पांडे और प्रधान हेमराज बिंद के बीच आए दिन नोकझोंक होते रहती है जिस वजह से गांव का विकास कार्य लगातार बाधित हो रहा है। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं कि हमारे पास इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

☞ **पटखौलिया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान और सचिव रजिस्टर पर लिखते हैं झूठी बैठकों की जानकारियां** :- ग्राम प्रधान चयनित होने के बाद सर्वप्रथम प्रधान का कार्य होता है कि ग्राम सभा की बैठक बुलाना जिसमें गांव के 18 साल से अधिक उम्र के सभी व्यक्तियों को बुलाकर गांव में करने वाले विकास कार्यो की चर्चा और समीक्षा किया जाता है और फिर ग्राम पंचायत (ग्राम पंचायत के चयनित सदस्य गण)की बैठक बुलाकर विकास कार्यो का प्रस्ताव तैयार किया जाता है. और इनसे पहले ग्राम पंचायत के सभी चयनित सदस्यों की एक सार्वजनिक बैठक करा कर गांव में विभिन्न समितियों का निर्माण किया जाता है जिसमें सभी ग्राम पंचायत के सदस्यों को कुछ ना कुछ कार्य सौंपें जाते हैं और हर महीने प्रधान की अध्यक्षता में बैठक बुलाकर इन सभी चीजों पर चर्चा परिचर्चा किया जाता है। इसके बाद ग्राम सभा और ग्राम पंचायत से पास किए हुए प्रस्ताव को ग्राम सचिव के माध्यम से सरकार के पास भेजा जाता है ताकि उक्त कार्यो को सरकार द्वारा दिए गए फंड से कराया जा सके और गांव का विकास हो सके। लेकिन आज तक ग्राम पंचायत पटखौलिया में केवल एक ही खुली बैठक हुई है और उसमें भी ग्राम पंचायत सदस्यों के बैठक का कोरम पूरा नहीं हो पाया। लेकिन प्रधान जी के रजिस्टर की प्रति को देखेंगे तो उसमें हर महीने में ग्राम पंचायत सदस्यों की बैठक लिखी हुई है और 3 महीने या 4 महीने पर गांव की खुली बैठक भी लिखी हुई है और कुछ सदस्यों के फर्जी सिग्नेचर भी किए हुए। ग्राम प्रधान गमगम हेमराज बिंद के रजिस्टर में केवल यही झूठ नहीं है बल्कि उस रजिस्टर में यह भी झूठ लिखा हुआ है कि ग्राम पंचायत की समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन में भी ग्राम पंचायत सदस्यों की बैठक की गई और उस बैठक में समितियों का निर्णय हुआ जबकि यथार्थ स्थिति है यह है कि पटखौलिया ग्राम पंचायत की बैठक आज तक कभी भी हुई ही नहीं। परंतु जब भी मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर उक्त स्थिती के खिलाफ शिकायत की जाती है तो गांव के सचिव श्री रजनीकांत पांडे के द्वारा ग्राम प्रधान जी की उसी झूठी रजिस्टर की प्रति जवाब में लगा दी जाती है और लिख दिया जाता है की ग्राम सभा की बैठक हुई है और ग्राम पंचायत की बैठक हुई है जोकि सरासर झूठ है। ग्राम सचिव रजनीकांत पांडे जी सरकारी नौकरी करते हैं और उनकी भी कुछ मजबूरियां हैं परंतु यथार्थ में वह भी जानते हैं की गांव में कितनी बैठकें होती हैं और कितने प्रस्ताव उन बैठकों से पास होकर गांव का विकास किया जाता है। परंतु बिडियो ,विकासखंड रेवतीपुर के पास भी लगातार शिकायत करने पर एक बार भी गांव के आम लोगों से यह पूछने नहीं जाते हैं कि क्या वाकई में ग्राम प्रधान और सचिव मिलकर

आंगनवाड़ी केंद्र पर जड़ा ताला उच्च प्राथमिक विद्यालय, पटखौलिया एवं सामुदायिक शौचालय बंद के खिलाफ आवेदन

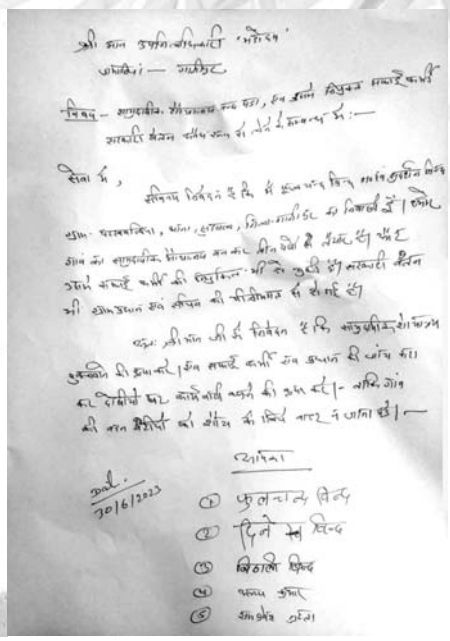

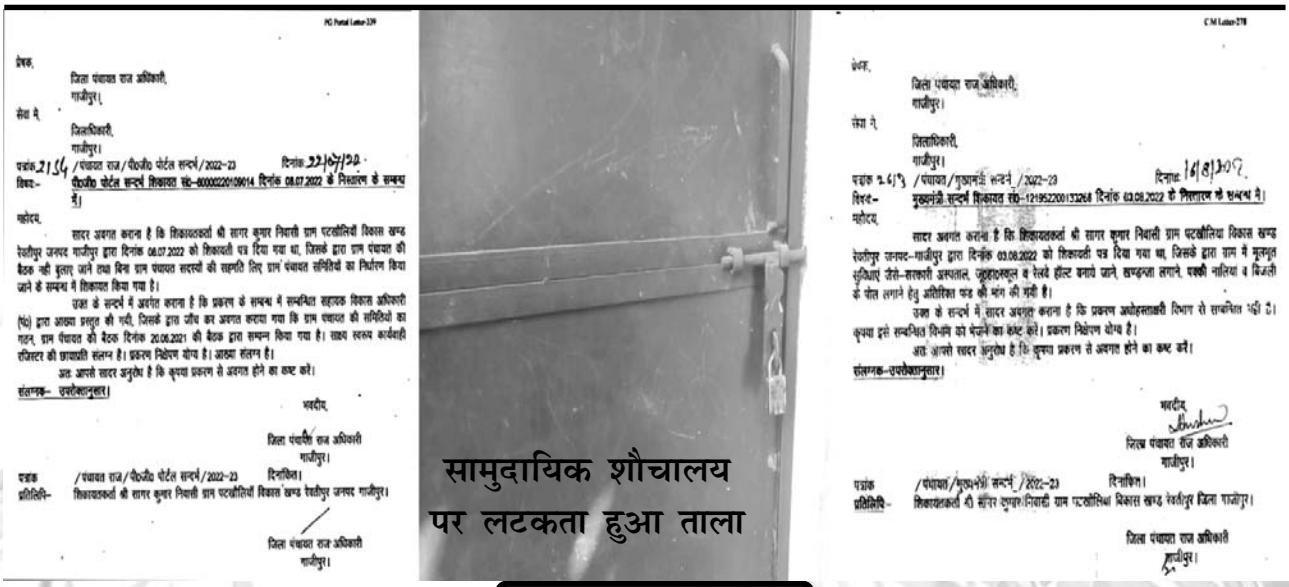

सामुदायिक शौचालय पर लटकता हुआ ताला

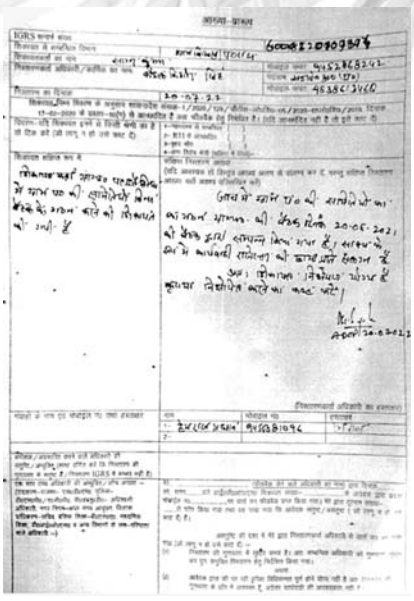

बंद पड़े सामुदायिक शौचालय पर प्रधान, ग्राम सचिव और फर्जी केयरटेकर के नाम और नंबर

उनको और सरकार को मूर्ख बना रहे हैं या फिर यह हो सकता है की बिडियो ,विकासखंड रेवतीपुर भी पूरे प्रकरण में बराबर के सहयोगी हों खैर इन के बारे में हम नीचे और विस्तृत से बताएंगे।

☞ **पटखौलिया ग्राम पंचायत में सालों से बंद पड़ा है सामुदायिक शौचालय :-** 2021 में वार्ड नंबर 13 में एक सार्वजनिक शौचालय का निर्माण सरकारी फंड से कराया गया वहां पर बिजली और पानी की भी व्यवस्था की गई। इसके बाद ग्राम प्रधान हेमराज बिंद द्वारा बिना कोई बैठक किए , बिना किसी को जानकारी दिए ग्राम प्रधान के करीबी लल्लन बिंद के पुत्र पिंटू बिंद की पत्नी सीमा देवी को वहां का केयरटेकर बनाया गया। परंतु आज तक नहीं वह सामुदायिक शौचालय खुल पाया और ना ही वहां की केयरटेकर सीमा देवी वहां पर गई। शौचालय के आसपास आबादी बस्ती है गरीब महिलाएं बरसात के दिनों में शौचालय हेतु बाहर जाने के लिए मजबूर है, इसकी शिकायत कई बार ग्रामीणों के द्वारा और वार्ड नंबर 13 के पंचायत सदस्य द्वारा किया गया परंतु फिर भी उक्त सामुदायिक शौचालय की सुधि लेने वाला कोई भी नहीं है।

☞ **पटखौलिया गांव के स्कुल की नहीं है बाउंड्री :-** उच्च प्राथमिक विद्यालय पटखौलिया की बाहरी बाउंड्री ना होने की वजह से विद्यालय परिसर में बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। विद्यालय कैंपस में आए दिन बड़े मवेशी घुस जाया करते हैं जिस वजह से लगातार बड़ी दुर्घटना होने की आशंका है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि इसी प्रांगण में आंगनवाड़ी के भी अत्यंत छोटे बच्चे स्कूल आते हैं और स्कूल की बाउंड्री ना होने की वजह से वह भी सुरक्षित नहीं हैं। विद्यालय प्रशासन के द्वारा कई बार लिखित शिकायत करने के बाद भी ना तो गांव के प्रधान और सचिव इसकी सुधि लेते हैं और ना ही शिक्षा विभाग। असल में बात यह है कि ग्राम प्रधान के करीबी व्यक्तियों के अवैध झुग्गी-झोपड़ी विद्यालय प्रांगण में है जिस वजह से स्कूल की बाउंड्री की कोई बात भी करना नहीं चाहता चाहे इससे स्कूल के छोटे बच्चों को दुर्घटना का ही शिकार क्यों ना होना पड़े। आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि बाउंड्री ना होने की वजह से स्कूल प्रांगण में जुआ खेलने वाले ,गांजा और शराब पीने वालों का भी तांता लगा रहता है जिससे बच्चों पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है और स्कूल प्रशासन भी इसे रोक पाने में असमर्थ हो रहा है।

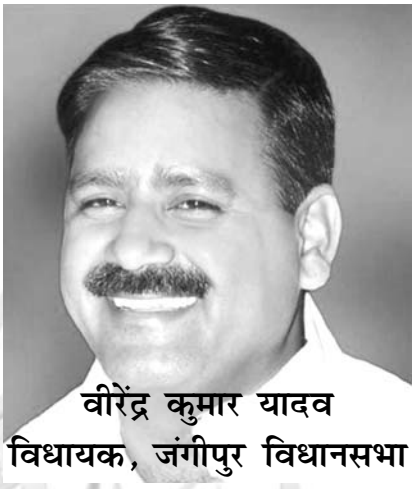

वीरेंद्र कुमार यादव
विधायक, जंगीपुर विधानसभा

☞ **गांव के आंगनवाड़ी केंद्र पर पूर्व प्रधान का है कब्जा, लगाकर रखते हैं ताला :-** गांव के गरीब और छोटे बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की गई है जिसमें बच्चों के टीकाकरण से लेकर पोषण और शिक्षा के प्रति जागरूकता इत्यादि चीजों पर ध्यान दिया जाता है परंतु पटखौलिया गांव के बच्चों को यह भी सुविधा प्राप्त नहीं है। पटखौलिया गांव के आंगनवाड़ी केंद्रों पर भी बड़ा ताला लटका हुआ है। गांव के छोटे बच्चे आंगनवाड़ी केंद्रों में ना जाकर स्कूल में जाते हैं जिस वजह से स्कूल के बाकी बड़े क्लास के बच्चों को पढ़ाई करने में काफी समस्याएं होती हैं। और शिक्षकों को भी उन्हें मैनेज करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसकी पड़ताल करने पर पता चला कि पूर्व प्रधान लालचंद बिंद के फंड से यह आंगनवाड़ी केंद्र बना था और फिर उन्हें वो पैसा नहीं मिल पाया जिस वजह से वह आंगनवाड़ी केंद्र पर ताला मार कर रखते हैं। इसके पीछे का तर्क देते हैं कि जब उन्हें इसकी लागत मिलेगी तब आंगनवाड़ी केंद्र

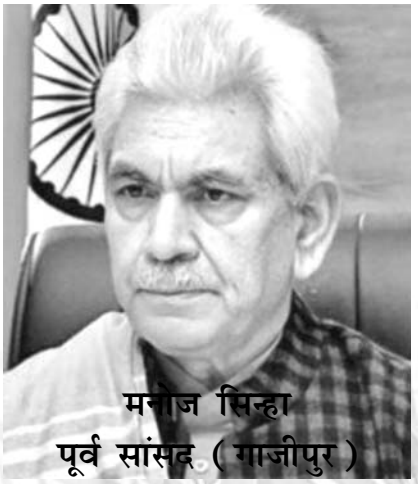

मनोज सिन्हा
पूर्व सांसद (गाजीपुर)

से ताला हटाएंगे। इस पर वर्तमान प्रधान गमगम बिन्द और सचिव रजनी कांत पांडे सीधे-सीधे कुछ भी कहने से बचते नजर आते हैं। यहां पर ध्यान देने वाली बात यह है कि पिछले कई दिनों से गांव में बिडियो रेवतीपुर सुरेंद्र सिंह राणा भी कई बार गांव में आ चुके हैं परंतु गांव की तमाम समस्याओं पर आज तक उन्होंने कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया।

☞ **पटखौलिया गांव में बदहाली की आंसू बहा रहा है अधूरा पंचायत भवन :-** पटखौलिया गांव में किस प्रकार नियमों को ताक पर रखा जाता है उसका प्रत्यक्ष और जीता जागता उदाहरण है गांव में आधा अधूरा बना पंचायत भवन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के प्रत्येक गांव वासियों से वादा किया था कि उनके गांव में एक सुसज्जित सुव्यवस्थित और स्वच्छ पंचायत भवन का निर्माण जल्द से जल्द हो जाएगा जिसमें गांव वालों की छोटी-बड़ी समस्या का सामाधान वहीं से संभव हो पाएगा और उन्हें बार-बार ब्लॉक या जिला मुख्यालय पर नहीं जाने होंगें। परंतु आज हालत यह है कि पटखौलिया गांव में पंचायत भवन पूरा बन नहीं पाया है और जितना बना है उसमें आवारा कुत्तों , गजेडीयों और दारू बाजो का बड़ा अड्डा बना हुआ है। इसके पीछे ग्राम प्रधान, सचिव और बीडीओ रेवतीपुर सुरेंद्र सिंह राणा का क्या तर्क है ? क्या समस्याएं हैं ? वह आज तक किसी को भी पता नहीं चल पाया है और ना ही यह लोग किसी को कोई जानकारी देते हैं।

☞ **पटखौलिया गांव से रेलवे स्टेशन जाने का नहीं है कोई मुख्य मार्ग :-** पटखौलिया गांव से लगभग 5 से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बेमुआ हॉल्ट है, परंतु गांव से हाल्ट तक जाने की कोई भी मुख्य मार्ग है ही नहीं। अन्य दिनों में तो लोग खेतों की मेढों पर से किसी तरह से आवाजाही करते हैं जिस में भी उन्हें काफी समस्याएं का सामना करना पड़ता है । कई बार तो लोग आवाजाही करने में गिर जाते हैं। परंतु बरसात के दिनों में तो हाल यह हो जाता है कि लोग पटखौलिया गांव में आने के लिए बेमुआ हॉल्ट ना उतरकर उसके एक पहले के स्टेशन नगसर या फिर उसके बाद के स्टेशन रमौल उतरकर और फिर वहां से एक लंबी दूरी तय करके गांव में आने को मजबूर होते हैं। यह समस्याएं ग्रामीणों ने कई बार उठाया है और कई बार ऊपर के अधिकारियों और नेताओं के भी संज्ञान में दिया परंतु नेता केवल वोट लेते हैं और वोट लेकर भूल जाते हैं। अधिकारी गांव में आते भी हैं लेकिन फिर भी उनको विकास कार्यों में दिलचस्पी कम और गांव वालों से घूस का पैसा लेने में दिलचस्पी ज्यादा रहती है।

☞ **पटखौलिया गांव के पोलों पर लगे आधी से अधिक लाइटें और लगभग आधी ही सरकारी चापाकल खराब है :-** ग्राम प्रधान हेमराज बिंद जब से प्रधान बने हैं तब से गांव में कोई भी विकास का कार्य संभव नहीं हो पाया है। गांव में बहुत सी लाइटें तो लगाई गई परंतु अब हालत यह है कि आधी से अधिक लाइटें या तो खराब हो चुकी है या फिर चार्ज नहीं हो पा रही हैं। जिस वजह से गांव के उन इलाकों में अंधेरा फैला हुआ रहता है। और बरसात के दिनों में बड़ी घटनाएं होने की संभावनाएं हैं। बरसात के शुरुआती दिनों में हालत यह है कि गांव के कई चापाकल खराब हो चुके हैं कुछ में बदबूदार पानी आ रही है जिससे गांव में बड़ी बीमारियां फैलने की भी आशंका है परंतु गांव के प्रधान, गांव के सचिव और बिडियो रेवतीपुर को इसकी भनक तक नहीं है और है भी तो उन्होंने आज तक इस सिलसिले में कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया ऐसे में अगर गांव वालों की स्वास्थ्य खराब होती है तो उसके सीधे-सीधे जिम्मेदार बिडियो रेवतीपुर सुरेंद्र सिंह राणा हैं।

☞ **पटखौलिया गांव में ना ही अस्पताल है, ना ही पुलिस चौकी है, ना ही बैंक है और ना ही डाकघर :-** हम 21वीं सदी में हैं और भारत अमृत महोत्सव मना रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी है और वह अपनी दूसरा कार्यकाल पूर्ण करने वाले हैं और उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी हैं और वह भी अपनी दूसरी कार्यकाल में है और लगातार उन्होंने जन भावनाओं आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य किया है परंतु पता नहीं क्यों गाजीपुर जिले के साथ या फिर कहें कि इस पंचायत के साथ काफी सौतेला व्यवहार हो रहा है। आप सोचिए कि बरसात के दिनों में रात में अगर किसी की अचानक तबीयत खराब हो जाए तो फिर यहां के लोग कैसे अस्पताल तक जाएंगे ना ही इस गांव में अच्छी सड़क है और ना ही गांव के आसपास कोई ढंग का अस्पताल। इस संबंध में ग्रामीणों ने सूबे के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक जी से भी गुहार लगाई परंतु उनके द्वारा भेजे गए कागज को गाजीपुर के अधिकारियों ने अपनी तिजोरी में रख कर पर्दा डाल दिया।

☞ **पटखौलिया गांव के कई मार्गों ,बर्जर जमीनों यहां तक कि सरकारी गढही पर गांव के दबंगों का है अवैध कब्जा :-** यहां के गांव वालों ने कई बार सरकारी तंत्रों से गुहार लगाई की यहां की सड़कें अवैध कब्जों से मुक्त हो ताकि लोगों के आवागमन में सुविधा हो सके। कई बार लिखित रूप से शिकायत की गई कि गांव में कुछ दबंग लोगों ने सरकारी गढही पर अवैध पट्टा करा लिया है।

हालत यह है कि गांव से पानी की निकासी के लिए जो जगह या गढही छोड़ा गया है वह भी अतिक्रमण के शिकार है जिस वजह से गांव में जल निकासी नहीं हो पाती है और वह पानी गांव की सड़कों पर आकर लोगों के आवागमन में बाधा उत्पन्न करती है। अब फिर से हम यहां के माननीय बिडियो सुरेंद्र सिंह राणा जी और यहां के लेखपाल विकास सिंह महोदय से यह प्रश्न पूछना चाहेंगे कि आप गांव में खुद कई बार आ चुके हैं फिर आपने गांव की कौन सी समस्याओं को देखा और उस पर क्या अमल किया। यह लोग केवल काम चोरी के लिए जाने जाते हैं और गांव में आकर प्रधाान के पास बैठकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर चले जाते हैं लेकिन गांव की जो मूलभूत सुविधाएं हैं या फिर जो गांव की समस्याएं है, उन पर इन अधिकारियों की कोई भी दृष्टि नहीं और पटखौलिया गांव आज भी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी की तरफ आस लगाए बैठे हैं कि कभी कोई नेता या कोई अधिकारी आएगा और इस गांव का जीर्णोद्धार करेगा।

अधूरा पंचायत भवन

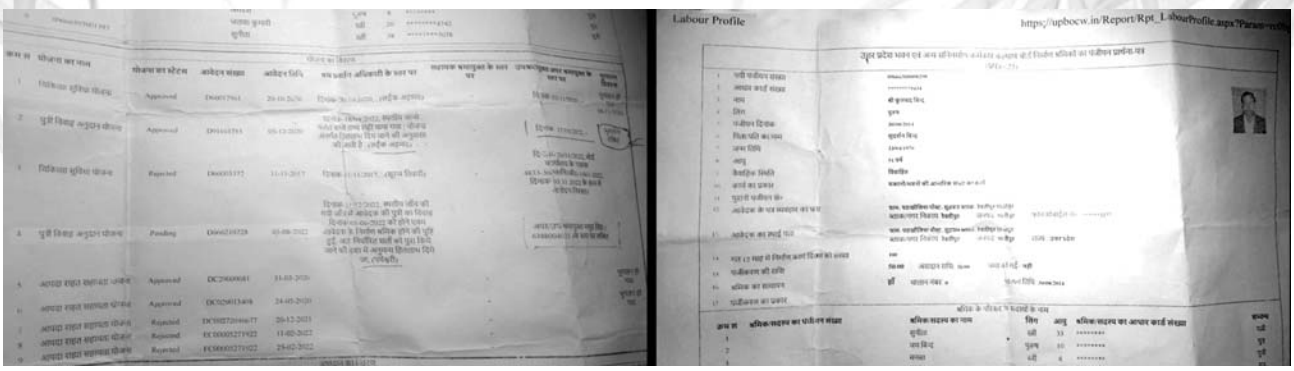

स्थलीय जांच होने के बाद भी कन्या विवाह अनुदान योजना का पैसा लाभुक तक नहीं पहुंचा

☞ **पटखौलिया ग्राम प्रधान हेमराज बिंद गांव वालों से मांगते हैं घूस :-** कई गांव वालों ने ऑफ द रिकॉर्ड हमसे कहा है कि ग्राम प्रधान हेमराज बिंद उर्फ गमगम बिन्द गांव में गरीब लोगों को आवास और शौचालय दिलवाने के नाम पर अवैध उगाही करते हैं। जिसके स्पष्ट प्रमाण हमारे पास मौजूद है। गांव वालों का कहना है कि ग्राम प्रधान हेमराज बिंद उन घरों में जाते हैं जिनका आवास और शौचालय पास हो चुका है और उन घर के लोगों को कहते हैं की आवास शौचालय के प्रत्येक किस्त पर उन्हें 10000 रू० चाहिए ताकि वह पैसा वहां के अधिकारी अर्थात बिडियो साहब तक पहुंचा सके नहीं तो फिर आवास का पैसा नहीं आ पाएगा और हाल के दिनों में बिडियो रेवतीपुर सुरेंद्र सिंह राणा कई बार पटखौलिया गांव का दौरा कर चुके हैं, परंतु दौरे का ना कुछ मकसद पता चला और ना ही दौरे का कुछ रिजल्ट ही आ पाया। केवल सुरेंद्र सिंह राणा गांव में जाते हैं फोटो खिंचवाते हैं और प्रधान जी के पास बैठ कर चले आते हैं। इससे यह भी आशंका प्रतीत होती है कि प्रधान के द्वारा गांव वालों से मांगे गए अवैध रुपए में कहीं ना कहीं बिडियो साहब की भी हिस्सेदारी जरूर है। खैर यह जांच का विषय है और गाजीपुर के ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को इसकी जांच करनी चाहिए और साथ-साथ रेवतीपुर बिडियो सुरेंद्र सिंह राणा और लेखापाल विकास सिंह के संपत्ति की भी जांच होनी चाहिए।

☞ **कन्या विवाह अनुदान योजना, आवास योजना, मनरेगा इत्यादि में कई ग्रामीणों का फंसा हुआ है पैसा :-** कई ग्रामीणों का आरोप है कि एक तो गांव में कोई विकास का कार्य समय से नहीं होता है । ग्राम प्रधान अधिकारी पदाधिकारी केवल गांव वालों से पैसा ऐंठने का काम करते हैं। और दूसरी तरफ सरकार की जो योजनाएं हैं उनका भी पैसा ग्राम प्रधान और इन अधिकारियों की शिथिलता के कारण गांव वालों को नहीं मिल पा रहा। कई गांव वालों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत मिलने वाला पैसा कन्या के विवाह के कई सालों के बाद भी नहीं मिला है और कई ग्रामीणों के आवास का पहला और दूसरा किस्त रुका हुआ है। गांव के ही ग्रामीण फूलचंद बिंद की बेटी की शादी के कई साल के बाद भी आज तक कन्या विवाह अनुदान योजना का पैसा उन्हें नहीं मिल पाया है। उन्हीं के तरह और कई ग्रामीण जिन्होंने अपने सभी कागजात विभाग में जमा करा दिए हैं। विभाग से सभी प्रकार के स्थलीय जांच भी करा लिए गए हैं परंतु फिर भी अभी तक सरकार के द्वारा दिया गया रुपया अभी तक इन गरीबों के खातों तक नहीं पहुंच पा रहा है जिससे इस पूरी प्रक्रिया में एक बहुत बड़े भ्रष्टाचार की बू नजर आ रही है। और गांव वालों की इस प्रकार की अनेकों समस्याओं पर ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, बिडियो रेवतीपुर सभी मूकदर्शक बने हुए हैं।

☞ **जिले की तेजतर्रार डीएम साहिबा आर्यका अखौरी से लोगों को है काफी उम्मीदें :-** भदोही जिले के जिलाधिकारी रहने के दौरान कर्मचारियों अधिकारियों के जींस और टीशर्ट पहनकर कार्यालय में आने पर रोक लगाकर चर्चा में आने वाली बिहार मुल की 2013 बैच की कड़क और ईमानदार छवि की तेजतर्रार आईएएस अधिकारी आर्यका अखौरी गाजीपुर जिले की जिलाधिकारी बनी तब से एक तरफ तो अधिकारियों में हड़कंप है दूसरी तरफ गांव में आम लोगों के बीच वह काफी लोकप्रिय भी हैं। अगर हम बात करें ग्राम पंचायत पटखौलिया की तो यहां की समस्याएं अभी तक धरी की धरी हैं। परंतु गांव के आम जनमानस जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के प्रति काफी आश्वस्त हैं और उन्हें आज भी यह उम्मीद है कि अगर उनके गांव का विकास सही मायने में कोई कर सकता है तो वह गाजीपुर की जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ही हैं। केवल सच भी जिलाधिकारी महोदया से आग्रह करती है कि उक्त गांव में आप चौपाल के माध्यम से गांव की सभी समस्याएं खुद से मॉनिटर करें भ्रष्ट पदाधिकारियों की विभागीय और संपत्ति की जांच करा कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दें और गांव के आम जनमानस की जो भी समस्याएं उसे सुनकर समझ कर उसके निवारण करने की अतिशीघ्र कृपा करें।

☞ **निष्कर्ष :-** हमने यहां पर केवल एक गांव की चर्चा की और यह केवल सांकेतिक मात्र है। ऐसा नहीं है कि गाजीपुर जिले के और उत्तर प्रदेश के हर गांव में इस प्रकार की समस्या है या फिर हर गांव में बहुत अधिक सुविधाएं हैं। सभी गांव में कमोबेश कुछ सुविधाएं भी होती हैं कुछ समस्याएं भी होती लेकिन हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में वैसे गांव और आम जनमानस की खबरों को लेकर आते हैं जहां पर की समस्याएं अपनी चरम पर है और आम जनमानस की बातें ना तो अधिकारी सुन रहे हैं ना नेता सुन रहे हैं । सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हो रहे हैं तब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत करने के लिए लोकतंत्र की सच्ची आवाज बनने के लिए **केवल सच** अपना कलम उठाती है और भ्रष्टाचारियों और बेईमानों के खिलाफ आवाज लगाती है। इसी क्रम में हमने पटखौलिया ग्राम पंचायत की स्पष्ट, सीधी और निष्पक्ष तस्वीर आप तक रखी है अब आपको तय करना है कि क्या 21वीं सदी में भी हमारा गांव इतनी समस्याओं से जूझने के बाद भी हमारे किसान कैसे आगे बढ़ेंगें।

कैसे हम बिना गांव को विकसित किए सुपर पावर बन पाएंगे और कैसे इन भ्रष्ट पदाधिकारियों के भरोसे गांव और पूरी पंचायत को छोड़े हुए हैं ? यह विभाग के बड़े अधिकारियों और नेताओं के नेतृत्व पर एक बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह है ! केवल सच एक मुहिम की तरह कार्य करती है और हम आपके हक और हुकूक की लड़ाई लड़ रहे लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए गांव को विकसित करने के लिए हम हर उस अधिकारी और पदाधिकारी के कारनामों की पोल लगातार खोलते रहेंगे जो आम जनमानस को या तो परेशान करते हैं या फिर उनकी मुस्कुराहट में बाधा बनते हैं। और हम केवल सच के पाठकों से भी आग्रह करेंगे कि आपके पास भी अगर किसी ऐसे भ्रष्टाचारी अधिकारी और अविकसित गांव की सूचना है तो हमें संपर्क करें और हमें अपनी समस्याओं से अवगत कराएं। ●

लोकतंत्र के लिए कब तक होगा सुरक्षित माहौल?

● रूपेश रॉय

कई वर्षों से, लोकतंत्र की स्थिति को लेकर चिंता रही है, शायद विशेष रूप से अधिक स्थापित लोकतंत्रों में। इसमें से अधिकांश चुनाव में नागरिकों की भागीदारी के घटते स्तर पर आधारित है, जो नागरिकों की ओर से रुचि और भागीदारी की कमी का संकेत देता है। कम मतदान प्रतिशत तथाकथित लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों की वैधता पर सवाल उठाता है, जो कुछ देशों में वास्तव में कुल मतदाताओं के अल्पमत द्वारा चुनी जाती हैं।

सत्ता हासिल करना तो सभी चाहते हैं लेकिन इतनी अनैतिकता बेशर्मी से डंके की चोट पर खुलकर, लोकतंत्र और संविधान के आदर्शों की घोर अवहेलना करके, जन आस्था का अपमान करके, अपनी सरकार बनाना और विपक्ष को किसी भी कीमत पर तोड़ना, यह घिनौना और लोकतंत्र विरोधी, संविधान विरोधी खेल केन्द्रीय राजनीतिक दलों ने हीं शुरू किया है और दु:ख और आश्चर्य है कि इस देश के बुद्धिजीवियों का एक वर्ग भी इस सीमा तक पूर्वाग्रही नीच मनोवृति का और अंदर ही अंदर मूर्ति पूजक सांप्रदायिक विचारधारा से प्रेरित है कि उसके लिए लोकतंत्र, संविधान, ईमानदारी, सिद्धांत कोई मायने नहीं रखते । इन मति भ्रष्ट और मानसिक रूप से विकलांग बुद्धिजीवियों का बड़ा सशक्त कुतर्क है कि अन्य सभी दल भी तो ऐसे ही है।

महाराष्ट्र का सियासी संकट बढ़ता ही जा रहा है। एक साल पहले जिस तरह से शिवसेना को तोड़कर भाजपा ने शिंदे गुट के साथ मिलकर न केवल सरकार बनाई, बल्कि सत्ता में बने रहने के लिए देवेंद्र फड़नवीस को उपमुख्यमंत्री तक बना दिया, लगभग वैसा ही खेल फिर से खेला और इस बार मोहरा बनाया गया अजित पवार को। दरअसल शिवसेना में फूट के बाद भी महाविकास आघाड़ी भाजपा के लिए चुनौती बना हुआ था। क्योंकि इसमें शरद पवार जैसे दिग्गज नेता हैं। शरद पवार को कमजोर करने के लिए भाजपा ने एनसीपी में फूट डालने की अपनी कोशिशें तेज की और आखिरकार अजित पवार को अपनी ओर मिला ही लिया। दीवार पर लिखी इबारत की तरह इस बात को साफ-साफ पढ़ा जा सकता है कि भाजपा का तोड़-फोड़ का यह खेल महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ मजबूत करने के अलावा अगले आम चुनावों में विपक्षी खेमे को कमजोर करने के लिए भी है। क्षेत्रीय दलों को पहले अपने साथ मिलाओ, फिर उनमें फूट डालो यह सियासी खेल अब काफी जाना पहचाना हो चुका है। लेकिन इस बार भाजपा का मुकाबला शरद पवार से हुआ है। शरद पवार खुद कांग्रेस से अलग हुए थे। लेकिन तब मसले दूसरे थे। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 27 सालों में काफी मजबूत कर दिया और जरूरत हुई तो यूपीए का हिस्सा बनने से गुरेज नहीं किया। अब अपनी ही बनाई पार्टी पर अधिकार के लिए उन्हें लड़ाई लड़नी पड़ रही है। शरद पवार ने अजित पवार समेत कई विधायकों पर कार्रवाई की है। दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पर इस मसले को लेकर बुलाई जिसे अजित पवार ने गैरकानूनी करार दिया, क्योंकि अब वे पार्टी पर अपना अधिकार मान रहे हैं। वैसे शरद पवार ने ये संकेत भी अपने समर्थकों को दे दिए हैं कि जरूरत हुई तो तीन महीने के भीतर नए सिरे से पार्टी खड़ी कर देंगे। यानी अभी ये तय नहीं है कि एनसीपी पर असली हक किसका होगा। लेकिन इतना तो नजर आ ही रहा है कि अजित पवार के साथ हाथ मिलाकर भाजपा ने एक बार फिर फूट डालो और राज करो की चाल चली है। लेकिन यह चाल देश के लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

27 मई 1996 को जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, तो संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण में वाजपेयी जी ने कहा था- 'हम सत्ता के

लोभ में गलत काम करने को तैयार नहीं हैं। अगर पार्टी तोड़ कर, सत्ता के लिए नया गठबंधन करने से सत्ता हाथ में आती है तो मैं ऐसी सत्ता को चिमटे से भी छूना नहीं चाहता।' इसके बाद एनडीए के पास बहुमत न होने के कारण अटल बिहारी वाजपेयी की 13 दिन की सरकार गिर गई थी। वाजपेयी जी ने अपने भाषण में तब शरद पवार के कांग्रेस छोड़ने का जिक्र भी किया था। कौन जानता था कि 27 साल बाद इतिहास एक नए रूप में देखने मिलेगा। दरअसल वाजपेयी काल की भाजपा से 2014 के बाद वाली भाजपा बहुत अलग हो चुकी है। अब सत्ता के लिए विचारधारा को परे रखने और सुविधा के हिसाब से गठजोड़ करने या दलों को फूट डालने का काम भाजपा करने लगी है। बीते लगभग एक दशक में विधायकों की कथित खरीद फरोख्त और 'ऑपरेशन कमल' जैसे शब्द देश के सियासी शब्दकोष में शामिल हो गए हैं। वैसे तो आया राम गया राम का खेल 1967 से ही चल रहा है। हरियाणा में गया लाल ने 1967 में एक ही दिन में तीन बार पार्टी बदली थी, लेकिन तब दल बदल या विरोधी खेमे में शामिल होने को इतनी सहज स्वीकार्यता नहीं थी, जैसी अब हो गई है। राजनेता सत्ता और पद के लिए ऐसा करते हैं, और इसके लिए विचारधारा को परे रखते हैं, यह बात तो समझ आती है। लेकिन सवाल ये है कि जनता की मानसिकता इस दौर में किस तरह बदल दी गई है। क्या नेताओं के साथ-साथ जनता ने भी वैचारिक समझौता करना सीख लिया है। दल-बदल करने वाले नेताओं को अगर जनता का साथ मिलने लगा है, तो यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरे की निशानी है।

प्रधानमंत्री मोदी बार-बार भारत को लोकतंत्र की जननी कहते हैं। यह बात काफी हद तक सही भी है, क्योंकि भारत के प्राचीन इतिहास में गणराज्यों का उल्लेख है। लेकिन मौजूदा राजनीति में केवल प्राचीन विरासत के गौरवगान से बात नहीं बनेगी। भविष्य के लिए कैसी मिसाल तैयार की जा रही है, यह भी देखना होगा। लोकतंत्र केवल राजनीतिक ,सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का प्रकार ही नहीं बल्कि जीवन के प्रति विशेष दृष्टिकोण में भी उसका नाम है। प्रजातंत्र में सभी व्यक्तियों को एक दूसरे के प्रति वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा व्यवहार अपने प्रति पसंद लोगों से करते हैं। मोदीजी के 9 सालों के कार्यकाल में 9 बड़ी राजनैतिक फूट देखने मिली है। 2014 में उत्तराखंड में कांग्रेस के 9 विधायक टूट कर भाजपा में गए, 2015 में हिमंता बिस्वासरमा कांग्रेस में शामिल हुए, 2016 में अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत 33 विधायक भाजपा में शामिल हुए, 2017 में कांग्रेस विधायकों के साथ से मणिपुर में भाजपा ने सरकार बना ली, 2017 में ही जदयू के साथ बिहार में सरकार बना ली, 2018 में कांग्रेस में जेडीएस और कांग्रेस की गठबंधन सरकार के विधायकों को तोड़कर भाजपा ने सत्ता हथियाई, 2020 में मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया से बगावत करवाकर कांग्रेस की सरकार भाजपा ने गिरवाई, 2022 में महाराष्ट्र में शिवसेना में फूट डालकर भाजपा सत्ता में आई, और इस साल 2023 में एनसीपी में भाजपा के कारण फूट पड़ी। इसके अलावा और भी कई नेताओं को भाजपा ने तोड़कर अपने खेमे में शामिल किया है। दल-बदल का यह खेल अगले साल के चुनाव तक जारी रहेगा। हो सकता है इससे भाजपा मजबूत हो और उसकी विरोधी पार्टियों के सामने असुरक्षा का खतरा मंडराए। लेकिन असल में इससे देश का लोकतंत्र असुरक्षित हो रहा है, इस बात पर सभी राजनैतिक दलों और जनसेवा के नाम पर राजनीति करने वालों को सोचना होगा। सत्ता में बैठे लोगों को सत्ता की भूख है, जनहित से जुड़े मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। महंगाई से, गरीब बेरोजगारी से युवा वर्ग परेशान

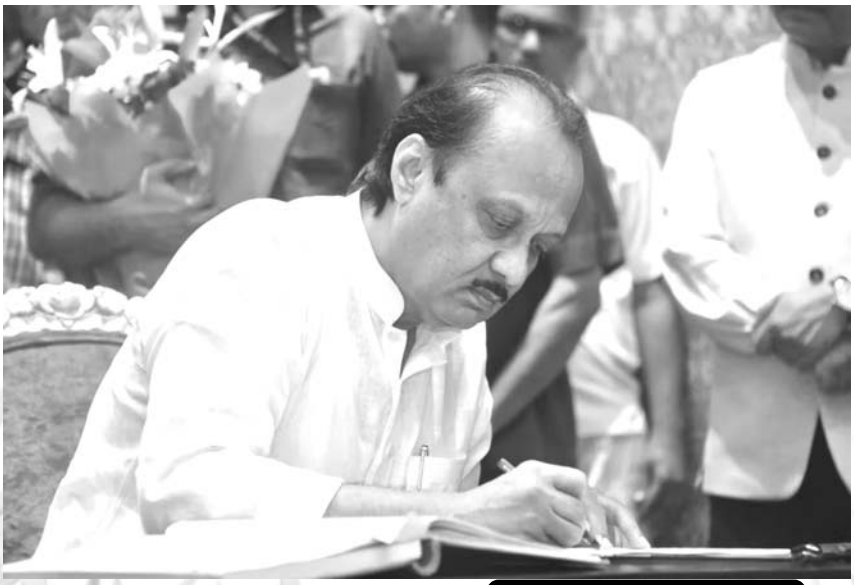

है। महिलाएं असुरक्षित अपने आपको महसूस कर रही हैं। चारों तरफ अराजकता का माहौल देखने को मिल रहा है। जनहित से जुड़े मुद्दों का अंबार अच्छे दिनों का सपना दिखाने वालों के राज में हर वर्ग परेशान है। संविधान को कमजोर और लोकतंत्र की अपने स्वार्थ के लिए हत्या की जा रही है । जिस तरह चुनाव के समय उंगली से बटन दबाकर सरकार चुनना लोकतंत्र है,उसी तरह अपने हक के लिए सरकार को वही उंगली दिखाकर सवाल पूछना भी लोकतंत्र है। सतर्कता नागरिकों के अधिकारों और दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली सरकारी नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करती है।

☞ **भारतीय लोकतंत्र को मजबूत विपक्ष की तलाश :-** किसी मजबूत लोकतंत्र के लिए जहाँ एक स्थायी सरकार की जरूरत होती है, वहीं इसे लिए एक विश्वसनीय और मजबूत विपक्ष भी जरूरी होता है। विपक्ष की मुख्य भूमिका वर्तमान सरकार से सवाल पूछना और उसे जनता के प्रति उत्तरदायी बनाना होता है। यह एक स्थापित सत्य है कि विशाल बहुमत और कमजोर विपक्ष वाली सरकार महत्वपूर्ण मसलों को प्रभावित करती है। यह भी सत्य है कि अगर विपक्ष की भूमिका कमजोर है तो सत्ता निरंकुश हो जाती है जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। भारतीय संसद के इतिहास में शायद पहले कभी भी विपक्ष इतना हताश दिखाई दिया हो। 1984 में भी नहीं जब स्वर्गीय राजीव गाँधी जी को नरेंद्र मोदी से भी भारी जनादेश मिला था। कम से कम तब संसद के भीतर और बाहर अटल बिहारी बाजपेयी, आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस, चंद्रशेखर सिंह, राम कृष्ण हेगड़े, एन टी रामराव, कर्पूरी ठाकुर जैसे मजबूत विपक्षी नेताओं की लंबी कतार थी जो सरकार की नीतियों के खिलाफ जनआंदोलनों से कांग्रेस सरकार को नाको दम कर दिया था। संसदीय प्रणाली में विपक्ष का इतना कमजोर होना दुर्भाग्य है। इस दुर्गति के लिए देश के सभी विपक्षी दल और उसके शीर्ष नेता जिम्मेवार हैं। मजबूत विपक्ष के बिना स्वस्थ लोकतंत्र की परिकल्पना बेईमानी है। ●

बिहार में 40 लोकसभा सीट
भाजपा और महागठबंधन दोनो का 40 सीटों पर जीत का दावा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार में लोकसभा का 40 सीट है। भाजपा और महागठबंधन दोनों द्वारा 40 /40 सीटों पर जीत का दावा किया जा रहा है। दोनों का दावा जनता देख रही है। महागठबंधन का एक ही लक्ष्य है मोदी हटाओ तथा 2024 बिहार की 40 में 40 सीटों पर झंडा फहरायेगा। दूसरी ओर भाजपा कार्यकर्ताओं ने महा जनसंपर्क अभियान चलाकर केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में घर-घर जाकर लोगों को जानकारी दिया जा रहा है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 साल का पत्रक बांटा जा रहा है। पटना में हुई महागठबंधन की बैठक बिना किसी मसौदे के पूरी हो गई बैठक में भ्रष्टाचार पर बोलने से भाजपा को हमला करने का मौका मिल गया यही वजह है कि भाजपा इस गठबंधन की खिल्ली उड़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में एक सभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर जमकर चुटकियां ली। उन्होंने कहा कि इनके घोटालों की लिस्ट कितनी लंबी है कोर्ट में थक गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि कुछ लोग अपनी ही दल के लिए जीते हैं ,दल का ही भला करते हैं और वह इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार, कमीशन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात है की केंद्र सरकार के खिलाफ ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाले विपक्षी दलों में से किसी ने भी प्रधानमंत्री के आरोपों का खंडन नहीं किया विपक्षी दल की कार्रवाई के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में पहले ही महत्वपूर्ण मामले में दखल देने से इनकार कर दिया था। बिहार में अपराध चरम सीमा पर है । दूसरे को सुरक्षा देने वाले पुलिस अपराधियों द्वारा मारे जा रहे हैं,उसे कौन सुरक्षा दे।अपराध की नए नए तरीके सामने आ रहे हैं। अपराधियों का दुस्साहस : बैंक के दो गार्ड को गोली मारकर हत्या करद दिया गया। सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र में हथियारों से लैस अपराधियों ने दो होमगार्ड जवानों की हत्या कर पंजाब नेशनल बैंक 13 लाख। 28 हजार 197 रुपए लूट लिए। भागलपुर में दो पुलिस पर हमला कर दो जवान को घायल कर दिया। शराब बरामद करने गए कई पुलिसकर्मी पर हमला हुआ है। ललमटिया थाना क्षेत्र के कबीर पुर में दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया इस दौरान महिला पुलिसकर्मी के गले से सोने की चेन छीन ली गई और राइफल छीनने का भी प्रयास किया गया साथ ही आरोपियों ने थाने की जीप पर भी पथराव किया। गिरफ्तारी से बचने के लिए अपराधियों ने थाना प्रभारी को ही गोली मारी। यह घटना पूर्णिया फोर्ड कंपनी चौक के समीप मधुबनी टीओपी अध्यक्ष मनीष चंद्र यादव को बदमाशों द्वारा गोली मार दी गई। बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र के रसेन गांव में एक किशोरी के साथ चार लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। भागलपुर भाखरपुर सहायक थाना क्षेत्र में 12 वर्षीय बच्ची से 4 युवकों ने दुष्कर्म किया और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया उक्त वीडियो गांव के ही युवकों द्वारा प्रचारित किया गया। पटना के दीदारगंज में महिला की गोली मारकर हत्या। बेखौफ हथियारबंद अपराधियों ने सरेआम दीदारगंज थाना अंतर्गत मिर्जापुर रक्षा बांस से 25 वर्षीय अज्ञात महिला को गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक का हाथ काट कर मौत के घाट उतार दिया गया। फुलवारी शरीफ थाना के मित्र मंडल कॉलोनी में देर रात पुलिस ने एक 20 साल के युवक का लाश बरामद किया है युवक की हत्या धारदार हथियार से हाथ काट कर दिया गया है। बाबजूद नेताओं के आंख से आंसू तक नहीं छलका। नीतीश कुमार के 18 साल मुख्यमंत्री रहने के बावजूद अपराध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। ●

चिराग का 40 सीटों पर तैयारी
पशुपति को कंधा पर लाद कर घूमो

भाजपा के लिए पशुपति नाथ पारस सिर्फ एक वोझ है। उनके साथ जो भी संसद हैं वह सब स्वर्गीय रामविलास पासवान के प्रभाव के कारण जीत पाए हैं। 2024 का चुनाव में स्वयं पारसनाथ नहीं अपने जीतेंगे और नहीं के साथ रहने वाले सांसद। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भगवान नहीं है कि सब कुछ जानते हैं। बल्कि बिहार के भाजपायी सांसद ,विधायक और बड़े-बड़े पदों पर के लोगों को बताना होगा कि पशुपति पारसनाथ फूटा हुआ ढोल हैं। स्वर्गीय रामविलास पासवान का जनसमर्थन सभी चिराग पासवान के साथ है। चिराग पासवान के कारण ही नीतीश कुमार 43 सीट पर आ गए। बिहार के भाजपायी ने प्रधानमंत्री को कभी नहीं कहा की बिहार अपराधियों का नगरी है और भ्रष्टाचार का साम्राज्य है बल्कि नीतीश कुमार के साथ गला में गला मिलकर सुशासन और जीरो टॉलरेंस नारा लगाते रहे। मोदी कोई भगवान तो नहीं है। उन्हें भी लगा होगा कि सचमुच में बिहार में सुशासन और जीरो टॉलरेंस है इसी कारण अपने आंगन में बैठाकर सत्ता सौंप दिया और दूसरी ओर नीतीश कुमार ने भाजपायी के घर से ही बाहर कर दिया।बिहार के अधिकांश भाजपायी विधायक, सांसद एसी रूम से निकलकर कार्यकर्ताओं एवं जनता से मिलना शायद अपमान समझते हैं तथा मोदी जी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी रखना फिजूल समझते हैं। इसके कारण आज बिहारी वाजपेई के सभी सांसद, विधायक मिलकर भी चिराग पासवान एक मैदान में आ जाए तथा बिहार के सभी सांसद , विधायक दूसरे में आ जाए बावजूद जन सैलाव का मुकाबला नहीं कर सकता है।भाजपा मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बार -बार सुझाव दिया कि पशुपतिनाथ पारस जनाधार हीन नेता है, साथ रखने कि आवश्यकता नहीं है।सांसदों, विधायकों को सुझाव दिया है कि एसी रूम से निकलकर मोदी जी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। बावजूद किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। पशुपति पारस जनाधार हीन नेता है। बताया जाता है कि बिहार के 40 सीटों पर अकेले लड़ेंगे। भले ही वह नहीं जीतेंगे परंतु मूर्ख भाजपाइयों के जमात का औकात निकल जाएगी।

कर्तव्य की बलि वेदी पर शहीद अदम्य साहसी कर्मठ पुलिस ऑफिसर को श्रद्धांजलि

यादों में हमेशा जिंदा रहेंगे रमन प्रकाश बंका

● **अरूण कुमार बंका**

रमण बंका आईपीएस स्मृति ट्रस्ट के तत्वाधान में पटना महानगर के बिहार चौंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में दिनांक 09 जुलाई 2023 को बिहार बोर्ड परीक्षा 2023 में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सात छात्रों को रमण अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि श्री आलोक राज आईपीएस, महानिदेशक निगरानी एवं अन्वेषण, बिहार; विशिष्ट अतिथि श्री विकास सहाय आईपीएस, डीजीपी गुजरात; श्री ब्रजेश मिश्र सम्पादक, केवल सच; श्री आनन्द मोहन बजाज, भारतीय अंकेक्षण एवं लेखा सेवा, उप अपर सीएजी, भूतपूर्व अपर सचिव वित्त विभाग भारत सरकार; श्री रंजन कुमार आईआरएस, प्रधान आयकर निदेशक पटना; श्री शिव ओम दिक्षित मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई, पटना; श्री नंदकिशोर सिंह, महाप्रबंधक, भा. स्टे. बैंक उपस्थित रहें। कार्यक्रम में कई अभियंता, अधिवक्ता, चिकित्सक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, समाजसेवी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी सम्मिलित हुए।

पिता सचमुच में अपने पुत्र के लिये भगवान से कम नही होता है। शैशवकाल से बाल्यावस्था के बाद युवावस्था में प्रवेश करने तक उसे उसके पैरों पर खड़े करने की अपनी पारंम्परिक जिम्मेवारियों का निर्वहन करता है। तो मां ममता, प्यार, वात्यसल्य, त्याग, समपर्ण, वेदना की प्रतिमूर्ति होती है। हर पिता का अरमान और सपना होता है। पुत्र बुढ़ापे की लाठी और पिता के आखों में सपनों की चमक चेहरों की झुरियों को नया स्वरूप दे जाती है। लेकिन दिल में दर्द और कसक उस समय एक नासूर जख्म दे जाता है जो ताउम्र बुढ़ापे की हडियॉ चटकाती रहती है। लेकिन उस दर्द को अपने चेहरे पर शिकन की लकीर और एहसासों का फलसफा नही लाकर अंतहीन कहानी को जीवंत दस्तावेज बनाने वाले पिता भी इतिहास बना जाते है। मैं ऐसे पिता की बात कर रहा हूॅ। जो 82 बर्ष पूरे कर अपने पुत्र के उन सपनों को पुरा करने का प्रयास कर रहे हैं, जो सपना पुत्र ने देखा था। परन्तु युवावस्था में पैर रखते ही असमय काल के गाल में समा गया। परन्तु जाते-जाते कई पिता के अरमानों को पुरा करने का मार्ग प्रशस्त कर गया है। पृथ्वी और मानव जीवन का सृजन के बाद ही जीवन के बाद मृत्यू सार्वभौमिक एवं वास्तविक सत्य है। पारम्परिक रूप से आज तक क्रम चक्र के अनुसार मनुष्य अपने कर्मो के बीच जिम्मेवारियों को पुरा करते हुये अपने पुत्र एवं पुत्रियों का पालन

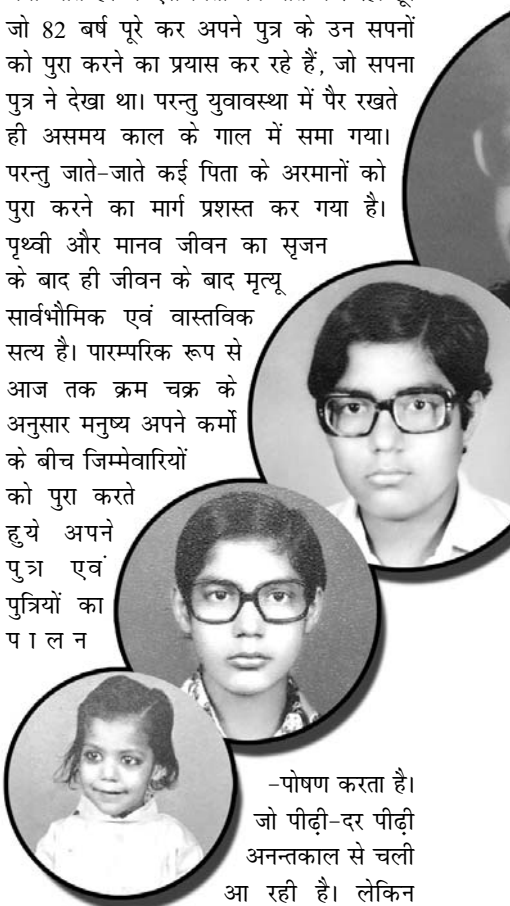

-पोषण करता है। जो पीढ़ी-दर पीढ़ी अनन्तकाल से चली आ रही है। लेकिन अपने निहित कर्मो के बीच अपने जीवन में

कई सजा भी भुगतने के लिये तैयार रहता है। बच्चों की परवरिश में कमी नही हो इसके लिये वह अपनी जरूरतों और व्यक्तिगत हसरतों को मारकर अपने बच्चों के सुख के लिये पुरी ताकत झोंक देता है। कहा गया है मसला यह नही कि मेरा दर्द कितना है, सवाल यह है कि तुझे परवाह कितनी है।

नवादा जिले के वारिसलीगंज नगर परिषद क्षेत्र के ओम प्रकाश बंका जो अपने 83 वसंत को पार करने के बाद भी जो लकीर खींची है, शायद ही कोई व्यक्ति इस लकीर से लंबी लकीर खीचनें की कुबत और हौसला रखता हो। वक्त का पहिया चलता रहा और वक्त के थपेड़ों की मार सहते-सहते आदतन दुख को अपना श्रृंगार बना कर सुख के सागर में सपनों का गोता लगाकर हर मझधार में अपनी नाव को डुबने से बचाने का अंतहीन प्रयास करता है।

मेरी कहानी का यही सार है कि पुत्र वियोग दुख-तकलीफ को अपने से दुर कर दूसरों की हसरतों का इमारत खड़ा करने वाले ओम प्रकाश बंका, अपने आइपीएस पुत्र की असमय मृत्यू के बाद काफी टुट गये, परन्तु नेष्थ्य से पुत्र की अभिलाषा और हसरतों तथा आकाक्षांओं को पुरा करने का हठ और जुनून ने उन्हें इतिहास रचने पर मजबूर कर दिया। और अपने पुत्र को हमेशा यादों और ख्यालों में सहेजने के लिये रमण प्रकाश बंका स्मृति ट्रस्ट की स्थापना कर प्रत्येक बर्ष बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटर एवं मैट्रीक में सफल शीर्ष छात्र छात्राओं को समारोह पूवर्क सम्मानित कर रहें है। ट्रस्ट की स्थापना बर्ष 2014 में हुई थी। और 2015 से लगातार आइपीएस रमन अवाड्र्स प्रत्येक वर्ष बिहार के विभिन्न जिलों के छात्र छात्राओं के बीच दिया जा रहा है।

☛ **कौन थे आईपीएस रमण बंका :-** रमण प्रकाश बंका का जन्म 18 जनवरी 1968 को बिहार के गया जिले में जो अब का नवादा जिला है। जिले के वारिसलीगंज प्रखंड में हुआ था। स्व0 बंका के पिता श्री ओम प्रकाश बंका ने बर्ष 1961 ने इंडियन इंस्टीच्यूट आफ सांइस, बैंगलरू से मास्टर आफ इंजिनियरिंग किया था। और बिहार सरकार में पथ निमार्ण विभाग में अधीक्षण अभियन्ता तक का सफर किया। 1997 में वे सेवानिवृत हो गये। रमण प्रकाश बंका ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्रारंभ करते हुये भागलपुर से 1982 में मैट्रीक की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उतीर्ण किया। पटना विश्वविद्यालय से इंटर वाणिज्य की परीक्षा में पूरे सूबे में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इंटर के बाद उन्होनें कोलकता के संत जेवियर्स कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लिया। मॉर्निंग कॉलेज रहने का फायदा उन्होनें उठाया और कास्ट एकाउन्टेंसी तथा चाटर्ड अकाउन्टेंसी की पढ़ाई भी साथ-साथ पूरी की। दोनों परीक्षा एक ही वर्ष में उन्होंने दिया और पूरे भारतवर्ष में दूसरा स्थान प्राप्त किया। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री वेंकट रमण ने उन्हें इनकी सफलता पर मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वर्ष 1988 में उन्होनें संघ लोक सेवा आयोग जैसे प्रतियोगी परीक्षा

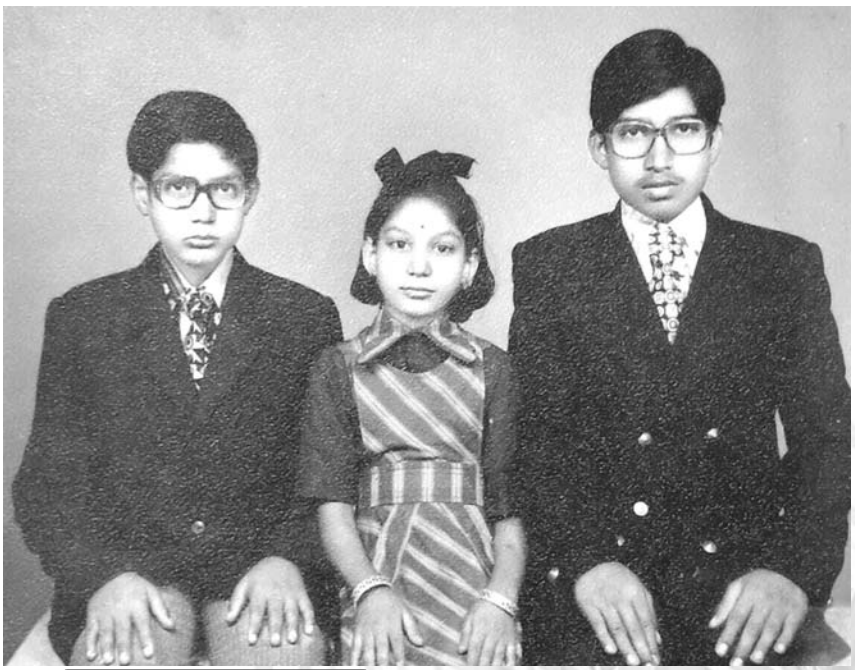

की तैयारी के लिये दिल्ली का रूख किया। और कम ही समय में उनका चयन देश के सर्वोच्च प्रतियोगी परीक्षा द्वारा भारतीय पुलिस सेवा में हो गया। भारतीय पुलिस सेवा में चयन के उपरांत उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन मसूरी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्हें गुजरात कैडर मिला और बतौर सहायक सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के पद पर अपना योगदान दिया। गुजरात के जामनगर

रमण अवार्ड 2023 से सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राएं :-

☞ **आयुषी नंदन** :- इन्होंने आरएल कॉलेज, खगड़िया से 474 यानि 94.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर इण्टर विज्ञान में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनका उद्देश्य भविष्य में आईएएस बनकर देश की सेवा करना है। इनके पिता श्री सर्वेश कुमार सुमन एक व्यवसायी हैं और माता श्रीमति अमीषा देवी गृहिणी हैं। ये ग्राम मटिहानी, पो० मानसी, जिला खगड़िया के निवासी हैं।

☞ **रजनीश कुमार पाठक** :- इन्होंने एसएन सिंहा कॉलेज, औरंगाबाद से इण्टर (वाणिज्य) में 475 यानि 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ये सौम्या शर्मा के साथ संयुक्त टॉपर हैं। इनका उद्देश्य भविष्य में चार्टड एकाउण्टेंट बनना हैं। अपनी सफलता का श्रेय ये श्री धीरज सिंह, निदेशक, सचदेवा कॉमर्स संस्थान को देते हैं । इनके पिता श्री शशि रंजन पाठक एक व्यवसायी हैं और माता श्रीमति अनिता देवी गृहिणी हैं। ये ठाकुर मोहल्ला रोड, पो० मदनपुर, जिला औरंगाबाद के निवासी हैं।

☞ **सौम्या शर्मा** :- इन्होंने एसएन सिंहा कॉलेज, औरंगाबाद से इण्टर (वाणिज्य) में 475 यानि 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ये रजनीश कुमार पाठक के साथ संयुक्त टॉपर हैं। इनका उद्देश्य भी भविष्य में चार्टड एकाउण्टेंट बनना है। ये सफलता का श्रेय अपने पूज्य दादाजी श्री दिनेश शर्मा और हरि ओम कॉमर्स संस्थान के शिक्षक श्री अनिल कुमार सिंह को देती हैं। इनके पिता श्री अरविन्द शर्मा एक किसान हैं और माता श्रीमति अनिता शर्मा गृहिणी हैं। ये ग्राम पड़रिया पो. जाखिम थाना रफीगंज, जिला औरंगाबाद के निवासी है।

☞ **मोहद्देसा** :- इन्होंने सीनियर सेकण्डरी स्कूल, बैसी, पूर्णिया से इण्टर (आर्ट्स) में 475 यानि 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनका उद्देश्य भविष्य में आईएएस बनकर देश की सेवा करना है। इनके पिता मो. जुनैद आलम सीनियर सेकण्डरी स्कूल, बैसी, पूर्णिया में भूगोल के शिक्षक हैं और माता श्रीमति रजिया बेगम गृहिणी हैं। ये ग्राम नहरा कोल, पो. तलवाडी, जिला पूर्णिया के निवासी है।

☞ **मो० रूमान अशरफ** :- इन्होंने मैट्रिक की परीक्षा में इस्लामिया हाई स्कूल, शेखपुरा से 489 यानि 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। यहाँ यह बताना उचित होगा कि बोर्ड से प्रथम बैच की परीक्षा 1954 में हुई थी और 1954 से 2023 तक में बिहार बोर्ड की परीक्षा में यह सबसे ज्यादा अंक है। इनका उद्देश्य भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा पदाधिकारी बनकर देश की सुरक्षा में अहम् योगदान प्रदान करना है इनके पिता मो. नजीबुर रहमान, प्राइमरी स्कूल, अहियापुर शेखपुरा में शिक्षक है और माता श्रीमति शबनम प्रवीन गृहिणी हैं। ये न्यू कॉलोनी अहियापुर, शेखपुरा के निवासी हैं।

☞ **ज्ञानी अनुपमा** :- इन्होंने सरस्वती प्रोजक्ट गर्ल्स हाई स्कूल, गोह जिला औरंगाबाद से मैट्रिक की परीक्षा में 486 यानि 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। परन्तु छात्राओं में प्रथम स्थान है। नम्रता कुमारी भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर संयुक्त रूप से छात्राओं में टॉपर हैं। इनका उद्देश्य भविष्य में आईएएस बनकर देश की सेवा करना है। इनके पिता श्री शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, पंचायत रोजगार सेवक, मनरेगा में हैं और माता कुमारी सोनी गुप्ता गृहिणी हैं। ये न्यू एरिया, गोह जिला औरंगाबाद के निवासी हैं।

☞ **नम्रता कुमारी** :- इन्होनें निर्मला शिक्षा भवन हाई स्कूल, शाहपुर पट्टी, भोजपुर से मैट्रिक की परीक्षा में 486 यानि 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। परन्तु छात्राओं में प्रथम स्थान है। ज्ञानी अनुपमा भी आईएएस बनना चाहती हैं।

जिले के खम्भालिया अनुमंडल में इन्हें एएसपी के पद पर कम ही समय में काफी कर्मठ पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाने लगे। उन्होंने अपने कायर्काल में कुख्यात तस्कर अपराधी हाजी इस्माइल और उसके गैंग को नेस्तनाबूद कर काफी मात्रा में फायर आर्म्स एवं अन्य सामानों को जप्त किया। इनके कार्यो पर पुलिस महानिदेशक ने प्रसन्नता जाहिर करते हुये उन्हे प्रशस्ति पत्र देकर हौसला-अफजाई किया। 1994 में इन्होनें अपने पुलिसकर्मियों के साथ अदम्य साहस और अथक परिश्रम के बदौलत कुख्यात स्मगलर अनवर ओसमान पटेल के आवास पर छापामार कर काफी मात्रा में हथियार जप्त किया। अपने कार्यो से लगातार प्रसिद्वि के साथ पुलिस महानिदेशक के प्रशस्ति पत्र भी प्राप्त करते रहे। फिर आई वो दिन जब समय ने उन्हें हमसे छीन लिया, 2 मई 1995 को देवगढ़ बारिया के धर्मकांझ गॉव में एक तेन्दुआ एक आदिवासी के घर में घुस गया था। कई ग्रामीणों को उसने घायल कर दिया था। तेन्दुआ को जिन्दा पकड़ने और उसे जंगल की ओर भगाने के लिये पुलिस और वन पदाधि कारी की विशेष टीम का गठन किया गया। इसी क्रम में आदिवासी के घर के छप्पर को फाड़कर घर में रही महिला को किसी प्रकार बाहर निकाला गया। तेदुंआ को डराने के लिये पुलिस के द्वारा अश्रुगैस के गोले भी छोड़े गये। तेदुंआ घबराकर छप्पर के रास्ते बाहर आ गया और ग्रामीणों और पुलिस कर्मियों पर अचानक हमला कर दिया। तेंदुआ के आक्रमण को देखते हुए रमण ने बहुत ही तेज गति से दौड़ लगायी और तेदुंआ पर निशाना साध कर फायर कर दिये। गोली लगते ही चीता क्रोधित होकर जिला पुलिस अधीक्षक पर टूट पड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक को तेंदुआ से बचाने के लिये रमण उस ओर दौड़े, इसी बीच रमण प्रकाश के बॉडीगार्ड ने तेंदुआ के उपर गोली चलायी परन्तु गोली तेंदुआ को नहीं लगकर रमण को लग गयी और एक कमर्ठ और ईमानदार, साहसी पुलिस अधिकारी की मृत्यु हो गयी। 02 मई 1995 को बिहार राज्य के नवादा जिले के वारिसलीगंज में जन्मे भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रमण प्रकाश बंका (पिता श्री ओम प्रकाश बंका) अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान गुजरात के दाहोद जिले के धरमकांझ में शहीद हो गये। गुजरात सरकार ने राजकीय सम्मान के साथ जॉबाज पुलिस अधिकारी को गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर दाह संस्कार किया। मरणोपरांत तत्कालीन राष्ट्रपति के आर नारायणण् ने उन्हें पुलिस मेडल देने की अधिसूचना भी जारी किया। गुजरात के महामहिम राज्यपाल सुदंर सिंह भंडारी ने भी पुलिस मेडल से उनकी पत्नी को अलंकृत किया। देश ने एक बहादुर ईमानदार एवं कतर्व्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी जो मानव-रक्षा के लिये सर्वस्व उत्सर्ग कर दिया। रमण बंका की मृत्यु के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। मनुष्य तो परिस्थितियों का दास होता है। समय बीतता रहा परन्तु स्व0 बंका के परिवार में उनके परिवार वाले, पिता एवं माता उन्हें अपने यादों में आज भी बसायें हुयें है और अपने पुत्र के सपनों और हसरतों को 83 वर्ष के उम्र में भी पूरा कर रहे है। उनके पुण्य तिथि पर 'केवल सच परिवार' उन्हें नमन करता है और पिता को सैल्यूट करता है।

पिछले वर्ष हुए कार्यक्रम में सुश्री शोभा अहोतकर, आईपीएस ने कहा था कि प्रशिक्षण काल में लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी मसूरी में स्व0 बंका के साथ कुछ क्षण

बिताने का मौका मिला था। वे बहुत ही मिलनसार एवं मृदुभाषी थे। साथ ही साथ वे एक अच्छे कुक भी थे। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना किया। उन्होंने कहा कि आपलोगों को हमेशा याद रखना होगा कि मुझे किस व्यक्ति के स्मृति में किन किन विशेषताओं और उपलब्धियों के लिए मुझे सम्मानित किया गया है। आप उनके चरित्र, ईमानदारी, कर्मठता और जुनून जैसे किरदार को जियें। अगर आप उनके चरित्र को अपनी अभिलाषा और मंजिल समझ कर आगे का मार्ग पर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से बढ़ेंगे तो मुझे विश्वास है कि आप में भी स्व0 रमन बंका का अक्स नजर आएगा जो देश के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए शहीद हो गए थे।

समारोह में उपस्थित बिहार प्रशासनिक सेवा, सिविल सेवा सहित कई विभागों के कई अधिकारियों ने समारोह को संबोधित करते हुए स्व0 बंका के उत्कर्ष बलिदान पर प्रकाश डालते हुए उनके अदम्य साहस और प्रतिभा की चर्चा किया। ट्रस्ट संस्थापक सह आईपीएस

स्व0 रमन बंका के पिता श्री ओम प्रकाश बंका ने कहा कि रमन के चरित्र और उनके यादों को हमेशा जीवंत रखने के लिये यह समारोह का आयोजन प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। समारोह में उपस्थित कई वक्ताओं ने स्व0 रमन बंका के चित्र पर पुष्प समर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया। मौके पर ट्रस्टी और बड़े भाई रवि प्रकाश बंका, छोटी बहन रेखा केडिया, छोटे भाई गौरव बंका, चाचा जी अरुण कुमार बंका, अधिवक्ता और स्थायी आमंत्रित श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, उमेश पाडिया, स्व. रमण की माता जी प्रभा देवी, उनके दादा जी श्री कैलाश प्रसाद बंका, श्री रघुनाथ बंका, सचिन बंका, मनीष कमलिया, सज्जन बंका, लक्ष्मण बंका, उपेंद्र पाडिया, नीरज सरागवी सहित दर्जनों बुद्धिजीवी एवं बिहार के विभिन्न जिलों से आये हुए लोग सम्मिलित हुए। स्व. रमण प्रकाश बंका आईपीएस की स्मृति में इस ट्रस्ट का गठन 2014 में किया गया था, और यह सम्मान समारोह 2015 से ट्रस्ट के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रत्येक वर्ष बिहार बोर्ड द्वारा आयोजित इंटर एवं मैट्रिक परीक्षा में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को एक लाख रुपये और मेडल के साथ प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। अब तक बिहार के 27 जिलों के कुल 57 छात्रों को जिसमें 23 छात्र और 34 छात्राओं को रमन अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।●

पुलिस कर्मियों के लिए हनुमान हैं मृत्युंजय सिंह

सचिवालय की दहलीज से लेकर पहाड़ की कंदराओं तक धूप,गर्मी हो या बरसात खाकी की चौकसी अपराधियों में खौफ तो लोगों के लिए एक विश्वास के साथ कार्य कर रही बिहार पुलिस अपनी नित्य नई प्रयोगों के बावजूद भी कई समस्याओं से जुझ रही है इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए हर पर्व,खुशियां लोगों के साथ ही मिलकर बांटने वाली बिहार पुलिस अपनी कई समस्याओं के निष्पादन के लिए बिहार पुलिस एसोसिएशन के ऊपर ही आश्रित रहती है ताकि उनकी आवाज पुलिस मुख्यालय से लेकर सरकार तक मजबूती से उठाया जाए। इसके लिए बिहार पुलिस समय-समय पर चुनाव के माध्यम से अपने नेतृत्वकर्ता का चयन करती हैं ताकि उनकी आवाज स्पष्ट और मजबूती से सरकार और पुलिस मुख्यालय के समक्ष प्रस्तुत हो। बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में लगातार चौथी बार विजय श्री के उद्घोष के बाद स्पष्ट वक्ता,हरदिल अजीज और पुलिस कर्मियों के लिए उनका नेतृत्वकर्ता राष्ट्रपति वीरता पदक प्राप्त मृत्युंजय सिंह ने अपना कार्य भार सम्भाल लिया हैं और सरकार तथा पुलिस मुख्यालय के समक्ष अपने सदस्यों की मांग को प्रमुखता से उठाया हैं या यूँ कहें पुलिस कर्मियों के लिए हनुमान हैं मृत्युंजय सिंह तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि इनके सदस्यों ने एक दो नहीं लगातार चौथी बार बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष की जबाव देही इनके उपर दी है ताकि प्रमुखता के साथ एसोसिएशन के सदस्यों की माँग उठती रहे। एक तरफ सरकार और पुलिस मुख्यालय के बीच अपनी सदस्यों की समस्याओं से अवगत कराना तो वही दूसरी तरफ अपने सदस्यों को कर्तव्य पथ पर बने रहने की अपील करने वाला मृत्युंजय सिंह शासन प्रशासन के बीच की मजबूत कड़ी की भूमिका निभाते आ रहे है वहीँ कर्तव्य विमुख कर्मियों की खामियों को भी जनता,मीडिया तथा शासन के बीच रखने से नहीं चूकते ताकि बिहार पुलिस अपने दायित्व का सही ढंग से निर्वहन करते हुए बेहतर पुलिस बने। लगातार चौथी बार प्रदेश अध्यक्ष के पद पर काबिज **मृत्युंजय सिंह** से पत्रिका प्रतिनिधि **श्रीधर पाण्डेय** ने खास मुलाकात की जिसके संपादित कुछ अंश:-

★ लगातार चौथी बार बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष बने, राजनीति का यह मैनेजमेंट कहाँ से सीखा?

देखिए श्रीधर जी,बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मुझे चौथी बार विजय बनने का अवसर मिला हैं। यह कोई राजनीति नहीं बल्कि अपने सदस्यों का प्यार हैं। हमारी प्राथमिकता रहीं है कि सबसे पहले मैं अपने कार्यो का महत्व देता हू,अपने सदस्यों का आवाज उठाता हूँ,उनके लिए संघर्ष करता हूँ,परेशानी उठाता हूँ तो यही हमारा जीत का मंत्र है। हमारी आदत में स्पष्ट और सत्य बोलना है जिसकी वजह से लोगों के बीच छोटी ही सही मजबूत पहचान स्थापित रहती है कि मृत्युंजय सिंह ने इस समस्याओं से अवगत कराया है तो निश्चित तौर पर वहाँ कुछ खामियां हुई होगी। पुलिस मुख्यालय और सरकार के समक्ष अपने पीड़ित सदस्यों का आवाज,उनकी समस्याएं,उनकी मूलभूत सुविधाएं मांगे को लेकर मैं हमेशा से मुखर रहा हूँ ताकि इनकी समस्याओं पर त्वरित निष्पादन हो तो लोग चाहते है कि हमारा नेता,अध्यक्ष ऐसा ही होना चाहिए। ये कार्य सिर्फ मैं ही नहीं अगर कोई भी व्यक्ति या सदस्य करेंगे तो निश्चित तौर पर उनका जनसमर्थन मिलेगा। यह मैनेजमेंट नहीं लोगों से जुड़े रहना मेरा आदत से हैं उनकी समस्याओं को समझना और उसके लिए आवाज बनना। बाकी ईश्वर का आशीर्वाद और परिवार मित्र की प्यार से यह पद लगातार मिलते रहा हैं।

★ पुलिस वालों की समस्याओं का समाधान में एसोसिएशन की भूमिका कितना महत्वपूर्ण हो जाता हैं?

पुलिस एसोसिएशन का काम ही हैं पुलिस कर्मियों की समस्याओं का समाधान कराना । बिहार पुलिस का गठन अंग्रेजी हुकूमत के समय ही हुआ था। इसके गठन के उद्देश्य ये था कि कनीय पदाधिकारी अपनी समस्याओं को लेकर के वरीय पदाधिकारियों के पास अलग अलग जाते थे,वो एकजुट नहीं थे उनकी मांगों को नजरअंदाज कर दिया जाता था,उस समय बड़े पदों पर अंगेजी हुकूमत या घरानों से लोग हुआ करते थे इसलिए इन दोनों के बीच समन्वय स्थापित नहीं हो पाता था तो कनीय पदाधिकारी नौकरियों को त्याग स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने लगे,इसकी वजह से कनीय पदाधिकारियों की जायज मांगों के लिए एसोसिएशन की गठन की गई थी। जब से ये चला आ रहा है। आज भी मैं अपने सदस्यों की मांगों से सरकार और पुलिस मुख्यालय से अवगत कराता हूँ । चौथी बार विजय होने के बाद सरकार की तरफ से माननीय उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में भाग लिया जिनके समक्ष कई मांगे रखी गई और उन्होंने इसके निष्पादन के लिए मुख्य मंत्री से बात कर त्वरित करवाई का आश्वासन भी दिया है। संगठन के लगातर प्रयासरत से पुलिस कर्मियों के 13 महीने के वेतन,वर्दी भता जैसे अनेकों कार्य सम्पन्न हुए है आगे भी प्रयास जारी है।

★ पुलिस आज जनहित कार्य को बाद मे रखकर सिर्फ शराब और प्रतिबंधित चीजों के पीछे पड़ी है कितना सच्चाई है?

पुलिस का कर्तव्य है कि सरकार की नीतियों का पालन करना,कानून की रक्षा करना और जनता की सुरक्षा। पुलिस जन समस्याओं को सुनती है,लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करती है, कांडों का अनुसन्धान कर डायरियों को कोर्ट में देती है ताकि कोई अपराधी की सजा हो सके। इसके अलावा सरकार की नीतियां शराब बंदी हो या फिर बालू माफियाओं का आतंक इसपर नकेल कसना भी पुलिस कर्मी की प्राथमिकताओं में है। पुलिस जनहित के कार्यो को बाद मे न रखकर बल्कि साथ साथ सभी कार्यो

को पूरा करती हैं।

✯ आज पुलिस के सामने कौन-कौन सी चुनौतियां हैं बताने की कृपा करेंगे।

पुलिस के समक्ष नित्य नई चुनौतियां आती है जिसके समाधान भी स्वयं से करना होता है। पुलिस में आने के बाद चुनौतियों से जुझना तो हमारी दिन चर्या बन जाती है। हमारा काम जनता की सुरक्षा और कानून की रक्षा के लिए सड़क,चिलचिलाती धूप,वर्षा, जंगल हर जगह कर्तव्य पथ पर डटे रहना हैं। अपवाद स्वरूप कभी वरीय पदाधिकारियों से भी परेशानियों से जुझना पड़ता है तो कभी अपने खामियों की वजह से भी परेशान होना पड़ता है। हमलोग कानून की रक्षा के लिए अपने प्राणों के आहुति करने में भी नहीं हिचकते ताकि जनता का सुरक्षा और शांति का माहौल रहे और कानून व्यवस्था सही से चले। अनुशासन हमारी काम में प्राथमिकता है जिसका लोग शत प्रतिशत पालन करते हैं।

✯ बतौर अध्यक्ष क्या मांग हैं सरकार से और अपनी पुलिस कर्मियों के लिए क्या सुझाव देंगे?

बतौर अध्यक्ष बिहार पुलिस एसोसिएशन सरकार से हमारी निरन्तर मांग रहती है। अभी हाल ही में पुलिस एसोसिएशन के कार्यक्रम में उपस्थित माननीय उप मुख्यमंत्री के समक्ष भी हमने कई मांगों को रखा जिसमें प्रमुख रूप से पुलिस कर्मियों के लिए मेडिकल कैशलेस की व्यवस्था करना क्योंकि अगर मेडिकल कैशलेस नहीं तो इलाज के दरम्यान बहुत परेशानियां उठानी पड़ती है,उन्हें अपनी जमीन बेचनी पड़ती है,कर्ज लेना पड़ता है,पैसा तो बाद मे मिल जाता है लेकिन उस समय त्वरित व्यवस्था नहीं होने की वजह से वह काफी चिंतित हो जाता है यहाँ तक तो कुछ अवसाद के शिकार हो जाते है। ऐसी व्यवस्था राजस्थान पुलिस सहित अन्य राज्यों ऑर फोर्स में भी है इसलिए मेडिकल कैश लेस की त्वरित व्यवस्था हमारी प्राथमिकताओं में हैं। कोई भी पुलिस कर्मी अपने कार्यो को पूरा करने के लिए राजधानी में आते है तो उन्हें ठहरने के लिए स्वयं से व्यवस्था करनी होती है उसके लिए केंद्रीय कार्यालय में गेस्ट हाउस बनाने की मांग है ताकि उन्हें ठहरने के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़े। 2004 के बाद जो पुलिस कर्मी नौकरी में आए है उनके लिए पुरानी पेंशन की व्यवस्था के लिए बिहार पुलिस एसोसिएशन प्रयासरत हैं ताकि उन्हें उनका हक मिल सके। कोई दुर्घटना में हमारे कर्मी शहीद होते है तो उनके लिए त्वरित 1 करोड़ की सहयोग राशि की व्यवस्था हो। BSAP की भी कई अपनी मांगे हैं। अपवाद स्वरूप कभी किसी जिले के एसपी भी नियमों को ताक पर रखकर कर्मियों को परेशानी में डालते है उनपर करवाई के लिए सरकार से मांग की जाती रहीं है। बतौर अध्यक्ष अपने पुलिस कर्मियों से अपील करना चाहूँगा की कर्तव्य के पथ पर सत्य निष्ठा की कसम खाते हुए आपने आगे बढ़ा है तो किसी भी परिस्थितयों में भी अपने कर्तव्य से विमुख न हो और कानून की रक्षा और जनता की सुरक्षा का ख्याल रखे। थाने में आए लोगों से अच्छा बर्ताव करे और जो सक्षम नहीं है उनसे डायरेक्ट जुड़े ताकि उन्हें अपनी समस्याओं को बताने के लिए बिचौलियों को न पकड़ना पड़े। पुलिस हस्तक के नियमों का पालन करें। भ्रष्टचार मुक्त बिहार पुलिस बनाने में सहयोग करे ताकि हमारी पुलिस देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस का ताज अपने सर पर रखे।

गुप्तेश्वर धाम पहुंचे एस.पी. विनीत

● **श्रीधर पाण्डेय**

सनातन प्रेमियों के द्वारा सावन के पावन महीने भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा की परंपरा सदियों से चलती आ रहीं है। दुनिया के हर कोने में शिव भक्त सावन की प्रतीक्षा में लगे रहते है ताकि इस विशेष महीने की विशेष पूजा से मानसिक शांति के साथ सकल मनोरथ की प्राप्ति और शिव कृपा बनी रहे। इसी कड़ी में रोहतास में भी ऐसे कई मंदिर है जहाँ भक्त सावन के पावन महीने में दर्शनार्थ हेतु काफी उत्सुक रहते है उसमें एक खास धाम है गुप्तेश्वर धाम जहाँ दुर्गम यात्राओं के बावजूद भी लाखों भक्त जलाभिषेक करते है। सासाराम जिला मुख्यालय से लगभग 65 किमी दूरी चेनारी प्रखंड स्थित गुप्तेश्वर धाम कई पहाडियों के बीच से होते हुए गुफा में है, जहाँ आने के लिए गाड़ी की व्यवस्था होने के बावजूद भी अधिकतर भक्त पैदल ही बाबा के दर्शन के लिए पहुँचते है। इसी कड़ी मे गुरु पुर्णिमा के दिन जिले के पुलिस कप्तान श्री विनीत भी गुप्तेश्वर धाम पहुँचे और भगवान भोलेनाथ का दर्शन के उपरांत वहाँ मौजूद भक्त गणों से बात कर उनकी सुरक्षा का जायजा लिया साथ ही कई भक्तों की समस्याओं को सुना उसके बाद गुरु पूर्णिमा का प्रसाद ग्रहण कर रवाना हो गए । मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी थानाध्यक्ष चेनारी के साथ स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित थे।●

कॉलेज ऑफ कॉमर्स में पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह का हुआ आयोजन

● सागर कुमार/के.के. सिंह

पूर्ववर्ती छात्रों की संस्था 'कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस पटना एलुमनी एसोसिएशन' के तत्वावधान में 21 मई 2023 को कॉलेज के ही वाणिज्य सभागार में छठवां पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सुबे के शिक्षा मंत्री और कॉलेज ऑफ कॉमर्स के पूर्व छात्र प्रोफेसर चंद्रशेखर, कॉलेज ऑफ कॉमर्स से पहली पर छात्र संघ का चुनाव लड़कर आज देश की संसद का मान बढ़ाने वाले लोकप्रिय नेता रामकृपाल यादव जी सहित कॉलेज के सैकड़ों पूर्ववर्ती छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने पुरानी बातों को याद किया पुराने शिक्षकों को नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद रामकृपाल यादव ने कहा है कि महाविद्यालय ही हमारे राजनीतिक विकास का केंद्र रहा है। हमारा छात्र जीवन का संघर्ष ही हमें आज राजनीति के इस मुकाम पर पहुंचा सका। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण सुबे के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर ने कहा कि वर्ण व्यवस्था समाज को बांटने वाला और मानव शोषण का बड़ा षड्यंत्र है। मानव निर्माण के वैज्ञानिक पहलू को समझने की आवश्यकता है। इसके आधार पर विश्व के समस्त मानव जाति का निर्माण एक ही प्रक्रिया से हुआ है। उक्त कार्यक्रम में प्रोफेसर दिनेश चंद्र राय 1973 बैच, इंजीनियर रविंद्र कुमार सिन्हा 1971 बैच, दीपक प्रसाद सिन्हा 1973 वैच, दीनानाथ यादव 1972 बैच इत्यादि ,1975 के पहले के पूर्ववर्ती वरिष्ठ छात्रों को सम्मानित किया गया। मंच का संचालन डॉ अजय कुमार ने किया। एलुमनाई एसोसिएशन के इतिहास के विषय में और उसके कार्य के विषय में प्रोफेसर राजीव रंजन ने लोगों को बताया और पूर्ववर्ती

छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रणय कुमार गुप्ता ने संगठन से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्नों पर प्रकाश डाला। उपस्थित पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने पुराने दिनों को स्मरण कर अपने विचारों को साझा किया।

अंत में अगले वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें पूर्ववर्ती छात्र संघ का अध्यक्ष इतिहास विभाग के राजीव रंजन और संघ के उपाध्यक्ष राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉक्टर संजय कुमार, सचिव पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य अजय यादव, हिलसा कॉलेज के प्राचार्य श्री गजेंद्र प्रसाद गडकर जी को सह सचिव एवं कोषाध्यक्ष प्रणय कुमार गुप्ता को मनोनीत किया गया। पूर्ववर्ती छात्र संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कॉलेज ऑफ कॉमर्स के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रोफेसर राजीव रंजन ने कहा कि पूर्ववर्ती छात्र संघ का मूल उद्देश्य कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्रों को एकजुट कर कॉलेज के विकास में सहयोग करना है। इस क्रम में पूर्ववर्ती छात्र संघ कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आने वाली नैक टीम हेतू कॉलेज को पूरी तरह से सहयोग करेगी। संगठन के नव निर्वाचित उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा कि यह संगठन कॉलेज ऑफ कॉमर्स के गरिमा में चार चांद लगाने हेतु हर संभव प्रयास करेगी। कॉलेज ऑफ कॉमर्स पूर्ववर्ती छात्र संगठन कॉलेज के पुराने छात्रों को एकजुट कर कॉलेज के वर्तमान छात्रों ,कॉलेज के हितों और सामाजिक कार्यों को करते हुए नया कीर्तिमान हासिल करेगी। संगठन के सचिव और पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य अजय यादव ने कहा कि पूर्ववर्ती छात्र संगठन कॉलेज के सर्वांगीण विकास हेतु लगातार प्रयासरत है और कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था और छात्र-छात्राओं के सुविधा को बेहतर से बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं। कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस के जुझारू और अत्यंत अनुभवी प्राचार्य महोदय ने छठे एलुमनाई मीट में अपने अध्यक्षीय भाषण करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती छात्र हमारे महाविद्यालय के अमूल्य निधि है। इनके द्वारा महाविद्यालय के विकास में सदैव बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जाता है और का सहयोग महाविद्यालय को सफलता की ऊंचाई पर ले जा रहा है। ●

अंचलाधिकारी का निलंबन के बदले भेजना होगा जेल

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भ्रष्टाचारियों को निलंबन , सस्पेंड के बदले जेल भेजना होगा। कानून भी यही है। सस्पेंड, तबादला आदि से मनोवृत्ति नहीं बदल सकती है। बिहार सरकार की लगातार निगरानी और निर्देशों के बावजूद भी दाखिल खारिज मामलों के समाधान की गति धीमी है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के 31 मई के आंकड़ों के अनुसार पटना जिला के पटना सदर अंचल का हाल यह है कि यहां 21 मई तक दाखिल खारिज के 8 हजार 351 मामले लंबित थे। पटना जिले के फुलवारी शरीफ में 31 मई तक दाखिल खारिज के करीब 7 हजार 900 मामले लंबित थे। मुजफ्फरपुर के मुसहरी अंचल में दाखिल खारिज के करीब 10 हजार 233 मामले लंबित पाए गए हैं इसमें करीब 40 48 मामलों पर आपत्ति जताई गई है और ये 60 दिन से अधिक समय से लंबित है। सीतामढ़ी के डुमरा अंचल में दाखिल खारिज के करीब 10 हजार मामले लंबित है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि सरकार एक आदेश जारी कर दो एक महीना के अंदर दाखिल खारिज नहीं किया गया उसे माना जाएगा रिश्वत लेने के लिए रोका गया है और स्वत: एफ आई आर दर्ज हो जाएगी तथा पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज देगी। इसी तरह एक आदेश और जारी करना होगा कि दाखिल खारिज में यदि गड़बड़ हुआ तो सीओ को जेल जाना होगा। इसी तरह जमीन विवाद में किसी तरह का घटना होने पर सीओ को जेल जाना ही होगा। यह तीनों आदेश के बाद 90 प्रतिशत झगड़ा में कमी आ जाएगी। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यही घटना आम नागरिकों द्वारा कि जाए तो एक ही सजा जेल तथा सरकारी अधिकारियों का तोहफा है तबादला, संस्पेंशन आदि।●

30 साल से हाईकोर्ट में 2814 पेंडिंग

पूरे बिहार में 35 लाख केस पेंडिंग

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बिहार की अदालतों में करीब 35 लाख लाख मुकदमे पेंडिंग हैं। जिला अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या करीब 34 लाख है। जबकि 20 से 30 साल से चल रहे मुकदमों की संख्या लगभग 88 हजार है। गया में लगभग डेढ़ लाख के लंबित। पूर्णिया में 74 हजार मुकदमा की संख्या लंबित, पटना में लगभग 45 लंबित, बेगूसराय में लगभग 80 हजार, गोपालगंज में 6 हजार लंबित, आरा में 90 हजार लंबित, सिवान में लगभग 50 हजार लंबित, नालंदा में 11 लंबित, मुजफ्फरपुर में 1 लाख 30 से ज्यादा लंबित है। सरकार को न्याय व्यवस्था में बदलाव लाने कि आवश्यकता है। जिसमें निर्दोष कोई जेल में ना जाए। वर्तमान व्यवस्था में अधिकांश निर्दोष ही जेल में होते हैं। थानेदार एक दिन में निर्दोष साबित कर छोड़ सकती है परंतु न्यायालय को निर्दोष साबित करने में कई वर्ष लग जाते हैं। न्यायालय द्वारा सख्ती बरतने कि आवश्यकता है कि एक भी निर्दोष जेल न जाए। जेल भेजने से पहले स्थानीय सरपंच एवं शहर में वार्ड सदस्य से सत्यता का प्रमाणित ले ली जाए। जमीनी विवाद में कोई भी घटना घटित होने पर सीओ को जेल भेज दी जाए तो 90 प्रतिशत अपराध में कमी आ जाएगी। कोई भी कार्य के लिए, समय निर्धारित कर दी जाए जैसे जाए जैसे दाखिल खारिज करने में एक महिना, विलंब होने पर माना जाएगा कि घूस लेने के लिए विलंब किया गया है ऐसे में स्वत मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा ,यह मेरा स्वतंत्र विचार है। ●

बिना नजराना दिए हुए पटना के इस थाने में नहीं होती है प्राथमिकी दर्ज

● सागर कुमार/के.के. सिंह

राजधानी पटना के दानापुर थाना अंतर्गत भट्ठा रोड निवासी जानकी देवी एवं शांति देवी के बीच 3 धुर जमीन संबंधी विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। जिसमें जानकी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई और उनकी दोनों बेटियां रीता एवं रोमा को भी गंभीर चोटे आई। जमीन विवाद मामले में दानापुर थाना अंतर्गत दो पक्षों में मारपीट होती है जिसमें एक पक्ष भयंकर रूप से जख्मी हो जाता है परंतु फिर भी गंभीर रूप से जख्मी जानकी देवी की प्राथमिकी थाने में दर्ज नहीं की जाती है उल्टा जानकी देवी पर ही केस कर दिया जाता है। और पुलिस द्वारा फोन करके लगातार उन्हें धमकी भी दी जा रही है। वहीं इस घटना की दूसरी पक्ष शांति देवी जिसे मारपीट करने के दौरान बहुत मामूली या फिर कहें नाम मात्र की चोटें आई, उनके द्वारा थाने में दिया गया शिकायत पत्र प्राथमिकी में तब्दील हो जाता है। जिससे यह साफ साफ प्रतीत होता है कि दानापुर थाने में पैसे या फिर पैरवी का खेल चरम पर है क्योंकि बिना नजराना दिए हुए यहां पर लोगों के प्राथमिकी भी दर्ज नहीं होते हैं। इस घटना के खबर के लिए जब हमने दानापुर थानाध्यक्ष सम्राट दीपक से बातचीत की तो थानाध्यक्ष सम्राट दीपक उल्टा हम पत्रकारों से ही यह पूछने लगे कि थाना तो एफ आई आर. के लिए ही होता है फिर एफ आई आर क्यों नहीं लिखा जा रहा है? अब विडंबना यह देखिए कि अब थानेदार को पत्रकार ही बताएंगे कि उन थानेदार साहब के थाने में एफ आई आर. क्यों नहीं लिखा जा रहा है।●

सम्राट दीपक
थानाध्यक्ष, दानापुर

जानकी देवी
पीड़िता

धूमधाम से मनाया गया कुशवाहा सेवा समिति का चौथा स्थापना दिवस

स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित

● **मिथिलेश कुमार**

नवादा नगर के मिर्जापुर-ननोरा रोड मोर्यनगर स्थित निर्माणाधीन कुशवाहा छात्रावास परिसर में कुशवाहा सेवा समिति का चौथा स्थापना दिवस समारोह सह मेघा सम्मान समारोह में जिले के विभिन्न प्रखंडो के मैट्रीक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 51 छात्र -छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्विद्यालय के प्रो0 (डॉ0)विजय कुमार वर्मा ने समारोह में उपस्थित छात्र -छात्राओं एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के सफल जीवन में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि कुशवाहा सेवा समिति के द्वारा विगत चार बर्षो से शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किये जा रहे हैं। बदलते समय में किसी भी समाज के सामाजिक,आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षा ही बेहतर विकल्प है। देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न क्षेत्रों में समाज के छात्र -छात्राओं के द्वारा अपनी प्रतिभा के दम पर अपने आप को स्थापित कर अपने समाज एवं परिवार का नाम रौशन किया जा रहा है। कुशवाहा सेवा समिति का जो उद्देश्य है मैं समझता हूं कि आने वाले समय में जब उद्देश्य पूरा हो जाएगा तो निश्चित तौर पर यहां से पूरे देश के लिए यह सन्देश जाएगा कि प्रतिभा को कुंद होने से बचाने के लिए सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन कुशवाहा सेवा समिति नवादा कर रही है। यह कुशवाहा छात्रावास से प्रत्येक बर्ष इंजीनियर, डॉक्टर,आईएस, आईपीएस,न्यायिक सेवा ,बीपीएससी की टोली निकलेगी और निरंतर शिक्षा के विकास में अपना योगदान देगी। उन्होंने कहा कि कुशवाहा जागरण पत्रिका जो पिछले तीन बर्षो से प्रकाशित हो रही है, समाज के बच्चों को सही दिशा एवं दशा को बदलने में महती भूमिका निभा रही है। उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बनाने के लिए समिति का आभार प्रकट करते हुए मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि मैट्रिक परीक्षा आपलोगों के शैक्षणिक जीवन की महत्वपूर्ण कड़ी है आपको स्वयं की ताकत को समझना होगा अपने मन में आत्म विश्वास पैदा कर दृढ़ निश्चय एवं साहस के साथ कठोर परिश्रम करने का संकल्प लेना होगा। जब तक आप के दिल मे शिक्षा के लिए समर्पण का भाव नही पैदा होगा आप सफल नही होंगे। मेहनत समय पर और सही

सही समय और सही दिशा में ही मेहनत करने से होंगे सफल

समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्विद्यालय के प्रोफेसर (डॉ)विजय कुमार वर्मा ने उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा के लिए आप मात्र बीस हजार मूल्य के पुस्तकों के संग्रह को अध्ययन कर लिया तो आप निश्चित तौर पर अच्छे अधिकारी बन सकते हैं। पढ़ाई के लिए धन ही ज्यादा अहमियत नही रखती है क्योंकि पढ़ने वाले के लिए धन महत्वपूर्ण नही है। जीवन में सफल होने के लिए कठोर परिश्रम करना ही होगा। उन्होंने पढ़ाई के क्षेत्र में किसी प्रकार के सहयोग के लिए दिशा देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने नवनिर्मित कुशवाहा छात्रावास परिसर में आयोजित समारोह को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि छात्रावास की नींव भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा।कुशवाहा सेवा समिति की चर्चा अब पूरे देश मे हो रही है।शिक्षा के क्षेत्र में समिति बेहतर कार्य कर रही है।

दिशा में नही करेंगे तो सफल नही होंगे।

आपलोग आज से ही संकल्प कर लें कि मुझे करना है तो निश्चित आपके मार्ग में कुछ बाधाएं भी आएगी लेकिन आपका दृढ़ निश्चय आपको मंजिल तक अवश्य पहुचायेगा। उन्होंने कहा कि आज तक मैनें करीब सात सौ बच्चों को ऑफिसर बनाया हुँ जिसे मैं उसकी जाति, धर्म एवं उनके खानदान को भी नही जनता हुँ , उन्हें मैंने शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर प्लेटफॉर्म दिया हूँ। समिति के उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए समिति के संस्थापक सदस्य दीपक कुमार ने कहा कि समिति बहुत ही कम दिनों में नवादा जैसे छोटे शहर से निकलकर पूरे देश में एक अपनी पहचान बनाई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महेश्वर प्रसाद ने किया। समारोह में सामाजिक पत्रिका कुशवाहा जागरण के चौथे अंक का विमोचन मुख्य अतिथि के हाथों किया गया। समारोह का संचालन शिक्षक सत्येंद्र कुमार एवं रामचन्द्र कुमार सोनी ने किया। समारोह का शुभारंभ भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प समर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समारोह में नालन्दा जिले के अखिल भारतीय मौर्य सेना के सैकड़ो सदस्यों ने भी समारोह में भाग लिया।सेना के संस्थापक सन्तोष कुमार ने समारोह को संबोधित किया। विभिन्न प्रखंडो के 51 छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह में एक बर्षो के अंतराल में समिति के लिए सदस्यों का योगदान और कार्यो की समीक्षा के उपरांत बेहतरीन सदस्य ऑफ द ईयर के लिए बेरमी गावँ निवासी सह पूर्वी कमिटी नवादा के योजना मंत्री राजेश कुमार को मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समारोह को दर्जनों गणमान्य लोगों ने संबोधित करते हुए समिति के उपलब्धियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया। समारोह में बेरमी गावँ निवासी महादेव प्रसाद ने कुशवाहा छात्रावास के लिए तीन लाख पचहत्तर हजार रुपये राशि का चेक समर्पित किया। मौके बैधनाथ कुशवाहा,प्रखण्ड विकास पदाधिकारी उज्जवलकान्त ,बिहार शरीफ के प्रख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ0 चन्देश्वर प्रसाद, संजीव कुमार,,पूर्व अध्यक्ष डॉ0 भोला प्रसाद कुशवाहा ,अर्जुन कुशवाहा, डॉ बी पी भारती,छोटेलाल कुशवाहा, राजीव कुमार, जितेंद्र कुमार कंचन, नागेंद्र प्रसाद,रविकांत वर्मा ,राजेश कुमार,अरुनजय मेहता, एसडीएन मौर्य, सुंदर कुशवाहा कोषाध्यक्ष संजय कुमार, सचिव विजय कुमार, कमलेश कुशवाहा, सच्चिदानन्द कुशवाहा, डॉ विनीता प्रिया, सुरुचि कुमारी, अनुराधा प्रिया मेहता, पूनम कुशवाहा सहित समिति के सैकड़ो सदस्य मौजूद थे। ●

जमुई विधानसभा के पूर्व विधायक, जमुई विधिज्ञ संघ के पूर्व सचिव, सरस्वती अर्जुन एकलव्य महाविद्यालय के संस्थापक, स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रसिद्ध समाजसेवी स्मृतिशेष नरदेव प्रसाद भगत की 97वीं जयंती दिनांक 08 अगस्त 2023 को सरस्वती अर्जुन एकलव्य महाविद्यालय, जमुई के प्रांगण में श्रद्धापूर्ण और सादगी के साथ मनायी जाएगी।

आप सहर्ष इसमें शामिल हो सकते हैं।

-: निवेदक :-

दुर्गा प्रसाद केशरी

प्राचार्य, सरस्वती अर्जुन एकलव्य महाविद्यालय, जमुई।

झारखण्ड के जामताड़ा की तरह नवादा का वारिसलीगंज बना हैलो गिरोह का हब

उच्च न्यायालय के फरमान बाद साइबर अपराधियों में मचा था हड़कंप

● मनीष कमलिया/कृष्ण कुमार चंचल

वैसे तो मोबाईल फोन कॉल्स या इंटरनेट के माध्यम से ठगी के मामले नवादा जिले के कई प्रखंडों में साइबर ठगी का नेटवर्क परवान पर है। पड़ोसी नालंदा तथा शेखपुरा जिले सीमावर्ती प्रखंडों जिसमें वारिसलीगंज, काशीचक तथा पकरीबरावां के अलावे जिले के अन्य कस्बाई इलाके के युवा साइबर क्राइम को रोजगार का अवसर में बदल कर राज्य समेत देश के अन्य कई राज्यो के भोले-भाले लोगो को विभिन्न प्रकार का इनाम जीतने तथा बैंक से संबंधित कई प्रकार के गुप्त कोड आदि अपडेट करने का झांसा देकर अपना शिकार बना लेते हैं। पिछले एक माह के भीतर वारिसलीगंज थाना में कई राज्यो की पुलिस की दबिश हो चुकी है। क्षेत्र से हर महीने किसी न किसी राज्य की पुलिस साइबर ठगी के विरुद्ध छापेमारी करती है। बाबजूद धंधा बदस्तूर जारी है।

नालंदा जिले के कतरीसराय प्रखंड की सीमा से सटे नवादा के वारिसलीगंज प्रखंड साइबर अपराध का प्रमुख केंद्र बन रहा है। तीन दशक पूर्व से नालंदा के कतरीसराय प्रखंड से मर्दाना शक्ति बढ़ाने, निसंतान को संतान देने, सफेद दाग को जड़ से खत्म करने आदि के नाम पर नकली आयुर्वेदिक दवा को डाक पार्सल के माध्यम से भेज ठगी करने का धंधा शुरू हुआ था। जो समयांतराल साइबर जालसाजी का रूप धारण कर प्रखंड सहित सम्पूर्ण जिले में कुकुरमुत्ते की भांति फैल चुका है। इस बीच जालसाजी का अंदाज बदला। और मोबाइल का प्रचलन बढ़ते ही जालसाजी का नित्य नया स्वरूप ईजाद हो रहे हैं। वारिसलीगंज प्रखंड के नालंदा की सीमा से सटे गांवों में हेलो गिरोह के सदस्य आराम से पेड़ों पर चढ़कर, नदियों एवं पुलों में छुपकर साइबर जाल में लोगो को फसाते मिल जा रहे है। वारिसलीगंज थाना के सोरहीपुर, कांधा , चकवाय, अपसढ़, मीरचक, मीरबीघा, झौर, कोचगांव, भेड़िया फतहा, झौर समेत क्षेत्र के दर्जनों गांवो में गिरोह से जुड़े युवक सकरी नदी सहित सुनसान स्थानों पर उगी

झाड़ियों के बीच बैठकर लैपटॉप, पावर बैंक एवं भोजन पानी की व्यवस्था कर जालसाजी का नेटवर्क संचालित करते हैं।

☞ **विभिन्न प्रकार से करते हैं जालसाजी :-** टेलीकॉम ऑपरेटरों से मोबाईल फोन नंबर हासिल कर ये बदमाश ग्राहकों को फोन कॉल या मैसेज भेज कर फांसते हैं। स्वयं को किसी बैंक का शाखा प्रबंधक, मोबाइल ऑपरेटर कम्पनी के अधिकारी, प्रखण्ड कार्यालय या समाहरणालय का कोई अधिकारी, वाहन कंपनी या शो रूम के अधिकारी, बीमा अधिकारी आदि बता लोगो को फसाते है। एटीएम कार्ड ब्लॉक हो जाने, बैंक खाते बंद हो जाने, फोन कम्पनियों की लॉटरी में बाइक या कार फंसने, मोबाइल टावर लगवाने, जीवन बीमा में मोटा लाभ कमाने, गैस एजेंसी दिलवाने, पेट्रोल पंप का आवंटन देने, परीक्षाओं में अंक बढ़ाने आदि जैसे प्रलोभनों के जरिये ग्राहकों को फांसते हैं। हाल के दिनों में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान, पशिचम बंगाल, दिल्ली सहित अन्य कई राज्यों की पुलिस यहां छापेमारी कर कई साइबर ठग को गिरफ्तार कर अपने साथ ले जाती रही है। बाबजूद धंधा थमने को जगह बढ़ते जा रहा है।

☞ **छोटी रकम से होती है शुरूआत :-** जालसाजी के धंधे की शुरूआत छोटी रकम से की जाती है। यदि कोई व्यक्ति राशि जमा करा दिया तो उसके बाद कोई तकनीकी बाधा बता दूसरी किस्त जमा करने पर काम होने का दिलासा देता है। यह सिलसिलेबार चल पड़ता है। जबतक ठगे जाने का अहसास होता है, तब तक बड़ी रकम ठगी जा चुकी होती है। अधिकतर मामले में बदमाश बच निकलता है कि क्योंकि सारा काम फर्जी सिम, बैंक एटीएम आदि का प्रयोग करते है।

☞ **नवादा जिले में साइबर अपराध पर उच्च न्यायालय ने की टिप्पणी :-** कुछ माह पूर्व साइबर अपराध से जुड़े क्षेत्र के एक जालसाज की जमानत अर्जी को पटना उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए ठुकरा दिया है कि हम नवादा को जामताड़ा बनाने की अनुमति नहीं दे सकते हैं। अर्थात जिस प्रकार से झारखंड के जामताड़ा में नित्य ठगी का नया रूप तैयार हो रहा है। क्षेत्र के केश स्टडी बाद उसी प्रकार के अधिकांश मामले मिलते हैं। साइबर अपराध से जुड़े नए-नए तरह का प्रयोग जामताड़ा की तरह अब वारिसलीगंज के जालसाज भी कर रहे हैं। जिसमें एटीएम क्लोनिंग, स्कैनिंग, धोखाधड़ी, यूपीआई पेमेंट, बैंक केवाईसी अपग्रेडेशन, धार्मिक स्थलों का टिकट, नौकरी लगाने, लोन देने आदि के नाम पर ठगी किया जा रहा है। इस प्रकार के मामले जब पुलिस के संज्ञान में आते हैं तब उसे हल्के में लिया जाता है। फलतः जालसाजों का मनोबल बढ़ते जा रहा है। ●

रेलवे रैक प्वाइंट पर पेयजल संकट से जूझ रहे मजदूर

● मनीष कमलिया/राजीव रंजन

गया-क्यूल रेलवे खंड पर माल ढुलाई से करोड़ों रूपये का राजस्व देने वाला पूर्व मध्य रेलवे अन्तर्गत दानापुर मंडल के अतिव्यस्त वारिसलीगंज रेलवे रैक प्वाइंट पर कार्यरत मजदूरों को विभिन्न समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। गर्मी की तपिश बढ़ने के साथ ही मजदूरों के समक्ष पेयजल संकट गहराने लगा है। गर्मी के मौसम में रैक प्वाइंट पर कार्य करने वाले मजदूरों को पीने के लिए रेलवे द्वारा एक भी चापाकल या नल की व्यवस्था नहीं की गई है। फलतः प्यासे मजदूरों को काम छोड़कर अन्यत्र जाकर प्यास बुझानी पड़ती है। इन समस्याओं से स्टेशन के निरीक्षण में पहुंचने वाले रेल के वरीय अधिकारियों को भी कई बार आवेदन देकर मजदूर मेट द्वारा गुहार लगाई जा चुकी है, परंतु समस्या जस की तस है। मजदूर मेट बलबापर ग्रामीण मिथिलेश राउत तथा बाल्मिकी राउत कहते हैं कि रैक प्वाइंट पर प्रति माह विभिन्न बस्तुओं का 20 रैक लगता है, जिसको अनलोड करने के लिए करीब दो सौ से अधिक मजदूर रैक प्वाइंट पर भीषण गर्मी से लेकर बरसात एवं हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंढ के मौसम में कार्य करते हैं, बावजूद रेलवे प्रशासन द्वारा मजदूरों की समस्याओं यथा पेयजल, शौचालय तथा शेड आदि की सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई गई है। हाल ही में एक मजदूर शेड का निर्माण करवाया गया है, जिसका उपयोग माल उतरवाने वाले संवेदक या सीमेंट, तथा उर्वरक कंपनी के सीएनएफ का मुन्सी-मैनेजर कर रहे हैं। मजदूरों को आज भी गर्मी एवं कड़ाके की धूप व बरसात से बचने के लिए या तो रुके रैक के नीचे या फिर आसपास के पेड़ों के पास सर छुपाना पड़ता है। रैक प्वाइंट पर सबसे बड़ी समस्या पेयजल की है, करीब पांच सौ मीटर लंबे रैक प्वाइंट पर रेल प्रशासन द्वारा एक भी चापाकल नहीं लगवाया गया है। नगर परिषद द्वारा मजदूरों के हित को ध्यान में रखकर रेल फाटक के समीप बने मजदूर शेड के बाजू में एक पहाड़ी चापाकल लगवाया गया है। प्यासे मजदूर उक्त चापाकल के पास जाकर अपनी प्यास बुझाते हैं। मजदूर सरदार मिथिलेश राउत ने बताया कि जब भी रेलवे स्टेशन पर कोई अधिकारी निरीक्षण में पहुंचते हैं, तब हमलोग अपनी समस्या से जुड़ी आवेदन अधिकारी को सौंपते है, आश्वासन भी मिलता है, बावजूद समस्या का निवारण नहीं हो पाता है। मजदूर बताते हैं कि जब भी कोई रैक खड़ी होती है तब उसे निर्धारित समय में खाली करना होता है, अन्यथा संवेदक-सीएनएफ से रेलवे जुर्माना वसूलती है। वैसी परिस्थिति में कड़ाके की गर्मी हो या लगातार बारिश मजदूरों को जान लगाकर रैक खाली करने की विवशता होती है। बरसात के दिनों में शेड के अभाव में व्यापारिक वस्तुओं का नुकसान सीएनएफ तथा महाजन को उठाना पड़ता है। रैक प्वाइंट पर कार्यरत मजदूरों की मूलभूत समस्याओं को दूर करने में रेल अधिकारी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। वैसे कुछ माह पूर्व स्टेशन निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल रेल प्रबंधक अधिकारियों की टीम के साथ सम्पूर्ण स्टेशन का निरीक्षण किया था, जिसके बाद मजदूरों में उनकी समस्या से निजात मिलने की आस जगी है।●

पत्रकार उत्पीड़न मामले में नवादा पुलिस मौन

● मनीष कमलिया/कृष्ण कुमार चंचल

सवालों के घेरे में,बिल्ली को मिली दूध रखवाली की जिम्मेदारी,देखें पुरी रिपोर्ट, उससे पहले अगर हमारे चौनल हमारा जनमंथन न्यूज चैनल को अगर सब्स्क्राइब नही किए हैं तो उसे सब्स्क्राइब कर लें ताकि खबरों का तरोताजा खबर आपको मिलता रहे।

नवादा जिले के अकबरपुर पुलिस द्वारा पिछले 20 मई को पत्रकार को हाजत में बंद करने व हथकड़ी लगाकर मानसिक रूप से उत्पीड़न करने के मामले में पुलिस अधीक्षक की चुप्पी सवालों के घेरे में है. घटना की फोटो युक्त खबर अखबारों व सोशल मीडिया पर प्रकाशित होने के बावजूद किसी प्रकार की जांच या संबंधित थानाध्यक्ष से स्पष्टीकरण तक नहीं मांगना पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह उत्पन्न कर रहा है. और तो और जिले के पत्रकारों के शिष्टमंडल द्वारा दिये गये आवेदन पर अबतक कार्रवाई तो दूर जांच तक नहीं करायी गयी जा सकी है.

☞ **गिरफ्तारी पर उठ रहा सवाल :-** अकबरपुर पुलिस द्वारा की गयी गिरफ्तारी पर ही सवाल उठने लगा है. जब न्यायालय व किसी थाने ने गिरफ्तार करने का न तो अनुरोध किया न ही किसी थाने में कोई इश्तिहार था तो फिर गिरफ्तारी क्यों?

☞ **क्या कहता है न्यायालय :-** दिये गये जमानत में न्यायाधीश ने स्पष्ट किया है कि थाने से इश्तिहार वापस किया जिसमें किसी स्वतंत्र गवाह का हस्ताक्षर नहीं है. यानि स्पष्ट है कि इश्तिहार को चिपकाया ही नहीं गया. जब इश्तिहार नहीं चिपका तो सम्मन या वारंट की क्या स्थिति क्या रही होगी यह समझा जा सकता है. कुल मिलाकर अकबरपुर पुलिस की कार्रवाई हिटलरशाही व पत्रकार की कलम दबाने का कुत्सित प्रयास से कुछ कम नहीं.

☞ **रजौली पहुंचने में एक सप्ताह :-** अब आइये एक नजर पुलिस की कार्यशैली पर डालते हैं. पत्रकारों के शिष्टमंडल को एसपी ने रजौली पुलिस इंस्पेक्टर से जांच का आश्वासन दिया. उक्त पत्र को रजौली पहुंचने में एक सप्ताह लगा. जब किसी पत्र को 30 किलोमीटर दूर पहुंचने में एक सप्ताह लगता हो और एक सप्ताह के अंदर प्रतिवेदन की मांग की जाती हो इसे क्या कहा जायेगा?

☞ **दूध की रखवाली बिल्ली को :-** बता दें जब गिरफ्तारी, हाजत में बंद करने से लेकर हथकड़ी लगाने तक खुद पुलिस इंस्पेक्टर अकबरपुर थाने से लेकर थाली थाने तक मौजूद थे तो फिर उनसे जांच कराने का औचित्य क्या है? जाहिर है सारा खेल अकबरपुर थानाध्यक्ष को बचाने की एक साजिश के अलावा कहीं कुछ नहीं है. ऐसा थानाध्यक्ष द्वारा हरे बृक्षों की कटाई मामले में आरोप मुक्त किया जा चुका है.

☞ **अबतक नहीं भेजा प्रतिवेदन :-** पुलिस निरीक्षक कार्यालय को पत्र प्राप्त हुये करीब दस दिनों से अधिक का समय व्यतीत होने के बावजूद अबतक प्रतिवेदन तक नहीं भेजा जाना कई संदेहों को जन्म दे रहा है. जाहिर है सारे खेल में पुलिस अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है जिससे यह कहा जा सकता है कि वर्तमान पुलिस अधीक्षक से न्याय की उम्मीद करना बेमानी है. ऐसे में जिले में आपातकाल की याद ताजा होने लगी है। ●

हिन्दी साहित्यकारों की दृष्टि में गांव-भाव बदला, विचार बदला, संस्कार बदला और व्यवहार भी बदला

● **मनीष कमलिया/कृष्ण कुमार चंचल**

प्रेमचंद टीटी के समय जब देश गुलाम था, उन दिनों गाँव में सामंत और महाजन गाँववासियों को सताते थे, फिर भी उनका जीवन संतोष से भरा था। किसान और खेत में काम करने वाले मजदूरों के बीच अपनापन था। गाँव में पढ़े-लिखे लोगों की संख्या कम थी। संतोष पर आधारित समाज चलता था। पीपल और वट वृक्ष का काफी महत्व था। लोग इन वृक्षों की सेवा करते थे और उनकी लकड़ी या पत्तों को जलाते तक नहीं थे। पीपल वृक्ष तो देवालय के समान माने जाते थे। पर्यावरण के प्रति ऐसी निष्ठा है। प्रेमचन्द की कहानियों और उपन्यासों में 20वीं शताब्दी के गाँव का दर्शन होता है। प्रेमाश्रम उपन्यास में नायक या नायिका का सृजन नहीं किया बल्कि वर्ग संघर्ष को आधार बनाया है। गोदान का रचनाकाल गुलामी के समय का है। गोदान के एक पात्र रामदेव की जुबान से शोषण के इस रूप को सुना जा सकता है। यह कहता था थाना पुलिस, कचहरी अदालत सब हैं हमारी रक्षा के लिए, लेकिन रक्षा कोई नहीं करता, चारों तरफ लूट है जो गरीब है, बेबस है, उसकी गर्दन काटने के लिए सभी तैयार हैं। यहाँ तो जो किसान हैं वह सब का नरम चारा है। रामधारी सिंह दिनकर ने भी गाँव को उसी रूप में देखा था लेकिन साहित्य साधना का मूल विषय इतिहास को बनाया। प्रेमचन्द जहाँ मूल रूप से लेखक थे, वहीं दिनकर जी कवि थे। काव्य-साहित्य में कई बार कल्पना या भावना का महत्व अधिक होता है, इस कारण कवि प्रवाहित नदी तो देखता है लेकिन उफान भरे जल के तांडव बहुत बार मूल विषय नहीं बन पाता है। लेकिन लेखकों का मूल विषय तेज धारा में प्रवाहित गाँव और डूबती फसल महत्वपूर्ण हो जाता है। सब कुछ होते हुए भी जन्मभूमि के आस-पास का जीवन सच चाहे. अनचाहे अभिव्यक्त हो ही जाता है। बिहारी लेखकों में रामवृक्ष बेनीपुरी की कहानियों में कई स्थान पर किसान वर्ग के कई हिस्से प्रपंच और ठगी के नायक के रूप में भी सामने होते हैं। आजादी के बाद गाँव के जीवन में ठग-प्रपंच रचने वाले या पैरवी दलाली करने वालों का चरित्र भी सामने आने लग गया था। विधवाओं की जमीन हड़पना, की भूमि पर अवैध कब्जा करना। कचहरी की दलाली करने वाले वर्ग का उदय भी हो गया था। संतोष पर आधारित गाँव में अर्थ-लोभ का तांडव हो गया था। भाई-भाई के बीच विभाजन ,कही नहीं, एक भाई दूसरे को बढ़ते देख जलने लगे थे। गाँव में नेतृत्व को लेकर भी विवाद होने लग गया था। ठेकेदारी- पट्टेदारी, लाइसेंस-परमिट वाले वर्ग का उदय हो गया था। राष्ट्रहित और समाजहित को नजरअंदाज किया जा रहा है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने डॉ. विवेकी राय के पास 1.1.58 को लम्बा पत्र लिखा था जिसमें गाँव की सेवा से आपका क्या तात्पर्य है, मैं नहीं जानता। गाँव वाले आपको क्या करने को कहते हैं। मुझसे तो बहुत काम लेते हैं और फिर कलह-प्रपंच आदि से बाज नहीं आते। इतना कहने के बाद भी गाँव के प्रति नाराजगी गाँव नरक है। अपने गाँव की नारकीयता को कम करने में मैं बचपन से लगातार जुटा रहा हूँ। फिर भी सुधार होता नहीं। मैं ग्राम सेवा के बारे में आपको कोई राय नहीं दे सकता। हाँ, साहित्य सेवा कहीं भी रहकर की जा सकती है।

गाँव के जीवन को करीब से देखने वाले फणीश्वर नाथ रेणु का खुद का जीवन आर्थिक परेशानियों से भरा है। इस संदर्भ में उनके पिताजी व्यंग्य कसते है-कहानियाँ लिखते हैं और अपने घर की कहानी पढ़ नहीं सकते। खण्डहर कहानी से उद्धत पहले अंश में तो रेणु का निजी जीवन उभर कर सामने आता है। रेणु जी सामाजिक कार्यकर्ता थे, समाजवादी आन्दोलन से जुड़े थे और लेखक थे। रेणु गाँव की बदलती तस्वीर पर इसी कहानी में लिखते हैं-मुरली प्रसाद सब दिन से कांग्रेस के खिलाफ कांग्रेसियों को गाली देता रहा। 1942 में पुलिसवालों के साथ घरों में आग लगवाता फिरा लेकिन उसका बेटा आज कांग्रेस का प्रेसिडेंट है, अफसरों के साथ मोटरों में घूमता है। यह आजादी के बाद के गाँव की तस्वीर है। वट बाबा कहानी में अनंत मंडल की पतोहू के बारे में रेणु लिखते हैं कि उसके शरीर पर सिर्फ एक फटी साड़ी थी, जिसमें पाँच-सात पैबन्द लगे थे. चार-पाँच साड़ी के टुकड़ों की पट्टियाँ तथा दो-ढाई हाथ की कंट्रोल की साड़ी, सुहाग की साड़ी का एक टुकड़ा तथा अन्य साड़ियों के टुकड़ों की पट्टियों से बनी पंचरंगी साड़ी से अपनी लाज ढकते आँसू पोछते वह बोली बाबा अब इससे बढ़कर और कौन-सी सजा दोगे? इस लेख के लेखक की कहानी कोलसार हिन्दी और मगही में प्रकाशित है। लेखक ने बदलते गाँव की तस्वीर पर लिखा है-प्रखण्डों के निर्माण से विकास योजनाओं का फैलाव होने लगा। धीरे-धीरे त्याग सद्भावना पर संचालित राजनीति से रूप व संस्कार भी बदलने लग गया। अब फागु का बेटा ब्लॉक जाता है, तो डेंगु का बेटा थाने की दलाली करता है।

अब मउगउगवा मुंह बाला हो गया है। अब सिमेंट-चीनी परमिट तो गन्ना पेराई के लिए प्रवेश पुज बेचने वाले लोग हैं। अब स्वतंत्रता सेनानी दर्पण चाचा-सागर सिंह जब कोलसार और आजादी की लड़ाई और किसान संघर्ष की बात करते हैं तो आजादी के बाद की बड़ी पीढ़ी के लोग हँसते हैं। इसी कहानी में स्वतंत्रता सेनानी दर्पण सिंह कहते हैं-वस्तुहारी का गजब का अनुभव हो रहा है। कहीं लड़का है, तब देखने में सुंदर नहीं है, कहाँ सुंदर लड़का है तो पढ़ने-लिखने में जीरो है। कहीं सब ठीक है तो गाँव ठीक नहीं है। गाँव के जवान लड़के, हाथ में लाल धागा बांध कहीं गांजे का दम तो कहीं शराब की छाँक लगा रहे हैं। जिस गाँव में यह सब है वहीं चोर उचक्के भी हैं, यही सब पचड़ा है। सागर सिंह गाँव का हाल देख परेशान हैं, कोलसार के बंद हो जाने के कारण घाय पीने का सामूहिक आयोजन भी बंद है। कोलसार महज गन्ना से गुड़ बनाने का स्थान ही नहीं था बल्कि सामूहिक सामुदायिक जीवन की पाठशाला भी था। आजादी मिलने के दो दशकों के बीच गाँव के नकारात्मक विकास की महज यह बानगी है। फणिश्वरनाथ रेणु ने जिस गाँव की राजनीतिक काया को बदलते देखा, बहुत कुछ रत्नाकर की कहानियों में भी वही सब स्पष्ट हुआ है। 21 वी शताब्दी में गाँव की तस्वीर में राजनीतिक कार्यकर्ताओं का अभाव है । अब मुनाफा जनित राजनीति का दौर जारी है। इस दौर में धनबल और बाहुबल का प्रभाव सब पर हावी है। कई ढंग के ठेकेदार ढंग-ढंग के

लाइसेंस परमिट वाले सड़कों पर वाहन दौड़ा रहे हैं। प्रेमचंद के समय के दलित का चाल चरित्र बदल गया है। वे सरकारी फण्ड के बड़े हिस्से के हकदार है। ज्ञान ऐसा बढ़ा है कि एक ही दलित एक से अधिक इंदिरा आवास का धन ले चुका है। बैंकों के ऋण के साथ भी यही स्थिति है। इस वर्ग के कई लोग दलाली भी करने लगे हैं। ग्रामीण स्तर पर दे राजनीतिक गतिविधियों के भागीदार भी हैं। प्रेमचंद और रेणु ने जिस दलित को देखा था. अब वैसा नहीं है। दलित अधिकारियों का बड़ा वर्ग सामंतों जैसा व्यवहार करने लगा है। डॉ. लोहिया का कथन सही है कि साधन आते ही दलित और पिछड़े घरों की औरते ठकुरानी की चाल चलती है। एक नए सामंत वर्ग का उदय सही नहीं है। फणिश्वरनाथ रेणु ने जो पाँच पैबंद की साड़ी देखी थी वह भी अब नहीं है। अब इन वर्गों का बड़ा हिस्सा साल के आठ महीने गाँव से बाहर रहता है। चार महीने के लिए जब घर आता है तो ईंट-भट्टा वाले दादनी (अग्रिम भुगतान) के प्रति जोड़ी को साठ हजार से एक लाख रुपया मिलता है। बिहार के गाँव में अब पिछड़े वर्ग का राजनीतिक प्रभाव बढ़ा है। उनके सभी वाहन है और अन्य साधन है। गाँव के जीवन में भौतिकवाद के उदय के कारण लोभ-प्रपंच और ठगी विस्तार से राष्ट्रपिता के सपने के गाँव में मानवीय मूल्य का हनन और धन और बाहुबल के बढ़ते प्रभाव को रोकने वाली युवा पीढ़ी खुद मानसिक रूप से खाली और सामाजिक प्रतिबद्धता से अलग है। अब दर्शन तो बड़ी चीज है, यह सामान्य साहित्य से भी विमुख है। अर्थात् आत्माविहीन महज शरीर का ढाँचा दिख रहा है। यह स्थिति विचलन का साक्षी है-इसे बदलने की जरूरत है।●

गुरु-शिष्य परंपराओं का देश भारत

● **प्रो० रामजीवन साहु**

भारत अति प्राचीन काल से ही गुरू-शिष्य परम्पराओं का देश रहा है।

'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वर।
गुरु साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

अर्थात गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, गुरु देव महेश्वर है। गुरु ही साक्षात् परब्रह्म है। इसलिए उस गुरु को प्रणाम है। इसी के फलस्वरूप भारत विश्व गुरु और सोने का चिड़िया कहलाया। यह परम्परा विश्व का सर्वोत्तम परम्परा है। जहाँ और जिसमें यह परम्परा विकसित नहीं है ,वह व्यक्ति जीवन के प्रारंभिक काल एवं मध्यकालीन जीवन सुखमय हो सकता है, परन्तु अंतकालीन जीवन काँटों से भरा होगा। पुराण में वर्णन है कि अगर हम 200 पुण्य अर्जित किये हैं और 100 अर्धम अर्जित किये हैं, तो दोनों भोगना पड़ेगा। यहाँ जोड़ घटाव नहीं होगा। सुखमय जीवन के लिए एक और उपाय है। वह यह है कि 'मातृ पितृ देवो भवः' पर विश्वास करना होगा। सभी काल खंडों में गुरु हुए हैं। सतयुग में ब्रह्मा, विष्णु और महादेव गुरु हुए। त्रेतायुग में महर्षि वशिष्ठ और महर्षि विश्वामित्र गुरु हुए। द्वापर युग में गुरु संदीपन और गुरु द्रोणाचार्य हुए और कलयुग में अनेक गुरु हुए हैं। उन गुरुओं की आशीर्वाद से ही भारत विश्व प्रसिद्ध हुए। एकलव्य, आरुणि,शिवाजी महाराज, स्वामी विवेकान्द, संतरविदास, कबीर दास, मीरा बाई, स्वामी दयानंद सरस्वती, संत सूरदास, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गामा पहवान आदि।

आपको बता दूं कि गामा पहलवान ने भगवान कृष्ण और गीता को अपना गुरु मानता था। गामा पहलवान का पूरा नाम था मियां गुलाम मुहम्मद हुसैन। उन्होने लंदन में जिबेस्की, अमेरिका में रोलर पहलवान को हराये थे। 2010 में गामा भारत लौटकर आये और पंडित मदन मोहन मालवीयजी का आशीर्वाद लेने उनके पास गए। चरण स्पर्श करने के बाद उन्हने गामा से पूछे कि तुम आज तक एक भी कुश्ती नहीं हारे, इसका रहस्य क्या है? गामा ने कहा मैं भगवान श्री कृष्ण तथा गीता से एकाग्रता और संयम की प्रेरणा लेता हूँ। इसलिए हमेशा जीतता हूँ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परम पवित्र भग्वा ध्वज को गुरु मानता है। गुरु मानव जीवन के विकास का आधारशिला है। गुरु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन एवं समर्पण का प्रतीक गुरुदक्षिणा है। हमारे पौराणिक ग्रंथों में बहुतायत में प्रेरणादायक वाक्य हैं, जिसे स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत के संसद भवन में जगह-जगह पर लिखा गया है। बीजवाक्य के नाते 'सत्यमेव जयते' को स्वीकार किया गया है।लोकसभाध्यक्ष पीठ के पीछे 'धर्मचक्र प्रवर्तनीय' प्रदर्शित किया गया है। सर्वोच्च न्यायाधीश के पीठ के पीछे 'यतोधर्मस्ततो जया' लिखा गया है। राज्यसभा के एक द्वार पर 'अहिंसा परमो निर्मोही, तो दूसरे द्वार पर अंकित है सत्यं वद धर्मंचर है। केन्द्रीय सभागण के द्वार के उपर 'वसुधैव कुटुम्बकम' का पूरा श्लोक रेखांकित है। राज्यसभा के एक और द्वार पर अंकित है 'स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः। संसिद्धि लभते नरः।' एक और दूसरे द्वार पर अंकित है 'एकं सत् विप्राः बहुधा वदन्ति।' इस तरह गुरु शिष्य परम्पराओं को अपनाने वाला भारत जितना ख्याति प्राप्त किया, उतना किसी अन्य देश ने ख्याति अर्जित नहीं किया है।

क्राइम कंट्रोल एवं पुलिस पब्लिक के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना पहली प्राथमिकता : बिपिन बिहारी

सूबे में बढ़ रहे अपराध के ग्राफ एवं बिहार पुलिस के द्वारा क्राइम कंट्रोल को लेकर किए जा रहे कार्य में तीव्रता लाने एवं पुलिस पब्लिक के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में बिहार पुलिस के अधिकारी एवं समकक्ष पुलिसकर्मी भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। राज्य के बांका जिला की बात करें तो क्राइम कंट्रोल के मामले में काफी सुधार की स्थिति में है। बांका सदर एसडीपीओ **बिपिन बिहारी** जो काफी तेजतर्रार एवं आम पब्लिक के बीच समन्वय स्थापित कर किसी भी कारित घटना के उपरांत देवदूत की भांति पहुंच पुलिस के प्रति लोगों में विश्वास की भावना भी जागृत कर रहे हैं। बिहार में पुलिसिंग की स्थिति, बढ़ते अपराध, साइबरक्राइम, अपहरण, हत्या एवं लूटपाट विषयों पर विस्तृत चर्चा केवल सच पत्रिका के सहायक संपादक **मिथिलेश कुमार** के साथ हुए भेंटवार्ता का संक्षिप्त अंश प्रस्तुत है।

वैसे मैं बांका सदर एसडीपीओ बिपिन बिहारी का परिचय पाठकों के बीच कराना चाहूंगा कि बिपिन बिहारी नाम से ही बिहार के प्रति प्यार, समर्पण और कुछ करने का जज्बा इन्हें इस मुकाम पर ला खड़ा किया है। विपिन बिहारी राज्य के नालंदा जिले के नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत सब्जी उत्पादन में मशहूर साठोपुर गांव के छोटे किसान रविंद्र प्रसाद एवं शोभा देवी के पुत्र हैं। श्री बिहारी की प्रारंभिक शिक्षा गांव की पगडंडियों से प्रारंभ होकर देश की राजधानी दिल्ली तक पहुंची। उन्होंने मैट्रिक परीक्षा में नालन्दा जिला में चौथा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प के साथ परिवार के भरोसे पर खरा उतर मन में कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी पाल लिया था। हालांकि गांव शहर से ज्यादा दूर नहीं थी लेकिन घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होती तो अंग्रेजी माध्यम स्कूल में दाखिला किया होता, परंतु लघु किसान पिता के पास इतनी क्षमता नहीं थी कि पुत्र के अरमानों और उसके सपनों को उड़ान दे सके ,परंतु मन में कुछ करने की तमन्ना हो और मेहनत और परिश्रम जिसका हौसला बनकर अपनी मंजिल पाने के लिए बेताव हो तथा हिमालय की भांति अडिग हो उसे भला मंजिल तक पहुंचने से कौन रोक सकता है। इंटर करने के बाद श्री बिहारी उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति का सहारा लेकर स्नातक प्रतिष्ठा किया। इस बीच उन्होंने देश की सर्वोच्च प्रतियोगी परीक्षा सिविल सेवा आयोग प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना प्रारंभ की। पढ़ाई के दौरान आर्थिक संकटों को झेलते हुए हुए दिन दुनिया से दूर सिर्फ पढ़ाई को अपना लक्ष्य बनाकर प्रयास करते रहे। उन्होंने बताया कि 5 बार उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा दिया जिसमें पीटी परीक्षा में पांचों बार सफल हुए दो बार मुख्य परीक्षा में सफलता प्राप्त किया, परंतु इंटरव्यू में दोनों बार किस्मत दगा दे गयी। लेकिन दिल से मजबूत और इच्छाशक्ति से कठोर श्री बिहारी ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 56-59 वीं संयुक्त परीक्षा अनमने ढंग से दिया था लेकिन उतीर्ण हो गए। उन्होंने बताया कि मैं स्वंय आश्वस्त था की बीपीएससी परीक्षा तो कभी भी पास हो जाऊंगा। अपने लक्ष्य के प्रति भी समर्पित रहने एवं पारिवारिक उलझने भी कभी-कभी हतोत्साहित और विचलित करती रही। पिताजी की मेहनत और परिवार का सहयोग भी आंखों के सामने उन्हें जल्दी कुछ करने की ओर इंगित कर रहा था। हालांकि ऐसा नहीं कि बिहारी लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफलता प्राप्त होने के पूर्व नौकरी की नौकरी नहीं कि, उन्होंने इलाहाबाद बैंक में प्रोबेशनरी ऑफिसर की नौकरी अगस्त 2012 में ज्वाइन किया , और तैयारी भी करते रहे, उन्होंने दूसरी नौकरी सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स विभाग में 2015 में जॉइन किया। मन फिर भी बड़ा करने का

था।उसके बाद यूपीएससी द्वारा आयोजित ईपीएफओ परीक्षा में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर मिनिस्ट्री ऑफ लेबर, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के पद पर करीब एक बर्षो तक कार्य किया।संघर्ष का सफर जारी रहा, परंतु मन स्थिर नहीं रहा सपनों को उड़ान देने के लिए तथा हकीकत में बदलने के लिए नौकरी को रिजाइन कर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लग गए। नकारात्मकता से हमेशा दूर रहकर सकारात्मकता के साथ कदमताल करने वाले श्री बिहारी ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त परीक्षा में अंतिम रूप से डीएसपी पद पर चयन होने के साथ ही अपने परिवार में माता-पिता, भाई-बहन एवं ग्राम वासियों का भी सपना पूरा किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता एवं पिता सहित परिवार को देते हुए कहा कि मैंने अपने माता एवं पिता की आंखों में कशिश देखी थी, उनकी मजबूरियां देखी थी, उनका सपना देखा था ,उनका मेहनत देखा था,उनका प्यार देखा था जो मुझे सदा उत्साह बढ़ाता रहा ।रिजल्ट आने के बाद किसान पिता की आंखों में चमक थी। वही मां की आंखों में पुत्र के प्रति प्यार भी उमड़ पड़ा था माता-पिता के सपनों को पूरा करने वाले बिहारी की पहली पोस्टिंग भागलपुर जिले के जगदीशपुर थाने में प्रशिक्षु डीएसपी के पद पर हुई थी। उसके बाद उनका तबादला निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना मुख्यालय में हो गया 2 वर्षो तक उन्होंने अपनी काबिलियत एवं कर्मठता के बदौलत कई कांडों का उद्भेदन एवं छापेमारी भी किया और पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पहली बार बांका सदर एसडीपीओ बिहारी ने कार्य संभालते ही अपराधि यों पर लगाम लगाना शुरू कर दिया। साथ ही साथ थाना क्षेत्रों में जमीनी विवाद के कारण हो रहे केस मुकदमा को बारीकी से समझ कर न्याय दिलाना प्रारम्भ किया। उन्होंने बताया कि न्याय मांगने वाले फरियादियों के चेहरे पर मासूमियत को परख पाना एवं मामले की तह तक जाना थोड़ा मुश्किल होता है, परंतु मामले का निपटारा एवं उचित न्याय दिलाने पर खुशी मिलती है शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। उन्होंने बढ़ते अपराधों के बारे में कहा कि वर्तमान में युवाओं में जल्दी करने की आदत बन रही है, बिना मेहनत और परिश्रम के रास्ते धनवान बनने की चाहत के कारण मुख्यधारा से भटकना प्रारंभ कर देते हैं। उन्होंने कहा कि घर-परिवार के संस्कारों एवं साझी संस्कृति को अपनी विरासत समझने वाले बहुत कम ही होते जो अपनी पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते है। जीवन में सफल होने के लिए शिक्षा से बड़ा कोई शस्त्र नहीं है। शिक्षा हमें जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है, तथा बेहतर इंसान भी बनाती है। शिक्षा का कोई विकल्प नहीं हो सकता है ,शिक्षा धन और शोहरत दोनों प्रदान करती है। उन्होंने पुलिस पब्लिक के बीच समन्वय स्थापित एवं आम लोगों से पुलिस की छवि के सवाल पर कहा की, देखिए काम करने का अलग-अलग तरीका होता है ऐसा भी नहीं कि सबको संतुष्ट किया जा सकता है। पुलिस पदाधिकारी के पास पुलिस मैनुअल के दायरे में रहकर कार्य करने की जिम्मेदारी होती है ,लेकिन करते किस तरीके से हैं यह व्यक्तिगत मामला होता है, मैं किसी के बारे में कुछ कहना उचित नहीं समझता हूं। जहां तक पुलिस-पब्लिक के बीच समन्वय स्थापित एवं पुलिस विभाग की बात है, आप सकारात्मक चीजों को देखेंगे तो आपका भी नजरिया बदलेगा। आम लोगों की धारणा में परिवर्तन हुआ है। पुलिस आम लोगों की सुरक्षा एवं शांति स्थापित के साथ-साथ न्याय दिलाने का कार्य करती है। ऐसी परिस्थितियों में कुछ लोगों को उनके मन की नहीं होने पर पुलिस के प्रति नकारात्मक भाव पैदा होता है। अगर आप गलत करेंगे तो पुलिस किसी भी सूरत में आपको गलत करने नहीं देगी। बेहतर करने का प्रयास करेंगे तो पुलिस सहयोग करती रहेगी। यह अलग बात है पांचों उंगलियां बराबर नहीं होती कहीं-कहीं कुछ गड़बड़ी होने का यह मतलब नहीं कि सारा सिस्टम खराब है। हम लोगों को बेहतर करना है।

थाने में आचरण प्रमाण पत्र, पासपोर्ट भेरीफिकेशन, सनहा दर्ज एवं प्राथमिकी दर्ज कराने में आम लोग आर्थिक दोहन का शिकार होते हैं, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि देखिए ऐसा कुछ नही है अगर आप सही हैं तो कहीं कोई दिक्कत नही है हमारे अधीनस्थ थाने में ऐसी कोई बात नही है अगर ऐसी समस्या किन्ही के पास हो तो बेझिझक मुझसे संपर्क कर सकते हैं साधारण कार्य के लिए लोग आर्थिक दोहन का शिकार क्यों होंगे ?सरकार हमें सम्मानित राशि के साथ अनुकूल व्यवस्था प्रदान कर रही है ,हमें अच्छा करने के लिए। अन्य लोग क्या करते हैं उससे मतलब नही है ऐसी शिकायत तो आज तक मुझे नही मिली है। एससी एसटी एक्ट कानून का नाजायज फायदा भी लोग उठा लेते हैं इस सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में गम्भीरता से जांच की जाती है पुलिस मामले को प्रत्येक स्तर से जांच पड़ताल करती है अगर मामला संदिग्ध दिखता है तो अग्रेतर कार्रवाई भी की जाती है।कानून का दुरूपयोग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही की जा सकती है। आखरी सवाल में झारखंड की सीमा को जोड़ने बाला बांका जिला देवघर श्रावणी मेला के लिए भी साक्षी होता है। अधिकमास के कारण दो माह तक श्रावणी मेला आयोजन में बांका प्रशासन के द्वारा की जा रही व्यवस्था के सवाल पर उन्होंने कहा कि बांका जिला कटोरिया और अबरखा क्षेत्र पैदल देवघर जाने वाले कांवरियों के लिए विशेष रूप से व्यवस्था की गई है। कांवरियों को सुविधा प्रदान करने के लिए 300 बेड का अस्थाई धर्मशाला एवं पेयजल, दवा की विशेष सुविधा दी जा रही है। रात्रि विश्राम के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिए दिवा-रात्रि गश्त एवं अस्थाई थाना कैम्प बनाए गए हैं। जिसमें 24 घंटे पुलिस बलों की तैनाती है। उन्होंने केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के माध्यम संदेश देते हुए कहा कि 'लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।' उन्होंने खासकर युवाओं महिलाओं एवं छात्राओं को शिक्षा को अस्त्र के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी और कहा कि अगर आप ईमानदारी पूर्वक पूरी निष्ठा के साथ कार्य करोगे तो सफलता आपके कदम चूमेगी। दृढ़ संकल्प, निश्चय, आत्मविश्वास, धैर्य और सहनशीलता को अपनाये रखेंगे तो मुझे विश्वास है कि आप जीवन में कभी निराश नहीं होंगे।●

गंभीरगढ़ में निर्माणाधीन पुल धंसा

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जीआर इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा अररिया गलगलिया सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। जो शुक्रवार 23 जून को धंस गया। मामला किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत गंभीरगढ़ का है जहां जीआर इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा 1591 करोड़ की लागत से पुल का निर्माण कराया जा रहा था। मामले का खुलासा उस वक्त हुआ जब निर्माणाधीन पुल का पाया धंसने के पश्चात आसपास के लोगों की भीड़ धंसे हुए पुल को देखने के लिए पहुंची। वहीं मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि (शुक्रवार 23 जून) पुल धंस गई है जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। कंपनी में काम कर रहे लोगों से जब कंपनी का नाम और वजह पूछने का प्रयास किया गया तो लोग टालमटोल करने लगे और सवाल से भागने लगे। वहीं मौजूद एक व्यक्ति ने कुछ भी बताने से मना कर दिया और आपस में ही बात कर रहे थे कि आखिर किस तरीके से धंसे हुए पुल को ऊपर किया जा सकेगा। हालांकि अभी नदी में बरसाती पानी पूरी तरह आया भी नही है। अगर नदी का जलस्तर बढ़ा होता तो क्या हाल होना था यह अपने आप मे विचार करने वाली बात है। जीआर इंफ्रा द्वारा निर्माणाधीन पुल धंसने लगा, इसको भ्रष्टाचार न समझा जाए तो और क्या समझा जाए। अभी तो पुल के ऊपर से परिचालन भी शुरू नहीं हुआ तो यह हाल है अगर परिचालन के वक्त पुल धंस जाती तो कोई भी बड़ी दुर्घटना घट सकती थी।

गनिमत रही कि वक्त रहते भ्रष्टाचार की झलक पहले ही लोगों के सामने आ गई। गौरतलब हो कि बिहार में यह पुल गिरने का नया मामला नहीं है। जीआर इंफ्रा कंपनी द्वारा निर्माण किए गए कंस्ट्रक्शनओं की उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है ताकि पता चल सके कि आखिर कंपनी किन मैट्रियल का प्रयोग करके पुल निर्माण कार्य करवा रही है जो निर्माणाधीन पुल ही धंसने लगी है। जीआर इंफ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा (1591 करोड़ की लागत से) अररिया गलगलिया सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। शनिवार को स्थानीय लोगो ने बताया कि इसी रूट में कंपनी द्वारा कई पुल का निर्माण भी कराया जा रहा है। जो जांच का विषय है। पुल धंसने से संबंधित सवालों से भागते हुए कंपनी के कर्मी नजर आए। जानकारी के अनुसार शनिवार को जांच टीम भी पहुंची। निर्माणाधीन पुल धंसने से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और कंपनी द्वारा कराए जा रहे कार्य में गुणवत्ता को लेकर के भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखने वाली दिलचस्प बात यह रहेगी कि आखिर जांच के बाद किन दोषियों पर कार्रवाई होगी। गौरतलब हो कि बिहार में निर्माणाधीन पुल का गिरना, टूटना, हवा में उड़ना, और अब धंसना रिवाज सा बन गया है। वही मेची नदी पर बन रहे पुल का पीलर धंसने का मामले में डीएम श्रीकांत शास्त्री मौके पर पहुंच हालात का जायजा लिए। डीएम के साथ एसडीएम अमिताभ कुमार गुप्ता, सीओ ठाकुरगंज ओम प्रकाश भगत सहित संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। वही NHAI के बिहार प्रभारी अवधेश कुमार ने जानकारी दी कि पुल निर्माण से जुड़े 4 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वही मामले पर पथ निर्माण विभाग के सचिव प्रत्यय अमृत ने संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी को जांच के आदेश दिए थे। वही रविवार को जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री मौके पर पहुंच हालात का लिया जायजा लिए।●

डीटीओ ने नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद, उप मुख्य पार्षद एवं मुख्य पार्षद को दिलाई शपथ

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिले के नव निर्वाचित नगर पंचायत में हुए चुनाव के बाद जीते हुए पार्षद, उप मुख्य पार्षद और मुख्य पार्षद को नगर पंचायत भवन पौआखाली के प्रांगण में शपथ दिलाई गई। इस इस दौरान पहले एक से लेकर चार वार्ड तक के पार्षदों को शपथ दिलाई गई इसी तरह से तीन बार में ग्यारह वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई उसके बाद उप मुख्य पार्षद फिर मुख्य पार्षद को शपथ दिलाई गई। नवनिर्वाचित मुख्य पार्षद, उप मुख्य पार्षद, एवं वार्ड पार्षदों का नाम निम्नः- मुख्य पार्षद :- फौजिया तरन्नुम
उप मुख्य पार्षद :- नोसेबा
वार्ड नं० 01 :- आमना खातुन
वार्ड नं० 02 :- रूबी प्रवीण
वार्ड नं० 03 :- सेहरुन निशा

वार्ड नं० 04 :- नफीस आलम
वार्ड नं० 05 :- जमीला खातुन
वार्ड नं० 06 :- अफसाना बेगम
वार्ड नं० 07 :- गोदा लाल राय
वार्ड नं० 08 :- संतोष कुमार दास
वार्ड नं० 09 :- रहीमा खातुन
वार्ड नं० 10 :- सलमान
वार्ड नं० 11 :- संजीदा खातुन है।

इस दौरान मौके पर ठाकुरगंज अंचल अधिकारी ओम प्रकाश भगत, प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी अतिउर रहमान, सुखानी थानाध्यक्ष रामलाल भारती, पौआखाली थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव, सहित कई थानों के थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। शांतिपूर्ण माहौल में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान मौके पर तकरीबन 300 लोगों की भीड़ देखी गई।●

ओवरलोड के परिचालन से धंसी सड़क

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिले के नगर पंचायत पौवाखाली अंतर्गत डे मार्केट रोड पौवाखाली बाजार से होकर ओवरलोड वाहनों का परिचालन लगातार जारी रहने के कारण सड़क धंस गई है जिसके कारण मानसून आते ही जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो गई है। गौर करे कि जिले में ओवरलोड वाहनों पर शिकंजा कसने को लेकर प्रत्येक माह जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भले ही मैराथन बैठकों का दौर चलता रहे, विभागीय पदाधिकारियों को सख्त फरमान जारी किया जाता रहे, परंतु, जिस गति से इस ओर कार्रवाई होनी चाहिए या नजर आनी चाहिए, असल में ऐसा कुछ भी नही है। शाम ढलने की तो छोड़ए दिन के उजाले में ओवरलोड वाहनों की कतार आपको किसी भी सड़क पर दिख जाएंगी। बेरोक टोक ओवरलोड वाहनों का परिचालन अररिया-गलगलिया हाइवे मार्ग पर होकर ही नही बल्कि ठाकुरगंज प्रखण्ड के विभिन्न ग्रामीण सड़कों पर भी हो रहा है। पौआखाली, जियापोखर, सुखानी थानाक्षेत्र की ग्रामीण सड़कें इन ओवरलोड वाहनों के वजन तले दम तोड़ते नजर आ रही है। सड़कों की स्थिति दिन प्रतिदिन दयनीय अवस्था में जा रही है। मुख्य सड़क पर जलजमाव की समस्या से लोगों को आवागमन करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ओवरलोड वाहनों का परिचालन इसके बावजूद भी रुकने का नाम नहीं ले रहा है जबकि सड़क धंस गई है और जलजमाव जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। ओवरलोड वाहनों के परिचालन के कारण सरकारी राजस्व में भी भारी नुकसान हो रहा है। ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर विभाग तमाशबीन बनी हुई है। वक्त रहते अगर ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर रोक नहीं लग पाई तो इससे भी ज्यादा सड़कों की क्षति और सरकारी राजस्व की क्षति होनी तय है। ओवरलोड वाहनों के परिचालन के लिए जगह-जगह इंट्री माफिया के गुर्गे सक्रिय होकर ओवरलोड वाहनों को पास करवाते हैं। और मोटी कमाई कर अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। प्रतिदिन सरकारी राजस्व को इंट्री माफिया द्वारा चुना लगाया जा रहा है। और विभाग तमाशबीन बनी हुई है।●

जिले में जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को लेकर विशेष अभियान

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिले में समुदाय स्तर पर जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूकता, परिवार नियोजन से संबंधित सेवाओं की जानकारी व योग्य दंपतियों को इच्छानुसार संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 27 जून से 31 जुलाई के बीच जनसंख्या स्थिरिकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर संबंधित अन्य विभागों से जरूरी मदद ली जायेगी। आमजनों को परिवार नियोजन सेवाओं के इस्तेमाल के लिये प्रेरित करने में संबंधित क्षेत्र की आशा, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी व विकास मित्रों का सहयोग लिया जायेगा। सिविल सर्जन डा० कौशल किशोर ने सोमवार को बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर 27 जून से 10 जुलाई तक दंपति संपर्क पखवाड़ा व 11 से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान परिवार नियोजन के तहत प्रदान की जाने वाली सेवाओं जैसे कापर टी, गर्भ निरोधक सुई, बंध्याकरण व नसबंदी के साथ गर्भ निरोधक गोलियों व अन्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित कराने में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्था सहित संबंधित सरकारी विभागों से अपेक्षित सहयोग की अपील सिविल सर्जन ने की है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डा० मुनाजिम ने बताया कि अभियान का उद्देश्य हम दो हमारे दो के लक्ष्य को हासिल करना है। इस दौरान आम लोगों को जनसंख्या स्थिरीकरण की जरूरत, सही उम्र में शादी का महत्व, दो बच्चों के बीच पर्याप्त अंतर, छोटे परिवार का लाभ, मां व शिशु स्वास्थ्य की बेहतरी के लिये गर्भनिरोधक उपाय अपनाने को लेकर जरूरी परामर्श के प्रति जागरूक किया जाना है। साथ ही सुलभतापूर्वक लोगों को इससे जुड़ी सेवाएं उपलब्ध करानी है। जिला योजना समन्वयक विश्वजीत कुमार ने बताया कि सभी सरकारी चिकित्सा संस्थानों में परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी संसाधन से जुड़ी सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध है। इतना ही नहीं, इन उपायों को अपनाने पर लाभुक को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि का भुगतान भी किया जाता है। उन्होंने बताया कि पुरुष नसबंदी के लिये लाभुक को 3000 रुपये व उत्प्रेरक को 400 रुपये बतौर प्रोत्साहन राशि दी जाती है। वहीं महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 व उत्प्रेरक को 300 रुपये देने का प्रावधान है। इसी तरह प्रसव के उपरांत बंध्याकरण के लाभार्थी को 3000 रुपये, उत्प्रेरक को 400 रुपये दिये जाते हैं। प्रसव उपरांत कॉपर-टी लगाने के लिये लाभार्थी को 300 व उत्प्रेरक को 150, गर्भपात के उपरांत कॉपर-टी लगाने के लिये लाभार्थी को 300 व उत्प्रेरक को 150 रुपये व गर्भनिरोधक सुई लगाने पर लाभार्थी को 100 रुपये व उत्प्रेरक को 100 रुपये बतौर सहायता राशि दी जाती है।●

मनरेगा योजना में मजदूरों की जगह जेसीबी-ट्रैक्टर का प्रयोग

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के तहत देश के ग्रामीण परिवारों को हर वर्ष न्यूनतम 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाती है। मनरेगा के दिशा निर्देश पत्र में लिखे नियम के अनुसार मनरेगा के अंतर्गत कराये जा रहे कार्य मजदूरों से कराना अनिवार्य है, इन कामों के लिए मशीन का इस्तेमाल गैर कानूनी है। बावजूद इसके बिहार के किशनगंज में नियमों को ताक पर रख कर मनरेगा की कई परियोजनाओं में जेसीबी और ट्रैक्टर का प्रयोग किया जा रहा है। ये तस्वीरें हैं किशनगंज प्रखंड के सिंघिया कुलामनी पंचायत वार्ड संख्या 04 की। यहा गांव के वर्षों पुराने ऐतिहासिक तालाब का जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। मनरेगा के तहत हो रहे इस जीर्णोद्धार कार्य में बिना किसी झिझक के, मजदूरों की जगह ट्रेक्टर से काम लिया जा रहा है। पोठिया प्रखंड अंतर्गत जहांगीरपुर पंचायत के बेलपोखर गांव में मनरेगा योजना के तहत पिछले दिनों मछली पालन के लिए एक तालाब का निर्माण कराया गया था लेकिन तालाब अब तक सूखा पड़ा है। स्थानीय लोगो ने बताया कि कलाम नामक एक व्यक्ति की जमीन पर इस तालाब की

खुदाई की गई है। खुदाई की प्रक्रिया में मजदूरों की जगह दो जेसीबी मशीनों का प्रयोग किया गया था। शमीम अख्तर मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि आज कल गांवों में ट्रैक्टर और जेसीबी मशीनों से काम लिया जा रहा है जिस से रोजगार तलाशना और कठिन हो गया है। शमीम की पत्नी के पास श्रमिक कार्ड है लेकिन शमीम का कार्ड अभी नहीं बन सका है। उनके अनुसार उनकी पत्नी के पास श्रमिक कार्ड होने के बावजूद उनके परिवार को मनरेगा के तहत रोजगार नहीं मिल रहा है। मनरेगा योजना में मजदूरों के बजाए ट्रैक्टर और जेसीबी मशीनों से काम निकलवाने की इन घटनाओं को लेकर हमने किशनगंज उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्पर्श गुप्ता से कुछ सवाल किए। स्पर्श ने बताया कि उन्हें अब तक इसकी जानकारी प्राप्त नहीं हुई थी लेकिन अब इस मामले की गंभीरता से जाँच कर मनरेगा योजना का दुरुपयोग करने वालों पर सख्ती से निपटा जाएगा।●

दो दिवसीय महाकाल महोत्सव के दूसरे दिन हुई महाकाल बाबा की पूजा

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

रुईधासा महाकाल मंदिर मे दो दिवसीय महाकाल महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को बाबा श्री महाकाल की पूजा कामाख्या से आये पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई। दो दिवसीय महाकाल महोत्सव 3 जुलाई को शुरू हुई थी। मंदिर के पुजारी बाबा साकेत व शक्तिपीठ कामख्या से आए मंहत के सान्निध्य में पूरे विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महाकाल बाबा की पूजा-अर्चना की गई। महोत्सव में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा श्री महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ महाकाल महोत्सव मनाया गया। इस महोत्सव को लेकर भक्तों का उत्साह चरम पर था। महोत्सव को लेकर पूरे मंदिर परिसर सहित महाकाल बाबा की प्रतिमा को भी आकर्षक फूल मालाओं से सजाया गया था। जो लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहा। गौर करे कि इससे पहले सोमवार की देर शाम कलश विसर्जन को लेकर महाकाल मंदिर के पुरोहित साकेत बाबा के सान्धिय में गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई थी। विभिन्न मार्गों से होते हुए शोभायात्रा यात्रा प्रेमपुल पहुंची। प्रेमपुल स्थित नदी में कलश का विसर्जन किया गया। फिर नये कलश में जलभर कर शोभायात्रा मंदिर पहुंची और बाबा श्री महाकाल के महोत्सव का शुभारंभ किया गया। महाकाल महोत्सव को लेकर बिहार, बंगाल, नेपाल सहित दूर-दराज क्षेत्रों से भी पूजा-अर्चना के लिए भक्तों का आगमन हुआ था। गौर करे कि इस दो दिवसीय महाकाल महोत्सव के दौरान महाकाल बाबा की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पूरे बिहार में महाकाल बाबा की एकमात्र मंदिर किशनगंज में है। जहां भक्तों की हर मुरादें पूरी होती है। महाकाल महोत्सव को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष सहित वरुण कुमार, अमित राज, शंकर केसरी, नितम, शुभ कुमार सिंह, श्रेय कुमार सिंह, आदित्य कुमार सिंह, मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष सत्यम चारुस्त सहायक कोषाध्यक्ष मीरा

सिन्हा आदि जुटी हुई थी।●

अन्य जगह से मजदूर मंगवा कर कराया जा रहा मनरेगा कार्य

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खारूदाह के वार्ड नंबर 6 में मनरेगा कार्य में अनियमितता के मामले को स्थानीय सरपंच मो० आरिफ हुसैन ने सोमवार को खुलासा किया है। मो० आरिफ हुसैन ने मीडिया को वीडियो भेजकर फोन कर बताया कि यह कार्य खारूदाह पंचायत के वार्ड नंबर 06 में चल रहा है। खारूदाह पंचायत में हो रहे मिट्टी करण कार्य करवाने के लिए कई किलोमीटर दूर अन्य जगह से मजदूर मंगवा कर कार्य करवाया जा रहा है जबकि मनरेगा कार्य स्थानीय जॉब कार्ड धारी से ही करवाना होता हैं। इस संबंध वीडियो भेजकर रोजगार सेवक से जानकारी मांगी गई है।●

पिस्टल के साथ हथियार तस्कर गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

हाजीपुर जंक्शन पर मुजफ्फरपुर रेल पुलिस ने एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके बैग से 21 अर्धनिर्मित पिस्टल बरामद हुए हैं। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने गोरखपुर से भी एक अन्य तस्कर को गिरफ्तार किया है। रेल पुलिस दोनों तस्करों से पूछताछ कर जांच में जुटी। पुलिस के अनुसार, मुंगेर का रहने वाला सोनू अग्रवाल गोरखपुर से मुंगेर जा रहा था। उसकी गतिविधि संदिग्ध लगने पर रेल पुलिस ने हाजीपुर जंक्शन पर ओवर ब्रिज से उसे डिटेन किया। तलाशी में युवक के बैग से 21 अर्धनिर्मित पिस्टल मिले। इसके बाद पुलिस ने उसके गिरोह के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उसकी निशानदेही पर गोरखपुर से उसके साथी मो० आरिफ को गिरफ्तार किया। वो गोरखपुर के हुसैनबाद का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों से पूछताछ कि तो पता चला गिरोह के तार बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक जुड़े हैं। साथ ही ये भी पता चला कि बरामद पिस्टल मुंगेर में बनाई गई हैं। इस मामले में मुजफ्फरपुर के रेल एसपी डॉ० कुमार आशीष ने बताया कि हाजीपुर जंक्शन पर ओवर ब्रिज से एक संदिग्ध को डिटेन किया गया है। उसके बैग से 21 अर्धनिर्मित पिस्टल और उतनी ही बैरल बरामद हुई हैं। आरोपी गोरखपुर से मुंगेर जा रहा था। इसके साथ ही गोरखपुर में छापेमारी कर उसके एक साथी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को शक है कि ये एक अंतर्राजीय गैंग है। रेल एसपी डा०कुमार अशीष ने बताया कि छापामारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी, कर्मियों को पुरस्कृत किया जा रहा है।

★ **बरामदगी :-**

☞ लोहे का बना अर्ध निर्मित पिस्टल बॉडी 21 पीस जिसके बॉडी की लंबाई करीब 9 अंगुल तथा बट की लंबाई 6 अंगुल

☞ लाल रंग का ओप्पो कंपनी का स्क्रीन टच मोबाइल सेट आईएमआई नंबर 869147 033680975 869147033680967 में लगा मोबाइल नंबर 9142076683

☞ कागज में सेलो टेप से लपेटकर पैक कर रखा कुल 21 पीस लोहे का बना पिस्टल का बैरल प्रत्येक लंबाई करीब 6 अंगुल।●

रेल पुलिस ने पांच नाबालिग बच्चे को किया बरामद

● धर्मेन्द्र सिंह

मुजफ्फरपुर बेतिया-रेल एसपी डा० कुमार आशीष के निर्देश के बाद लगातार रेल पुलिस की टीम अपनी ड्यूटी में सभी जगह पर लगातार तत्पर दिख रही है जिसका परिणाम है कि रेलवे में अपराध का ग्राफ काफी गिर गया। इसी बीच

रेल पुलिस बेतिया को 5 नाबालिग बच्चे प्लेटफार्म के पास भटकते हुए दिखाई दिए जिसके बाद तत्परता दिखाते हुए रेल पुलिस की टीम ने पांचों बच्चों को तत्काल अपने कब्जे में लिया और

पूछताछ शुरू की। पूछताछ के क्रम में रेल पुलिस ने पाया कि सभी बच्चे भटके हुए हैं। अगर बाहर बच्चे को छोड़ देती रेल पुलिस तो किसी गलत हाथ में सभी बच्चे पड़ जाते और बड़ी अनहोनी हो सकती थी लेकिन रेल पुलिस की तत्परता से पांचों नाबालिग बच्चों को गलत हाथों में जाने से बचा लिया। बरामद हुए सभी बच्चे बेतिया के नौतन थाना क्षेत्र के रहने वाले है। सभी का नाम पता सत्यापन करने के बाद रेल पुलिस ने विधिवत चाइल्ड लाइन के हवाले कर दिया। अब चाइल्ड लाइन के लोग सभी बच्चों का ख्याल रखेंगे और जैसे-जैसे उनके परिजनों का एप्रोच चाइल्ड लाइन तक होगा वैसे वैसे कागजी प्रक्रिया पूरी कर सभी को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पूरे मामले में पूछे जाने पर रेल एसपी मुजफ्फरपुर डा० कुमार आशीष ने सोमवार को कहा कि बेतिया रेल पुलिस की टीम को स्टेशन के पास ही भटकते हुए 5 बच्चे दिखाई दिए थे सभी नाबालिग थे जिसके बाद तत्परता दिखाते हुए रेल पुलिस की टीम ने सभी बच्चों को अपने साथ थाना लाया और पूछताछ के क्रम में यह पता चला कि सभी बच्चे भटक कर आ गए हैं। सभी का सत्यापन कर लिया गया है और कागजी प्रक्रिया पूरी कर चाइल्डलाइन के हवाले कर दिया गया।●

इंटेलिजेंस ब्यूरो ने रेल एसपी डॉ. कुमार आशीष का किया सराहना

क्षेत्रीय सुरक्षा रणनीतियां सम्मेलन-2023 में दी थी प्रस्तुति

● धर्मेन्द्र सिंह

मुजफ्फरपुर रेल एसपी डा० कुमार आशीष की प्रस्तुति को लेकर इंटेलिजेंस ब्यूरो ने उनकी सराहना की है। साथ ही भविष्य में भी उन्हें ऐसे ही कार्य करते रहने का बढ़ावा दिया है। रेल एसपी ने 14 जून को आयोजित किया गया क्षेत्रीय सुरक्षा रणनीतियां सम्मेलन- 2023 में अपनी प्रस्तुति दी थी। दरअसल, हाल ही में क्षेत्रीय सुरक्षा रणनीतियाँ सम्मेलन-2023 का आयोजन किया गया था। इस दौरान मुजफ्फरपुर रेल एसपी ने अपनी जिम्मेदारी के क्षेत्र, अर्थात् बिहार से संबंधित वर्तमान परिदृश्य में छात्रों और युवा अशांति की चुनौतियां विषय पर एक प्रस्तुति दी थी। उन्होंने कहा कि, मुझे यकीन है कि रेल एसपी भविष्य में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए इसी स्तर की ईमानदारी और उत्साह का प्रदर्शन करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि

पिछले दो सालों से लगातार एसपी डा० कुमार आशीष अपनी विशिष्ट जनोन्मुखी पुलिसिंग के अलावा अपनी उत्कृष्ट लेखनी के लिये भी प्रशंसित होते रहे हैं। विगत दो वर्षों में लगातार सीबीआई के प्रतिष्ठित जर्नल में उनकी रचनाएं जिनमें साल 2021 में किशनगंज के चर्चित सामूहिक बलात्कार कांड के सफल उद्भेदन जिसके लिये उन्हें देश के प्रतिष्ठित गृहमंत्री अनुसंधान पदक से सम्मानित किया गया था। वहीं (बिहार का पहला अनुसंधान पदक) के शोध लेख तथा पिछले साल 2022 में डाटा गवर्नेस के विस्तृत शोध लेख को प्रशंसित करते हुए प्रकाशित किया था। कुमार आशीष लगातार पुलिस पब्लिक के बेहतर संबंधों के लिये विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर पुलिसिंग का अभियान चलाते रहते हैं। रेल एसपी को हाल में ही देश के प्रतिष्ठित जेएनयू विश्वविद्यालय से राष्ट्रपति की उपस्थिति में फ्रैंच भाषा में पीएचडी (विद्या वाचस्पति) की उपाधि से सम्मानित किया गया था।●

फोन उठता नहीं कैसे हल हो बिजली की समस्या?

● गुड्डू कुमार सिंह

शहर के किसी भी गली मोहल्ले अगर बिजली समस्या हो जाए तो उसे ठीक करवाने के लिए आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि बिजली समस्या दर्ज करने वाले कर्मचारी न तो लोगों के फोन उठाते है और न ही शिकायत कक्ष में अपनी ड्यूटी पर तैनात मिलते हैं। बिजली समस्या को लेकर यदि विभाग के जेई को फोन मिलाया जाए तो वह शिकायत दर्ज करवाने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। विभाग के कर्मचारियों और जेई के इस चक्कर में लोगों की बिजली समस्या घंटों तक ठीक नहीं हो पाती और उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह गाँधी मोहल्ला पीरो गाँव मोड ,राजा मुहल्ला ,व मौलाबाग पर बिजली की समस्या पैदा हुई, जिसका समाधान करवाने के लिए लोगों ने विभाग के जेई व कर्मचारियों को कई फोन और यहां तक ही शिकायत वाले नंबर पर फोन न उठने की सूरत में पदाधिकारियों को एसएमएस भी किया। परन्तु बाध्य होकर रात 12 बजे महाप्रबंधक को एसएमएस किया गया, जिसका तुरन्त रिफ्लाई मिला लेकिन स्थानीय पदाधिकारी व कर्मीयों के कान तले जूं तक नही रेंगा, नाही कोई जवाब आया। बिजली की समस्या को लेकर मोहल्ले के लोगों ने बताया कि उनके फोन न उठने पर जब वे बिजली शिकायत केंद्र गए तो वहां भी शिकायत दर्ज करने वाला कर्मचारी अन्दर सें बंद कर अपने धुन में मस्त था लोग चिल्लाते रहे गेट पर कोई रिस्पांस नही मिला। लोगों ने बताया कि उनके मोहल्ले में रात से बिजली कभी कम तो कभी तेज हो रही थी। इस समस्या के कारण उनके मोहल्ले लोगों की मोटर, टीवी व बिजली के अन्य उपकरण खराब हो गए। लोगों ने बताया कि विभाग के जेई से संतोष जनक जवाब न मिलने व शिकायत दर्ज करने वाले कर्मचारी के फोन न उठाने के कारण उन्हें अपने घरों की बिजली बंद करके रात किसी तरह बितानी पडीं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि गत एक सप्ताह पहले भी उनके मोहल्ले की लाइट खराब हो गई थी उस समय भी बिजली शिकायत वाले नंबर पर बार-बार फोन किया गया लेकिन किसी ने भी फोन नहीं उठाया। लोगों ने बताया कि उस समय भी उन्हें बिजली ठीक करवाने के लिए विभाग के कार्यकारी अभियंता को फोन किया लेकिन उस दिन भी नतीजा वही निकला ,रात में बिजली की समस्या कोई नही सुनता सब अपने मनमुताबिक सुबह में ही बिजली ठीक हुई। लोगों का कहना है कि विभाग के कर्मचारियों की अनदेखी के करण छोटी-छोटी शिकायतें भी उच्चाधिकारियों को फोन व एसएमएस करने को बाध्य होना पडता है। बिजली खराब होने पर विभाग का शिकायत नंबर कभी भी नहीं उठता। शिकायत दर्ज करवाने के लिए शिकायत केंद्र में जाओ तो वहां कर्मचारी नहीं मिलते। विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण लोगों की बिजली संबंधित शिकायतों का समाधान ही नहीं होता और हार कर उन्हें सभापति या बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को फोन करना पड़ता है।●

क्या कहते हैं परेशान जनता

☞ मंगलवार की रात करीब 09 बजे से घरों में बिजली कम तेज हो रही है। इसकी शिकायत विभाग के जेई से की गई तो उन्होंने मिस्त्री भेजने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया। शिकायत नंबर के न उठने पर पदाधिकारियो नंबर पर एसएमएस भी भेजा गया, जिसका भी कोई जवाब नहीं आया। इससे साफ जाहिर है कि कर्मचारी आमजन की समस्याओं पर जरा भी गंभीर नहीं है। वही सामर्थ व्यत्तियों का आधी रात के बाद ट्रास्फार्मर चेज कर निर्वाध विजली आपूर्ती उसी मिस्त्री द्वारा कर दिया जाता है जो या तो फोन नही उठाते या तो जिनका मोबाईल बन्द होता है।

आजाद आलम, पीरो

☞ रात से बिजली समस्या से परेशान हो रहे हैं, परंतु कर्मचारी न तो फोन उठाते है और न ही शिकायत केंद्र में बैठते हैं। बिजली के बार-बार कम तेज होने के कारण घरों की बिजली को बंद करके रात भर गर्मीयो में रात भर छोटे छोटे बच्चो का पीडा सहन करना पड़ा। यदि कर्मचारी शहरी क्षेत्र के लोगों के साथ इस तरह से करते है तो अंदाजा लगाईये सुर्दुरव्रती गाँव के लोगों की पीडा का।

मौ० तौसीफ खाँ

☞ मैं अभी इस समस्या को लेकर कर्मचारियों से बात करता हूं और आगे से आमजन की बिजली संबंधित शिकायतों का समय पर हल किया जाएगा। बुधवार को दोपहर करीब 1 बजकर 15 मिन्ट से लगातार 1 बजकर 20 मिन्ट तक उनके सरकारी मोबाईल पर जागरण टिम ने सम्पर्क करना चाहा गया तो कार्यकारी बिजली अभियंता द्वारा फोन उठाना मुनासिब नही समझा गया ।जब दिन में फोन नही उठाते अधिकारी तो रात राम भरोसे।

विक्की कुमार

प्रेम प्रसंग के कारण हुई थी केक दुकानदार की हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत राजा बाजार वार्ड नंबर 8 में एक बेकरी दुकानदार की गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था। जिस के मामले में भोजपुर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। दुकानदार की हत्या मामले में भोजपुर पुलिस ने छह अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों में चार शूटर, एक लाइनर और एक सुपारी देने वाला मौजूद है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को भोजपुर पुलिस की टीम ने अलग-अलग इलाकों से गिरफ्तार किया है।पुलिस को अपराधियों के पास से एक देसी कट्टा, 3 मोबाइल और एक बाइक बरामद किया गया है। दुकानदार हत्याकांड का खुलासा भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस वार्ता कर किया। भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि बिहिया थाना क्षेत्र के राजा बाजार वार्ड नंबर 8 निवासी आशुतोष प्रसाद के पुत्र मनोहर उर्फ मिंची यादव को 10 जून को देर रात करीब 11 बजे तीन अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में मृतक के पिता के द्वारा बिहिया थाना में अज्ञात के विरुद्ध कांड दर्ज कराया गया था। कांड दर्ज होने के बाद उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जगदीशपुर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष बिहिया तथा थाना बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने तकनीकी आधार पर कांड में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। इस घटना में दो से तीन संख्या में अपराधी आए थे जो केक मांगने के बहाने युवक को गोली मार कर हत्या कर दी थी और मौके से फरार हो गए थे। इस घटना में सड़क जाम भी किया गया था।

☞ **गिरफ्तार अभियुक्त ने बैंगलोर के शूटर को दिया था सुपारी के तौर पर 80 हजार नगद** :- वहीं उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले दो क्लू मिले थे, लेकिन तकनीकी, सीसीटीवी और अन्य चीजों की मदद ली गई। साथ ही जैसे परिजनों ने जो हुलिया बताया था उन सभी साक्ष्यों का अनुसंधान किया गया है। घटना का कोई ट्रैस नहीं मिल रहा था, जिसके बाद मृतक के मोबाइल का सीडीआर निकाला गया और जिस नंबर पर ज्यादा बात हुई थी, उसकी जांच की गई तब परत दर परत मामला खुलता गया। उसके बाद लालबाबू प्रसाद को गिरफ्तार किया गया और से पूछताछ की गई। तब मामले का उद्भेदन हुआ। मामले में सूटर, लाइनर, सुपारी देने वाला समेत छह गिरफ्तारी हुई है, एक अन्य अभियुक्त फरार है। यह एक सुपारी किलिंग हत्या थी। इस मामले में एक अभियुक्त लालबाबू प्रसाद है। जिनका घर मींची के घर के दूसरे साइड है। उनका कहना है कि पत्नी के प्रेम-प्रसंग से आक्रोशित लालबाबू प्रसाद पूर्व के अपराधियों से संपर्क किया और बिहिया के रहने वाले अपराधियों को बैंगलोर से बुलाया। डेढ़ लाख रुपये में मनोहर के हत्या की सुपारी दी।

☞ **लालबाबू की पत्नी के साथ था मिंची का अवैध संबंध** :- एसपी ने बताया कि इस हत्या में लालबाबु ने हत्यारों को 80 हजार नगद दिया था। उनका यह प्लान था कि दो तीन अपराधी हत्या करेंगे, एक लाइनर का काम करेंगा और दो अपराधी ऐसे थे जो दोनों का मुलाकात करवाएं थे। साथ ही एक अपराधी हत्या करवाया। इस प्रकार से छह अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। एसपी ने बताया कि लाल बाबू प्रसाद की पत्नी कपड़ा सिलाई करने का काम करती है, जो बेकरी दुकानदार के घर के कपड़ों की भी सिलाई करती थी। इसलिए दोनों का एक-दूसरे के घर पर आना-जाना था। बेकरी दुकानदार भी उसके घर कपड़े देने जाया करता था। साजिशकर्ता को इस बात की भनक लग गई थी कि उसकी पत्नी और बेकरी दुकानदार के बीच अवैध संबंध है। दोनों बगल के एक सुनसान मकान में मिलते भी हैं। इसलिए उसने गुस्से में हत्या कराने का षड्यंत्र रच दिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में बिहिया थाना क्षेत्र के जमुआ गांव निवासी स्व दिनेश यादव के पुत्र गुड्डू कुमार यादव, कुलई गांव निवासी राम सुंदर यादव के पुत्र कमलेश कुमार उर्फ कमलबास यादव,कुलई गांव निवासी लाल बिहारी यादव के पुत्र उमेश यादव उर्फ तबेला यादव, बिहिया वार्ड नंबर 8 निवासी महावीर प्रसाद के पुत्र लालबाबू प्रसाद, धरहरा गांव निवासी भगवान यादव के पुत्र दसई यादव, बेलवानिया गांव निवासी रंजन नट के पुत्र धनजी नट शामिल है।●

तरारी में 70 वर्षीय वृद्ध की धारदार से हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के तरारी थाना क्षेत्र के सेदहां गांव में रविवार की देर रात एक 70 वर्षीय बृद्ध व्यकित की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह गांव की गली से शव बरामद किया गया। मृतक 70 वर्षीय हरि नारायण सिंह सेदहां गांव निवासी स्व० गुप्त सिंह के पुत्र बताये जा रहे है। । हरिनायण सिंह के गर्दन के पिछले भाग में धारदार हथियार से हमले का जख्म पाया गया है। मृतक के एक पुत्र मनोज सिंह पटना में पेशे से ठेकेदार हैं। हत्या का ठोस कारण अभी पता नहीं चल सका है। पीरो डीएसपी राहुल सिंह ,इस्पेक्टर दयानन्द प्रसाद और तरारी थानाध्यक्ष विजय कुमार प्रसाद ,सिकरहटा थानाध्यक्ष पवन कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटे हुए थे। पीरो डीसीसपी राहुल सिंह के अनुरोध पर भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम को अनुसंधान के लिए घटना स्थल पर तुरन्त भेज कराई जॉच । प्राथमिक जांच में यही पता चल रहा है कि संभवत इनकी आसपास के लोगों से ही रंजिश थी, जिसकी वजह से हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। हर ऐंगल पर जांच चल रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला गया है।

☞ **पुराने घर से नए घर में जाने के दौरान हुई हत्या :-** स्वजनों के अनुसार गृहस्वामी हरिनारायण सिंह रविवार की रात नित्यदिन के भाँति करीब 09:30 बजे पुराने घर से खाना खाकर नए घर पर जाने के लिए निकले थे। इस दौरान एक घर से दूसरे घर की ओर जाने वाली गली में किसी अपराधी ने पीछे से धारदार हथियार से गर्दन पर वार कर दिया।

☞ **रातभर परिजन समेत किसी ग्रामीण तक को नहीं लगी भनक :-** घटना के समय किसी को इसकी भनक नहीं लगी। सोमवार सुबह गली से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी तो हो-हल्ला मचाया गया। इसके बाद भीड़ जुट गई। इधर,सूचना प्राप्त होते ही थानाध्यक्ष विजय प्रसाद घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। बाद में पीरो डीएसपी ने भी घटना स्थल पहुंचकर काफी छानबीन की।

☞ **आरोपित की तलाश में जुटी पुलिस :-** पुलिस ने बताया कि हरि नारायण सिंह का घर गांव के दस कदम के बीचों-बीच है। इनके दोनों घरों के बीच दूरी लगभग 10से 20मीटर की दूरी अवस्थित है। वे गली के रास्ते से जा रहे थे। इस दौरान किसी ने हत्या कर दी। घटना के उद्भेदन के लिए पीरो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल के नेतृत्व में टीम का गठन कर मामलें के जांच के आदेशा दे दिए गए है। एसपी ने कहा कि जल्द ही आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह के अनुरोध पर भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार द्वारा डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम को अनुसंधान के लिए भेजा गया । प्राथमिक जांच में यही पता चल रहा है कि संभवत इनकी आसपास के लोगों से ही रंजिश थी, जिसकी वजह से हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। हर ऐंगल पर जांच की गई। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली गई है।●

पंचायत समीति की बैठक में व्याप्त भ्रष्टाचार पर हंगामा

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभा भवन में शुक्रवार को प्रमुख डेजी देवी की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक हुई। बैठक के आरम्भ में नये कार्यपालक पदाधिकारी शशि कुमार द्वारा प्रमुख को उपहार देकर सम्मानित कर धन्यबाद ज्ञापन किया। पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। प्रखंड क्षेत्र में संचालित योजनाओं व विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। प्रमुख ने कहा कि सीओ व सीडीपीओ का किसी भी बैठक में भाग नही लेना दुर्भाग्य पुर्ण है, वही योग्य लाभुक को आवास योजना का लाभ अवश्य मिले, इसके लिए आवास सहायक ईमानदारीपूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन करें। उन्होंने आपूर्ति पदाधिकारी से राशन व केरोसिन उठाव में योग्य लाभुकों का नाम शीघ्र जोड़ने का निर्देश दिया। बिहटा पंचायत समिति न ने कहा कि दो वर्ष पहले सोखता निर्माण कार्य कराए गए परंतु उन कार्य योजनाओं की राशि का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। बडकागाँव मुखिया ने बाल विकास परियोजना में व्याप्त भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बडकागाँव पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका मनमानीपूर्वक पर केंद्र चलाती हैं ताकि बच्चों व धातृ महिलाओं के बीच टीएचआर के वितरण में धांधली कर सके। सिकरहटा पंचायत समिति सदस्य सिकरहटा मध्य विद्यालय का मामला उठाते हुए कहा कि वहाँ के शिक्षको की गुटबाजी के चलते बच्चो के पठन पाठन पर बुरा प्रभाव पड रहा है इसलिए यहाँ के शिक्षको का तब्दला कि आवश्यकता बताई । वही बसौरी पंचायत समिति ने पेयजल की संभावित मुद्दा को उठाते हुए कहा कि पीएचईडी द्वारा चापाकल लगाय जाने व जल नल योजना की जाँच करते हुए सम्बंधित दोषियों पर करवाई करते हुए जल नल योजना को तत्काल चालू कराने की मॉग की ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को पेयजल संकट से मुक्ति मिल सके। वही जेठवार समिति ने आवास योजना में धाधली का आरोप लगाते हुए कहा कि पैसा के लालच में संम्बधित कर्मियो द्वारा सुचीबद्ध संख्या क्रमाक में छेडछाड कर मनमाने ढंग से पैसा लेकर भुगतान किया जा रहा है। बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने अपने सम्बधित शिकायतों की संज्ञान लेते हुए जाँच कर करवाई करने की बात कही ।वही कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा सभी संबधित शिकायतो की सज्ञान ली जायेगी साथ ही इस मामलें की उच्चाधिकारीयो को भी इसकी सूचना उपलब्ध कराई जायेगी ,ताकी दोसीओ के खिलाफ करवाई की जा सके। बैठक में उपप्रमुख , प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी शशि कुमार, बीईओ रघुनन्दन चौधरी, चिकित्सा पदाधिकारी डा० अभयकान्त चौधरी, मुखिया शिव शंकर सिंह, सतीश कुमार, मुन्ना कुमार ,तब्सुम प्रवीण,जेठवार मुखिया मुन्ना कुमार रिंकी देवी ,दुर्गा देवी ,रेखा देवी ,सुशीला देवी, सुनीता देवी ,रेणु देवी प्रिति देवी ,भिखारी राम जसवंत पासवान राधेश्याम बारी ,अजय गिरी ,लवकुश समेत कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ●

50 हजार का इनामी उमाशंकर मिश्रा गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

चर्चित भाजपा नेता विशेश्वर ओझा हत्याकांड के गवाह कमल किशोर मिश्रा की हत्य्या मामले में वांटेड 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश पकड़ा गया। भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि शाहपुर थाना के करनामेपुर ओपी थाना कांड सं0 302/18 के प्राथमिकी 50 हजार का इनामी फरार अभियुक्त उमाशंकर मिश्रा को रमना मैदान के समीप से गिरफ्तार कर लिया गया है। उमाशंकर मिश्रा शाहपुर थाना के करनामेपुर ओपी के सोनवर्षा गांव का निवासी है।

सितंबर, 2022 में उमाशंकर अपने पिता के श्राद्ध कर्म को लेकर जेल से एक महीने के लिए पैरोल पर घर गया था, जिसके बाद पैरोल अवधि खत्म होने पर भी वह जेल में नहीं लौटा। इसके बाद माननीय उच्च न्यायालय ने भोजपुर पुलिस को गिरफ्तारी के लिए आदेश दिया था। इसी क्रम में कई बार भोजपुर पुलिस के द्वारा लागातार छापामारी करने के बाद इसकी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। जिसके बाद पुलिस

मुख्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों के द्वारा लगातार दिशा निर्देश दिए जा रहे थे। गिरफ्तारी हेतु एसटीएफ तथा भोजपुर की लगभग 5 विशेष टीम का गठन किया गया था। ताकि अभियुक्त की जल्द से जल्द गिरफ्तारी हो सके। अभियुक्त कई राज्यों में भाग रहा था, इसी क्रम में छापेमारी कि जा रही थी। अभियुक्त शनिवार कि सुबह चोरी-छिपे अपने वकील से मिलने आरा कोर्ट जा रहा था। इसी दौरान भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा गठित विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रमना मैदान के पास से गिरफ्तारी सुनिश्चित कर लिया गया। बता दे की दो दिन पहले ही पुलिस मुख्यालय पटना के द्वारा फरार अभियुक्त उमाशंकर मिश्रा के खिलाफ 50 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। फरार उमाशंकर मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद भोजपुर पुलिस को बड़ी उपलब्धी हासिल हुई है। क्योकि यह एक कुख्यात अपराधी है जिसके खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट, रंगदारी और मारपीट के कई काण्ड दर्ज है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा इनामी अभियुक्त उमाशंकर मिश्रा को गिरफ्तार करने वाली टीम को 10 हजार रूपये नगद देकर पुरस्कृत भी किया गया है। ●

भोजपुर पुलिस ने चोरी की 35 लाख रकम को किया बरामद

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेस वार्ता कर गुजरात के सूरत सिटी स्थित कपड़ा दुकान से हुए करीब 36 लाख रुपये चोरी का खुलासा किया है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि पुलिस ने धनगाई थाना क्षेत्र के दलीपपुर गांव में छापेमारी कर ड्राम में रखे 27 लाख 50 हजार रूपये के साथ एक मुख्य अभियुक्त दलिपपुर निवासी बिट्टू कुमार को गिरफ्तार किया है। भोजपुर पुलिस की टीम ने चोरी की गई टोटल 36 लाख रुपये में 35 लाख 44 हजार रुपया बरामद कर लिया है। पुलिस को रुपए चोरी के मामले में मुख्य आरोपी दलीपपुर निवासी बिट्टू कुमार को तलाश थी। इसी दौरान गुरुवार को सूचना पाकर पुलिस आरोपी के घर पर छापामारी की और बिट्टू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पहले भी मुख्य आरोपी बिट्टू के पिता सत्येन्द्र नारायण चौधरी के साथ उनके गांव के ही रहने वाले मृत्युंजय कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। जिनके पास से पुलिस ने पहले ही चोरी के 7 लाख 94000 रुपया बरामद किया था।

बता दें कि गुजरात पुलिस 20 जून को मंगलवार की शाम भोजपुर पुलिस कप्तान प्रमोद कुमार से संपर्क किया गया था। उक्त सूचना के आधार पर अधौहस्ताक्षरी ने चोरी की गई रुपया एवं मोबाइल की बरामदगी तथा उक्त घटना में

शामिल अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जगदीशपुर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष घनगाई, डीआईयू एवं थाना के सशक्त बलों के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया था। गठित टीम के द्वारा दलीपपुर गांव निवासी बिट्टू कुमार के घर पर छापेमारी पैसा के साथ 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वही भोजपुर में पहुंचे गुजरात पुलिस की टीम से जानकारी लिया गया तो उन्होंने बताया की 15 जून को सूरत सिटी स्थित एक व्यवसायी है जिनका नाम पंकज भंडारी है। उनके कपड़ा दुकान से भोजपुर निवासी चोरों के द्वारा रात में 36 लाख रुपये नकद और मोबाइल चोरी कर गया था। दुकान में चोरी की घटना होने के बाद व्यवसायी के द्वारा 16 जून को सलावतपुरा थाना में प्राथमिकी कराई गई थी। जिसके बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज समेत मोबाइल के सीडीआर खंगालने में जुट गई थी। गुजरात से आई पुलिस ने भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार को धन्यवाद भी दिया है और उन्होंने बताया कि इनकी कामयाबी के कारण ही इतनी बड़ी चोरी की गई रुपया कम समय में बरामद कर लिया गया है।●

बच्चा जनने के बाद महिला की मौत

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा सदर अस्पताल में बच्चा जनने के बाद प्रसुता की मौत हो गयी। ऑपरेशन के जरिए महिला का प्रसव कराया गया था। इधर,मौत के दो दिन बाद महिला के परिजन अस्पताल पहुंचे और जमकर हंगामा मचाया। परिजन डाक्टर पर इलाज में लापरवाही करने और हेपेटाइटिस बी होने की जानकारी के बाद ऑपरेशन करने का आरोप लगा रहे थे। इससे अस्पताल में देर तक अफरातफरी मची रही। बाद में अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मियों और मौजूद लोगों के समझाने पर मामला शांत हो सका। मृत महिला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खुशहालपुर गांव निवासी प्रदुमन कुमार की 24 वर्षीया पत्नी प्रियंका कुमारी है। प्रदुमन कुमार ने बताया कि 8 फरवरी को वह अपनी पत्नी को प्रसव कराने आरा सदर अस्पताल के प्रसूति वार्ड लेकर आए थे। वहां महिला चिकित्सक द्वारा जांच कर ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। उसके बाद ऑपरेशन किया गया और उसे बेटा पैदा हुआ। इसके बाद डॉक्टर द्वारा बताया गया कि उनकी पत्नी को हैपेटाइटिस बी है और तबीयत काफी खराब हो रही है। उसके बाद महिला चिकित्सक द्वारा उसे पटना रेफर कर दिया गया। पटना ले जाने के दौरान ही उसकी पत्नी की मौत हो गयी। वहीं उसके नवजात बेटे का इलाज पटना के निजी अस्पताल में चल रहा है। दाह-संस्कार के बाद वह महिला डाक्टर से यह जानने आया था कि हेपेटाइटिस बी के बारे में जानकारी होने और उसके परिजनों को बिना बताए ऑपरेशन क्यों किया गया। हालांकि इस

संबंध में अस्पताल प्रशासन का बयान नहीं मिल सका है।●

सड़क दुर्घटना में पकड़ी गये वाहन को पुलिस ने छोड़ा

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखण्ड इमादपुर थाना क्षेत्र के बरसी पंचायत के सहियारा में अहले सुबह सड़क हादसे में हुए घायल सहियारा निवासी वृद्ध शंकर साव का इलाज के लिए ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई। यह मामला सुबह करीब 5:30 सुबह की बताई जा रही है, मृत्क पुत्र विजय साव के अनुसार नित्यदिन की भांती सुबह टहलने के बाद लोग चाय के दुकान के पास चौबूतरे पर बैठे थे की बिहटा की ओर से तेज गति से आ रही बिना चलान की ओवर लोडेड ट्रक दुकान में जा घुसी, वहाँ बैठे मेरे पिता ट्रक के निचे जा गिरे जिन्हे काफी चोटे आई ,जिन्हे आनन फानन में बेहतर ईलाज के लिए आरा ले जाया गया जहाँ उनकी मौत हो गई। हद तो तब हो गई ग्रामीणों द्वारा पकडे गए ट्रक व चालक को इमादपुर थाना की पुलिस ने पैसा लेकर वहां से भगा दिया गया। जिसको लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक चालक को गिरफ्तार करने और मृतक के परिवार को सरकारी लाभ देने की मांग को लेकर SH 102 पर सहियारा बजार सड़क जाम कर दिया। पीरो-बिहटा मुख्य सड़क को सहियारा के समीप बीच सड़क पर मृतक का शव रखकर व बांस बल्ला से सड़क को अवरूद्ध कर दिया। लगभग 06 घंटे तक अवरूद्ध होने से सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। जिससे लोगों को चिलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी में परेशानियों से जूझना पड़ा। ग्रामीणों द्वारा ट्रक को थाना द्वारा छोड़े जाने को लेकर उपजे आक्रोश से ग्रामीणों ने थाना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मौके पर डीएम और एसपी को बुलाने की मांग की जाने लगी। इस दौरान पूर्व जिला पार्षद उपेन्द्र कुमार व इमादपुर सिकरहटा के एएसआई के द्वारा समझाने बुझाने का काफी प्रयास किया गया लेकिन ग्रामीण मानने को तैयार नही थे, ग्रामीणों का कहना था की थाना ट्रक व चालक को हाजीर करे। काफी मान मनौवल के बाद 4:40 में उपेन्द्र सिह पूर्व जिला पार्षद के पहल पर मृत्क के आश्रितो को ट्रक स्वामी से एक लाख रूपये दिलाकर जाम हटाया गया। मौके पर जीला पार्षद ने कहा कि मृतक के परिवार को चार लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान राशि दिलाने के लिए यथासंभव प्रयास किया जाएगा। वही इमादपुर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश ने आज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर शव का अन्त्यपिरिक्षण हेतु शव को आरा भेजा गया। हालांकि इस घटना को लेकर इमादपुर थाने के पुलिस के प्रति काफी आक्रोश देखा गया।●

सुरक्षित बक्सर परन्तु भ्रष्टाचार मुक्त नहीं

● बिन्ध्याचल सिंह

'समय की पाबंदी सफलता का रहस्य' लोकोयुक्ति तब जिला में सेवा दे रहे कर्मचारी को समझ में आया, जब 10 अप्रैल 2023 को नये जिलाधिकारी के रूप में श्री अंशु अग्रवाल ने पदभार ग्रहन किया। इस बात की चर्चाएं लगभग सभी प्रखण्डों में सुनने को मिल ही जाता है, परन्तु जिला में भ्रष्टाचार और भी बढ़ता जा रहा है। जो अक्सर आये दिन सुनने को मिलता रहता है। वर्तमान में भ्रष्टाचार की बात की जाये तो राजस्व विभाग प्रखण्ड चौसा और ब्रह्मपुर आगे हैं, जो दाखिल-खारीज से संबंध रखता है। पूर्व में जानकारी दी जा चुकी है कि सात निश्चय योजना अंतर्गत कनीय अभियंताओं के द्वारा उच्च पदाधिकारियों का हवाला देकर पांच से दस प्रतिशत कमीशन लिया जाता है। वही मनरेगा में 36 प्रतिशत कमीशन ली जा रही है। उपयुक्त जानकारी जिला के सभी प्रखण्डों व आम जनता से प्राप्त हुई है। और तो और नवानगर प्रखण्ड में मनरेगा में बिना कार्य किये राशि की निकासी की गई है, जो जांच का विषय है। इतना ही नहीं जिला भू-अर्जन कार्यालय, बक्सर में कार्यालय पत्रांक-212, दिनांक-17/02/2021 और पत्रांक-1598, दिनांक-6/10/2021 का अवलोकन किया जाये तो आप समझ सकते हैं कि जिला में सेवा दे रहे, जिला पदाधिकारी की मिलीभगत है या उनमें कर्तव्यनिष्ठता की कमी है या जिला भू-अर्जन विभाग के कर्मचारी व पदाधिकारी दबंग हैं।

स्वच्छता की बात की जाये तो भोजपुरी कहावत है, ''टूकी खात जान जाये, सोजहग ले ल बबुआ'' वाली कहावत चरितार्थ होते नजर आयेगी। जिला प्रशासन बक्सर नगर की सफाई में लगभग 80 से 90 लाख रूपये प्रत्येक माह में खर्च करते आ रहे हैं। परन्तु शहर की गंदगी जस की तस बनी हुई है, जिसकी हकीकत शहर में घूम-घूमकर देखा जा सकता है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि 12 मई 2023 को दिन के 1 बजकर 55 मिनट पर लेखा पदाधिकारी, योजना भवन जो समाहरणालय परिसर की भू-तल पर स्थित कार्यालय में 1 लाख 80 हजार रूपया केवल सच प्रतिनिधि को देखने को मिला। जो एकाउंटेंट के टेबल पर उजला पॉलीथिन में रखा हुआ था। जिसमें तीन 500 नोटों के बंडल और तीन 100 नोटों के बंडल थे। हालांकि इसकी जानकारी के लिए कार्यपालक अभियंता योजना भवन से केवल सच प्रतिनिधि से जानने की कोशिश की एकाउंटेंट के टेबल पर रखा नोटो का बंडल किस कार्य के हैं। परन्तु चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के अनुसार कार्यपालक अभियंता बहुत व्यस्त थे। हालांकि जब भी प्रतिनिधि मिलने के लिए जाते हैं तो चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी व कार्यालय कर्मियों के कथानुसार महाशय व्यस्त ही रहते आ रहे हैं और महोदय का स्थानांतरण भी हो जायेगा।

संक्षेप में वर्तमान समय में जिला प्रशासन बक्सर में भ्रष्टाचार की बात की जाये तो प्रथम आईसीडीएस, बक्सर है तो दूसरे स्थान पर हल्का राजस्व कर्मचारी/कनीय अभियंता पंचायती राज विभाग, बक्सर है। जबकि सबसे नीचले पायदान में जिला में स्थित थाना है। जहां पासपोर्ट जांच के नाम पर 200 रूपये लिया जाता है। पासपोर्ट संबंधी जानकारी नवानगर प्रखण्ड के अंतर्गत 2 जुलाई 2023 को हुई।

उपरोक्त दी गई जानकारी जांच का विषय है।●

समाज तोड़ने वाले सावधान रहे : एसएसपी किशोर कौशल

● ओम प्रकाश

झारखंड प्रदेश जमीअतुल कुरेश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी के नेतृत्व में लोअर बाजार थाना क्षेत्र के वार्ड 11 अंतर्गत कांटा टोली क्षेत्र के जमीअतुल कुरेश पंचायत का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष गुलाम गौस कुरैशी पप्पू, महासचिव परवेज कुरैशी को चुना गया,इसके बाद 8जुलाई 2023 को भव्य सम्मान समारोह का आयोजन कुरैशी मुहल्ला स्थित अल कुरैश मिशन स्कूल में किया गया । इस कार्यक्रम में की अध्यक्षता झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने किया और मंच संचालन झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नौशाद आलम, यातायात पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमॉ, निर्वतमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय, झारखंड पुलिस एसोसिएशन के संयुक्त सचिव मो महताब आलम,अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मुख्तार, पूर्व उपाध्यक्ष डा मंजर इमाम, सीपीआई के अजय सिंह, शांति समिति के जितेंद्र गुप्ता, इदरीशया चौरासी पंचायत सदर मोहम्मद इस्लाम , मोमिन अंसारी, चौरासी पंचायत के कार्यकारी सदर जबीउल्लाह, अंसारी पंचायत से मोहम्मद मुख्तार अंसारी , महापंचायत के मोहम्मद सलीम, मोहम्मद लतीफ मकसूद आलम, हेमंत कच्छप, चिख पंचायत से अकबर जफर , रिसालदार बाबा दरगाह ट्रस्ट मजार शरीफ के निवर्तमान महासचिव मोहम्मद फारुख, मौलाना आजाद कोलोनी से औरेंगजेब खां,सहजाद, वरिष्ठ पत्रकार फिरोज जिलानी, समाजसेवी लाडले खान,टिंकू राम, रोबिन दास,बच्चा बाबू, हाजी मिन्हाज एंव युनूस कुरैशी, हाजी अजीम कुरैशी, गुलाम रसूल कुरैशी,मतला कुरैशी, इकबाल कुरैशी,शामिउल्लाह कुरैशी, याकुब कुरैशी ,जाबीर कुरैशी, मुन्ना कुरैशी, हफीजुल कुरैशी,इल्ताफ कुरैशी, आवेश कुरैशी मुन्ना, अनीस कुरैशी, बबलू कुरैशी, बारीक कुरैशी, अजमल कुरैशी, बबन कुरैशी, मुस्तफा कुरैशी, अरशद कुरैशी,आजाद कुरैशी,तौफिक कुरैशी, बुधन कुरैशी, अजहरुद्दीन कुरैशी,राजू कुरैशी,अकबर कुरैशी, गुड्डू कुरैशी,सर्वर कुरैशी, तजमुल कुरैशी,अफजल कुरैशी, हसीब,मो फारुख,डब्लू कुरैशी, तौफिक कुरैशी, नौशाद कुरैशी,तय्यब कुरैशी,जलाल कुरैशी,आसिफ कुरैशी,आशिक कुरैशी,कमरान कुरैशी, सोनू कुरैशी, दानिश कुरैशी, अब कुरैशी सहित कांटा टोली , पुरुलिया रोड, सुल्तान कॉलोनी लेन, हरिजन बस्ती, इदरीश कॉलोनी ,मौलाना आजाद कॉलोनी, इलाही बख्श कॉलोनी, डोरंडा हिंदपीढ़ी आदि क्षेत्रों के सामाजिक संगठनों के सरपरस्त सहित समाजसेवी उपस्थित हुए।

☞ **एसएसपी ने कहा :-** एसएसपी किशोर कौशल ने कहा, यह बहुत खुशी की बात है 17 ,18 सालो बाद झारखंड प्रदेश जमीअतुल कुरेश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने एक पहल करते हुए कांटा टोली कुरेशी पंचायत का गठन कराया है । इस नई कमेटी के जो पदाधिकारी चुनकर आए हैं जो अध्यक्ष और महासचिव हैं इनकी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है , समाज के प्रति भी और अपने

क्षेत्र के लोगों के भी प्रति भी। क्योंकि परवेज पहले से भी काम करते रहे हैं , तो उम्मीद करते हैं इस कारवां को ये बहुत अच्छे से आगे तक ले जाएंगे । एसएसपी ने आगे कहा कि जैसा कि बताया गया कि यह कुरेशी पंचायत का इतिहास बहुत पुराना है, अगर खुदाई किया जाए तो 200 साल से भी पुराना मिलेगा, इसके आसपास रविदास मुहल्ला, इदरीश कॉलोनी , मौलाना आजाद कॉलोनी रमजान , रजा कालोनी, बंगाली कॉलोनी,गौसनगर, बहुत बाद में आकर बसा है। आगे कहा कि जिस तरह से मुजीब कुरैशी ने नशाखोरी रोकने की मुहिम की सफल शुरुआत किए जिसका अनुश्रण कई संगठन कर रहे हैं यह एक अच्छी पहल है। आगे कहा कि हाल के दिनों में चाहे वह ईद मिलादुन्नबी हो, ईद, बकरीद, श्री रामनवमी, श्री दुर्गा पूजा, होली सभी पर्व पर आप लोगों के सहयोग से शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है, अभी सावन का पवित्र महीना शुरू हुआ है, इसी के साथ मोहर्रम भी शुरू होगा, तो कांटा टोली के क्षेत्र के लोगों से उम्मीद है, कि जैसे आप बरसो गंगा जमुनी तहजीब बनाए हुए हैं, आगे भी बनाकर रखेंगे ,इस बीच कुछ लोग नशाखोरी करते हैं ,समाज तोड़ने वाले भी एक दो लोग होते हैं , ऐसे लोगों को पुलिस प्रशासन चिन्हित कर रहा है, कुछ लोग चिन्हित भी हुए हैं , जो अलग-अलग ग्रुप बनाकर लोगों को दिग्भ्रमित करने की कोशिश करते हैं, ऐसे लोग भी चिन्हित किए जा रहे हैं, इन लोगों पर भी कार्रवाई होगी। ऐसे असामाजिक तत्वों गिने चुने होते हैं,जो सोशल साइट्स, फेसबुक, व्हाट्सएप के माध्यम से अफवाह फैलाने की कोशिश करते हैं, ऐसे लोग यह गलतफहमी पालना छोड़ दे, क्योंकि पुलिस हर एक व्यक्ति पर नजर रखती है।

☞ **ग्रामीण एसपी ने कहा :-** ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने कहा कि खुशी की बात है कि जमीअतुल कुरेश पंचायत का गठन हुआ इसके अंदर जो मस्जिद , मदरसा , स्कूल , पंचायत की जो जमीन है इन सब को सुरक्षित करना और विकसित करने के साथ-साथ जो समाज के लोग

इधर-उधर भटक रहे हैं, युवा बेरोजगारी के कारण गलत रास्ते में न चले जाए, नशाखोरी की ओर न चल पड़े इन सब को रोकना होगा। शिक्षा को बढ़ावा देना होगा सभी को साथ लेकर चलना होगा।

☞ **यातायात एसपी ने कहा :-** कुरेशी पंचायत में एकजुटता रहे, पंचायत अपने रोजगार और शिक्षा को लेकर काम करें , शिक्षा को बढ़ावा दें, खासकर बेटियों को शिक्षा में किसी तरह का रुकावट पैदा ना करें, सामूहिक रूप से किसी भी काम को करें , हर समाज में एक दो लोग होते हैं जो समाज को दिग्भ्रमित करने की कोशिश करते हैं, ऐसे लोगों को कभी सफल होने नहीं दे।

☞ **उपमहापौर संजीव ने कहा :-** निवर्तमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि आज इस मोहल्ले में आया हूं तो आज सड़क और नाली देख रहा हूं , विकास की शुरुआत है, मुझे याद है पहले सड़क ,नाली जर्जर था, और परवेज सड़क और नाली बनवाने के लिए पेपर पे छपे कटिंग और आवेदन लेकर मेरे पास आते थे, आज मुझे खुशी है कि यहां सड़क,नाली,साफ सफाई नजर आ रहा है,जो जिम्मेदारी परवेज को मिली है उस पर खरा उतरेंगे, और अध्यक्ष हैं ये भी जुझारू हैं काम करेंगे और समाज का विकास करेंगे।

☞ **नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा :-** नवनिर्वाचित अध्यक्ष गुलाम गौस कुरैशी पप्पू ने कहा कि कुरैशी पंचायत कि जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी तरह से निभाऊंगा पहले भी काम किया हूं आगे भी काम करूंगा।

☞ **नवनिर्वाचित महासचिव ने कहा :-** नवनिर्वाचित महासचिव परवेज कुरैशी ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे मिली है जमीअतुल कुरेश पंचायत की, इसके अधीन जो भी है बंद पड़ा मदरसा, जर्जर स्कूल, जामा मस्जिद ,स्लाटर हाउस एवं पंचायत की जमीन इत्यादि सबका सुरक्षित रखना,उसे विकसित कराना और न सिर्फ कुरैशी पंचायत ,बल्कि आसपास की जो बस्ती है वहां के रहने वाले जो लोग हैं, उनकी जो जरूरतें हैं, उनकी जो समस्याएं हैं उनके लिए मैं आगे रहूंगा, जो समाज में फूट डालने की कोशिश करेंगे , लोगों को दिग्भ्रमित करेंगे, अलग अलग गुट बनाएंगे वैसे लोगों के लिए पत्रकारिता धर्म निभाउंगा, प्रशासन मिलता है और जरुरत पड़ी तो आगे भी लूंगा।

☞ **मुजीब कुरैशी ने कहा :-** झारखंड प्रदेश जमीअतुल कुरेश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि समाज का गठन हुआ है, जो जिम्मेदारी मिली है समाज का जो काम अधूरा है, जिसके लिए मैं मुख्यमंत्री रहे रघुवर दास, राज्यपाल रही द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक से गुहार लगा चुका हूं, उसे धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी अब हम सब की है । सब लोग मिलकर चलेंगे और विश्वास है कि पूरा समाज ना सिर्फ रांची, बल्कि पूरे झारखंड के कुरैशी समाज सामूहिक रूप से एकता के साथ अपने-अपने पंचायतों में समाजहित में बेहतर काम करेंगे,नशा खोरी को देर करेंगे, गुटबाजी से परहेज करेंगे, शिक्षा को बढ़ावा देंगे,शिक्षित पदाधिकारी चुनेंगे उसके साथ चलेंगे।

☞ **अंजुमन इस्लामिया ने कहा :-** वहीं अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी मुख्तार ने कहा कि यह खुशी की बात है कि आज शहर के सभी सामाजिक संगठनों के गणमान्य लोग कुरैशी पंचायत की चटाई पर उपस्थित हुए हैं । जिस तरह से कुरैशियों के अधिकार के लिए मुजीब कुरैशी काम कर रहे हैं यह अपने आप में काबिल ए तारीफ है। चाहे रोजगार दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर बात करने की बात हो या फिर नशा खोरी के खिलाफ अभियान की शुरुआत करने की बात हो, मुजीब कुरैशी के इस साकारात्मक कार्यों को देखते हुए न सिर्फ मुस्लिम बल्कि हर समुदाय,सभी जातियों के प्रिय व्यक्ति हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी को पगड़ी बांध कर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।●

लूटपाट में शामिल आधा दर्जन अपराधी गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

रांची की तुपुदाना पुलिस ने लूटपाट में शामिल आधा दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से देशी कार्बाइन, पिस्टल सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में महादेव मुण्डा, कुवैर उरॉव, नरेश उराँव उर्फ पलटा, तेतरु उरॉव, सुनील खलखो ओर बिरसा उरॉव उर्फ बिरसा तिर्की का नाम शामिल है। सभी आरोपी रांची के विभिन्न थाना क्षेत्र के रहने वाले है। इनकी गिरफ्तारी लापुंग, मांडर और धुर्वा थाना इलाके से हुई है। इन अपराधियों ने 3 जून की रात 8.30 बजे तुपुदाना ओपी क्षेत्र में डकैती की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार 3 जून को जुरा मुण्डा और रवि तिर्की अपने दोस्तो के साथ हुडींगदाग में रात को जुआ खेल रहा था। इसी दौरान अपराधी मोटर साईकिल से आये और बन्दूक का भय दिखाकर रवि तिर्की एवं जुड़ा मुण्डा का पल्सर मोटर साईकिल के साथ पाँच मोबाईल, करीब 5-6 हजार रूपया लूट लिये। पुलिस को सूचना मिली थी कि लापुंग एवं मांडर थाना क्षेत्र के अपराधियों द्वारा उक्त घटना को अंजाम गया गया है। इस कांड का उदभेदन करने के लिए रांची के सिटी एसपी शुभांशु जैन के द्वारा हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई थी। टीम में तुपुदाना ओपी प्रभारी मीरा सिंह, मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, लापुंग थाना प्रभारी सुकुमार हेंब्रोम एवं एसएसपी की क्यूआरटी शामिल को किया गया था। टीम को जानकारी मिली थी कि लापुंग और मांडर में रहने वाले अपराधियों ने ही डकैती की घटना को अंजाम दिया था। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने छापामारी कर घटना में संलिप्त आधा दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। कड़ी पूछताछ एवं अपराधियो की निशानदेही पर दो बाइक (JHOLEB 0363, JH01DK-7526) एक देशी कार्रवाईन, एक देशी पिस्टल ओर 9 एमएम का 2 जिन्दा गोली बरामद किया गया।●

बसों में आग लगाने के आरोप में नाबालिग गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के बिरसा मुंडा खादगढ़ा बस स्टैंड में गुरुवार 29 जून 2023 दिन गुरुवार को खड़ी आठ बसों में अचानक से आग लग गई। आग इतनी तेज थी की देखते ही देखते सभी बसे जलकर खाक हो गई। इधर घटना की सूचना मिलने पर करीब 10 मिनट के बाद खादगढ़ा बस स्टैंड टीओपी प्रभारी आकाश भारद्वाज पहुंचे और इसके कुछ देर बाद सिटी डीएसपी दीपक कुमार एवं लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार पहुंचे। आग की सूचना पर दमकल की 9 गाड़ियां पहुंची और सभी बसों में लगी आग पर काबू पाया। जिसमे आठ बसें धूं-धूंकर कर जल गयीं और एक बस क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया पर सफल ना हो सके। आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गयी। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। कुछ लोग डर कर इधर-उधर भाग रहे थे, तो कुछ लोग मिलकर आग बुझाने का प्रयास में लग गए थे। स्टैंड में खड़ी बस के चालकों ने भी अपनी अपनी बसों को बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। पहले करीब एक बजे तीन बसों में आग लगी। थोड़ी देर बाद फिर एक बस में आग लगी और एक बस क्षतिग्रस्त हो गया।

☞ **आग तीन अलग अलग समय पर लगी** :- खादगढ़ा बस स्टैंड में 29 जून गुरुवार की दोपहर 12:50 बजे के करीब पार्किंग में खड़ी एक बस में आग लग गई। धुंआ व आग की लपटे देख दूसरे बसों के ड्राइवर खलासी उस ओर दौड़ें। आग लगी बस को देख कर वो लोग कुछ सोच पाते, और आग बुझाने का प्रयास करते, इसे पहले ही आग दूसरी बस में भी लग गई। देखते ही देखते एक के बाद एक पांच बसों में आग लग गई। इसमें से चार बसें पूरी तरह जल कर खाक हो गई। जबकि एक बस आंशिक रूप से ही जली, उसमें लगी आग को समय रहते फायर ब्रिगेड की मदद से काबू पा लिया गया। फिर इससे पहले लोग राहत की सांस लेते इसी दौरान अचानक खादगढ़ा बस स्टैंड के समेट्री से सटे पानी टंकी के करीब खड़ी बसों से धुआं की लपटे बड़ी तेजी के साथ उठने लगी, और देखते ही देखते लोग कुछ समझ पाते और पानी लेकर वहां पहुंच पाते, तब तक वहां चार खड़ी बसों में जिसमें एक राधेश्याम, शिवम, एलडी मोटर और एक पीले रंग की अन्य बस आग की चपेट में आ गई।

☞ **तीन अलग अलग जगहों पर खड़ी बस में लगी आग** :- बता दें कि आग अलग अलग समय और अलग अलग जगहों पर खड़ी बसों में लगी थी। पहले दिन के 12.50 बजे तीन बसों में आग लगी। उसके बाद कुछ ही देर बाद 200 मीटर की दूसरी जगह पर चौथी बस में आग लग गई। जब चारों बस में लगी आग को दमकल कर्मी बुझाकर चले गए तो करीब 3.20 बजे फिर करीब 100 मीटर की दूसरी पर तीसरी जगह एक बस में आग लगी। उसके बाद बगल में खड़े और तीन बसों में आग पकड़ लिया। जिसके बाद चारों बस जलकर राख हो गए।

☞ **पुलिस ने साजिश की आशंका जताई** :- पुलिस ने आशंका जताई कि गाड़ियों में आग शार्ट सर्किट से नहीं बल्कि किसी ने साजिश के तहत लगाई है। फिर पुलिस ने बस स्टैंड में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। खादगढ़ा बस स्टैंड में खड़ी जिन बसों में आग लगी वह निशांत ट्रेवल्स, मां भवानी ट्रेवल्स, राधेश्याम और एलडी मोटर्स की बसें हैं। हालांकि अधिकांश बसों का इश्योरेंस है। इसलिए बस मालिकों को इसका हर्जाना मिल जाएगा। इधर पुलिस मामले की जांच में जुट गई कि आग कैसे लगी। अगर लगाई तो किसने लगाई। बता दें दूसरी बार जब चार बसों में आग लगी तो सूचना मिलने के बाद करीब 30 मिनट बाद दमकलगाड़ी पहुँची। तब तक एक के बाद एक चार बसों में आग ने अपनी पकड़ बना ली। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

☞ **एक नाबालिग गिरफ्तार** :- बसों में आग लगने के एक दिन बाद पुलिस को सफलता मिली। पुलिस ने एक युवक को सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से संदिग्ध मानते हुए हिरासत में लिया और पूछताछ की । बताया गया कि जिस युवक ने बसों में आग लगाई थी वह नाबालिग है और वह नामकुम थाना क्षेत्र के लोवाडीह का रहने वाला है। नाबालिक ने पूरे मामले मैं अपनी संलिप्ता को स्वीकार करते हुए पुलिस को जानकारी दी कि उसने ही स्प्रे का इस्तेमाल करते हुए बसों को आग लगाया था। पुलिस ने नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया है। बताया गया कि नाबालिग किसी बात को लेकर अपने घर से भाग कर वहीं खादगढ़ा बस स्टैंड में रहने लगा था। नाबालिक ने आग क्यों लगाई इसकी जांच हो रही है। पुलिस अब इस बात का पता लगाने में जुटी है, कि इस साजिश के पीछे है कौन? मामले में FSL की टीम ने भी बसों से नमूनों को जप्त किया और जांच के लिए भेजा दिया।●

अवैध संबंध में हत्या

पहले तीन टुकड़े में काटा फिर साइकिल से अलग जगहों पर फेंका

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के मांडर थाना क्षेत्र के हातमा जंगल से एक व्यक्ति की सिर कटी लाश मिलने की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। वहीं मृतक की पहचान सोहन भगत के रूप में हुई है। अवैध सम्बंध में सोहन को आरोपी ने तीन टुकड़े कर फेंक दिया था। पुलिस ने एक महिला और एक और पुरुष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी, लाठी, साइकिल और खून लगा मिट्टी पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अल्बर्ट एक्का और चरिया उरांव उर्फ चरिया तिग्गा का नाम शामिल हैं। दोनों आरोपी मांडर थाना क्षेत्र के रहनेवाले हैं। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण अवैध संबंध है। मृतक सोहन चरिया तिग्गा से बार बार अवैध संबंध बनाना चाहता था, इसी वजह से घटना को अंजाम दिया गया। घटना के सम्बंध में ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने प्रेसवार्ता में बताया बीते मंगलवार 25 तारिक को सूचना मिली कि हातमा जंगल में एक व्यक्ति का सिर कटा शव पड़ा हुआ है। इसी सूचना पर वरीय पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नौशाद आलम रांची के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खलारी अनिमेष नैथानी के नेतृत्व में मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव दलबल के साथ हातमा जंगल पहुंचे तो पाया कि जंगल में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है, जिसका सिर एवं कमर के नीचे का भाग नहीं है। पुलिस द्वारा शव की पहचान कराने की प्रयास किया जा रहा था। उसी क्रम में 29 तारिक दिन मंगलवार को पता चला कि मलती गांव के कुंआ में एक व्यक्ति का सिर तैर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुँचीं और कुंआ से सिर को निकाला। तब शव की पहचान मांडर थाना क्षेत्र के गड़ेरिया निवासी सोहन भगत (उम्र 45 वर्ष), के रूप में हुई।

जाँच के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम गलती से अल्बर्ट एक्का एवं चरिया उराँव उर्फ चरिया तिग्गा को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई तो इनके द्वारा हत्या करने की बात को स्वीकार स्वीकार किया गया। आगे पूछताछ के क्रम में अल्बर्ट एक्का द्वारा बताया गया कि ग्राम ब्राम्बे की रहने वाली चरिया उराँव उर्फ चरिया तिग्गा का पति जबरा तिग्गा करीब 05 वर्ष पूर्व कहीं गुम हो गया था। उसके बाद से चरिया उराँव उर्फ चरिया तिग्गा इनके साथ पति-पत्नी के रूप में रहने लगी। चरिया उरौंद उर्फ चरिया तिग्गा के द्वारा इन्हें पूर्व में बताया गया था कि जब ये घर से कहीं बाहर रहते हैं तो सोहन भगत इनके घर आकर चरिया उराँव उर्फ चरिया तिग्गा के साथ गलत काम करता था। दिनांक-25.06.23 शुक्रवार को भी सोहन भगत गलत नियत से अल्बर्ट एक्का के घर आया था जिसके बाद अल्बर्ट एक्का ने चरिया उराँव उर्फ चरिया तिग्गा के साथ मिलकर डंडा एवं टांगी से मारकर सोहन भगत की हत्या कर दी और शव को छुपाने की नियत से टांगी से शव को तीन टुकड़े में करके, तीन अलग-अलग स्थानों पर साईकिल से ले जाकर फेंक दिया। गिरफ्तार अल्बर्ट एक्का एवं चरिया उराँव उर्फ चरिया तिग्गा की निशानदेही के आधार पर पतराकोना बाजारटाड़ मांडर से पुलिस ने मृत सोहन भगत के कमर के नीचे का भाग बोरे में भरा हुआ बरामद किया । शव की पहचान मृतक के परिजन द्वारा बरामद कपड़े के आधार पर की गयी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।●

डायन बिसाही को लेकर हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

इटकी थाने इलाके पांच जून को डायन बिसाही के आरोप में महिला की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए रांची पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड को सुलझाने का जिम्मा बेड़ो उपाधीक्षक को दिया गया था। बेडी उपाधीक्षक के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थानीय लोगों के माध्यम से खोज बीन किया जा रहा था कि इसी क्रम में गाँव मल्टी (दुधी दाढी) के पास एक सुखा कुँआ में बोरे में बंद एक शव मिला, जिसे कुंजा से निकालने के बाद उसकी पहचान उक्त काठ की आवेदिका पुष्पा के द्वारा अपनी माँ (मृतिका बासो उराईन) के रूप में पहचान किया गया। अनुसंधान के क्रम में गुप्त सूत्रों से पता चला कि मृतिका की हत्या डाईन बिसाड़ी के आरोप में लाठी-डंडा से पीट-पीट कर किया गया है, जिसमें बिरसा उराँव एवं अन्य के द्वारा मिल कर कि गई जिसके गिरफ्तार कर पूछ-ताछ करने के क्रम में अपना अपराध स्वीकार करते हुए कांड में शामिल अन्य साथी दिनेश उराँव एवं मनीष लकड़ा का नाम बताया गया जिसे गठित टीम के द्वारा छापामारी कर गिरफ्तार किया तथा पुछताछ करने पर इनके द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया। **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

डीसी ने टूरिज्म प्लेस का किया निरीक्षण

● ओम प्रकाश

उपायुक्त, राहुल कुमार सिन्हा द्वारा खलारी प्रखंड के मैकलुस्कीगंज में पर्यटन के विकास हेतु टूरिज्म प्लेस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण क्रम में अंचल अधिकारी शिशुपाल आर्य, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विनय कुमार गुप्ता, खलारी इंस्पेक्टर फरीद आलम, मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह, कर्मचारी असित सहदेव, संजय साहू, कनीय अभियंता रवि रंजन, अमीन कृष्णा एवं संबंधित सभी अधिकारी शामिल थे।

निरीक्षण क्रम में उपायुक्त राँची, ने ड्रीम डेस्टिनेशन, डेगा डेगी नदी, नकटा पहाड़ (चान्हो अंचल) और सर्वधर्म स्थल दुल्ली का निरीक्षण किया। जिसपर इन स्थानों के विकास के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने नकटा पहाड़ी को पर्यटन के रूप में विकसित करने हेतु पहुँच पथ बनाने एवं पहाड़ के आस-पास चिल्ड्रेन पार्क, कियोस्क निर्माण, बिजली, पानी की व्यवस्था करने एवं नकटा पहाड़ी में ट्रैकिंग के लिए रास्ता बनाने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया गया। साथ ही इस पर जल्द कार्य करना सुनिश्चित करने को कहा।

उपायुक्त ने मैकलुस्कीगंज में डीएमएफटी योजना से सार्वजनिक शौचालय निर्माण कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया एवं साथ ही वहाँ मौजूद एंग्लो इंडियन ने उपायुक्त राँची से बातचीत के क्रम में मैकलुस्कीगंज में पलामू एक्सप्रेस का स्टॉपेज करने की मांग की जिसपर उपायुक्त द्वारा आश्वासन दिया गया की इस पर संबंधित अधिकारियों से बात की जायेगी। बातचीत के क्रम में एंग्लो इंडियन द्वारा यहाँ अस्पताल के निर्माण, ओल्ड एज होम निर्माण की मांग की गई। जिस पर उपायुक्त द्वारा इस संबंध में विचार कर इसे पूरा करने की दिशा में कार्य करने का आश्वासन दिया गया। वन विभाग का जर्जर बंगला जो जीर्णशीर्ण हालत में हैं, उसे ध्वस्त कर नए से बनाने का निर्देश दिया एवं इस बंगले को इको टूरिज्म में विकसित कर यहाँ कॉटेज निर्माण कराने का निर्देश दिया एवं डेगा डेगी नदी के किनारे पर्यटकों को बैठने हेतु शेड निर्माण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। मैकलुस्कीगंज में पर्यटन के विकाश हेतु टूरिज्म प्लेस का विकास करना हमारी मुख्य प्राथमिकता हैं। यहाँ पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। यहाँ पर्यटन के विकास के लिए सभी जरूरी जरूरतों को जल्द पूरा किया जायेगा।●

वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

ओरमांझी पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों युवकों में एक जमशेदपुर बागबेरा का रहने वाला मुकेश कुमार है जो बीटेक का छात्र भी रहा है और कुरखुंडा देवरिया थाना के चार मामलों में वह जेल भी जा चुका है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि पटना जिला के रामजानकी कॉलोनी के रहने वाले वाहन मालिक अशोक कुमार मिश्रा ने थाना में लिखित जानकारी देते हुए बताया कि जस्ट डायल के माध्यम से स्कॉर्पियो बीआर01एचबी2704 को पटना से देवरी मंदिर रांची जाने के लिए बुक कराया गया था। जिसमें चालक दिलीप मंडल हैं। चारों व्यक्तियों को लेकर 4 जून 2023 को पटना से देवरी मंदिर पूजा करने के बाद, फिर वापस ओरमांझी की ओर बढ़े और इसी दौरान चालक को फ्रूटी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया गया, जिसमें चालक बेहोश हो गया। इस पूरे मामले को एसएसपी किशोर कौशल ने ग्रामीण एसपी के निर्देशन में ओरमांझी थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन कराया गया और फिर इस मामले का उद्भेदन हुआ। पता चला कि पटना से गाड़ी कोलकाता पश्चिम बंगाल से झारखंड पहुंचा। जिसके बाद युवकों को गिरफ्तार किया गया । पुलिस जिनको गिरफ्तार किया उनके नाम मुकेश कुमार ,प्रेम कुमार और आशीष कुमार शामिल हैं। मुकेश कुमार का अपराधिक इतिहास रहा है। इस पूरे मामले का उद्भेदन ओरमांझी थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक राजीव कुमार, सूर्य प्रताप सिंह, बुद्धेश्वर उरांव, अनुराग कुमार, अनिल, रघुवंश यादव शामिल है। वहीं बताया गया कि गिरफ्तार युवकों का एक साथी अरुण ट्रेन से रांची पहुंच रहा है, उसकी भी गिरफ्तारी होगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।●

नगर विकास सचिव ने किया प्रीकास्ट सेगमेंट बॉक्स की लांचिंग

● ओम प्रकाश

मुख्यमंत्री के सचिव सह नगर विकास सचिव श्री विनय कुमार चौबे ने कांटाटोली फ्लाईओवर के निर्माण तहत लांचिंग गडर से प्रीकास्ट सेगमेंट बाक्स की लांचिंग कार्य का शुभारभ किया। विधिविधान से पूजा के बाद सेगमेंट चढाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी। राज्य सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना कांटा टोली फ्लाईओवर का विस्तारित लंबाई एवं आधुनिक तकनीक से निर्माण सेग्मेंटल प्रीकास्ट बॉक्स स्ट्रक्चर प्रणाली से निर्माण किया जा रहा है। पिछले वर्ष इस कार्य को आरंभ किया गया था यह योजना 198 करोड़ का है जिसे अहमदाबाद की कंपनी दिनेशचंद्र अग्रवाल इंफ्रकान को दिया गया है। इस कार्य के लिए संवेदक को अप्रैल 2022 मे कार्यादेश दिया गया जुडको के द्वारा एक महीने मे सभी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए निर्माण कार्य को शुरू कर दिया गया। तेजी से काम करते हुए इसके सुपर स्ट्रक्चर का निर्माण लांचिंग मेकैनिज्म से यार्ड में बनाए गए प्री कास्ट सेगमेंटल बॉक्स को कार्यस्थल पर एलजी लांचिंग गडर के जरिए लगाया जाएगा। इस प्री कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स 4 जुलाई 2024 को आरंभ कर दिया गया वर्तमान में कार्य परियोजना के अनुसार जनवरी 2024 तक कुल 42 स्पैन में लगाए जाने वाले 486 प्रीकास्ट सेग्मेंटल बॉक्स कार्यस्थल पर लॉन्च करने का कार्यक्रम किया गया। इस परियोजना की कार्य समाप्ति की तिथि 4 अप्रैल 2024 है कांटा टोली फ्लाईओवर की लंबाई 2040 मीटर है, व एक सेग्मेंटल बॉक्स की चौड़ाई 16 मीटर है। दो खंभों के बीच लगभग 11 प्री कास्ट सेग्मेंटल बॉक्स लगेगा जो रोड की शक्ल लेते जाएंगे। जुडको की तरफ से परियोजना निदेशक तकनीकी श्री गोपाल जी, परियोजना निदेशक प्रशासन श्री अरविंद कुमार मिश्रा, परियोजना निदेशक वित्त श्री अमित चक्रवर्ती, महाप्रबंधक श्री विनय कुमार, परियोजना प्रबंधक श्री शीतांशु वैभव, उप परियोजना प्रबंधक श्री प्रत्युश झा, सहायक परियोजना प्रबंधक श्री बिनय कुमार शील और राहुल रंजन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।●

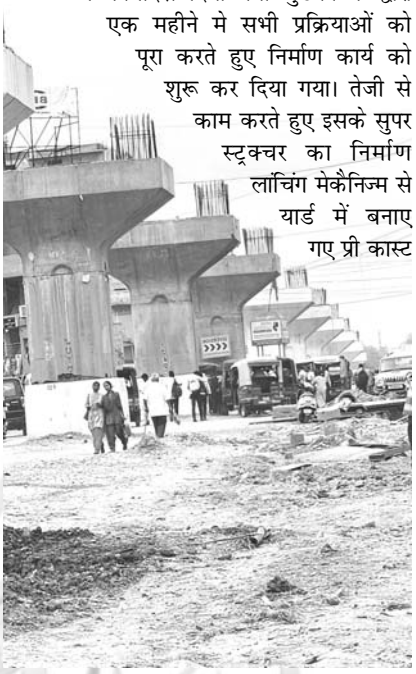

मांडर में हुए लूट के अपराधी हुए गिरफ्तार

रांची पुलिस ने मांडर थाना में हुए लूट का खुलासा कर लिया है। इस लूट में शामिल दो अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में तसलीम अंसारी, पिता समीर अंसारी, सा० रघुनाथपुर थाना बान्हो जिला राँची के द्वारा थाना में दिये अपने लिखित आवेदन में बताया गया कि एनएच-75 स्थित टोल टैक्स में टीसी का काम करते हैं। तीन जुलाई को रात्रि करीब 11:45 बजे टोल टैक्स में काम करने जा रहे थे। उसी क्रम में टेढी पुल के पास चान्हो की ओर से दो मोटरसाईकिल पर सवार चार व्यक्ति आये तथा वादी को चारों तरफ से घेरते हुए वादी का मोबाईल एवं पर्स लूट कर भाग गये, पर्स में वादी का आधार कार्ड एवं पाँच सौ रुपया नगद था। अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक राँची के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राँची के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खलारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर आशीष कुमार राम और किशन महली उर्फ किशन कुमार को सुखदेव नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने अपने स्वीकारोक्ति बयान में इस कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है। गिरफ्तार अपराधकर्मियों के निशानदेही के आधार पर कांड में लूटे गये मोबाईल एवं पर्स तथा घटना में प्रयुक्त केटीएम मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है। **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

डकैती की योजना बनाते चार अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के पिठौरिया थाना इलाके से पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हथियार के साथ गिरफ्तार किए गए चारों अपराधी किसी डकैती की योजना को अंजाम देने के लिए जुटे थे। लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने चारों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस को देखकर मौके पर मौजूद एक अपराधी फरार होने में भी कामयाब हो गए। सीनियर एसपी किशोर कौशल को सूचना मिली थी कि पिठौरिया थाना क्षेत्र के रुद्रप्रयाग के समीप झाड़ी के पास 5-6 युवक हथियार के साथ बैठे हुए हैं। जो किसी डकैती की योजना को अंजाम देने के लिए प्लानिंग कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने एक टीम का गठन कर अपराधियों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया। जिसके बाद सहायक पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया और अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की टीम ने उनकी घेराबंदी शुरू की। लेकिन तभी पुलिस को आता देख अपराधी झाड़ी की ओर भागने लगे। फरार हो रहे अपराधियों में से चार को पुलिस ने खदेड़ कर दबोच लिया। जबकि एक अपराधी फरार होने में कामयाब हो गए। गिरफ्तार अपराधियों में सूरज कुमार राम, गुंजन कुमार सिंह, कृष्णा कुमार तांती और सुमित कुमार सिंह शामिल हैं। इनके पास पुलिस ने एक दोनाली कट्टा, एक देशी पिस्टल, एक जिंदा गोली, एक बाइक, तीन मोबाइल और 3600 रुपए नगद बरामद किया है। अपराधियों का पूर्व में भी अपराधिक इतिहास रहा है। ●

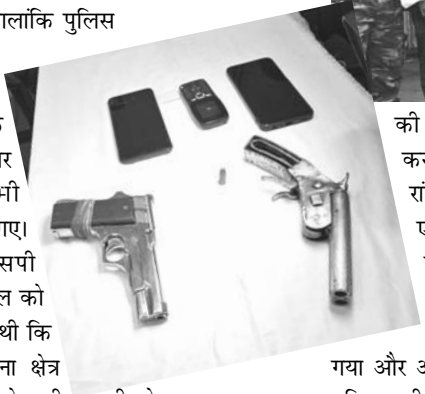

हथियार की खरीद बिक्री करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की चान्हो पुलिस ने हथियार खरीद बिक्री मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में अभिषेक शर्मा एवं अकाश कुमार गुप्ता है। यह दोनों चान्हो थाना क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से 7.65 डड का 10 जिन्दा गोली एवं आकाश कुमार गुप्ता की तलाशी होने पर इनके पास से 7.65 MM का 06 जिन्दा गोली बरामद किया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने प्रेस वार्ता कर बताया की गुप्त सूचना मिली थी कि चान्हो थाना क्षेत्र अंतर्गत तरंगा मोड़ के पास दो व्यक्ति हथियार की खरीद बिक्री करने के लिए उपस्थित हुए हैं। इसी सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक राँची किशोर कौशल के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राँची नौशाद आलम के निर्देशन में थाना प्रभारी चान्हों रंजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तरंगा मोड़ के पास छापामारी की तो दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे, जिसे पुलिस के द्वारा खदेडकर पकड़ लिया गया। इनका नाम पता पूछने पर इन लोगों ने अपना नाम अभिषेक शर्मा और अकाश कुमार गुप्ता बताया। (दोनों ही चान्हो थाना क्षेत्र के रहने वाले) पकड़ाये गए अभिषेके शर्मा की तलाशी लेने पर इनके पास से 7.65 MM का 10 जिन्दा गोली एवम पकड़ाये गए आकाश कुमार गुप्ता की तलाशी लेने पर इनके पास से 7.65 MM का 06 जिन्दा गोली बरामद किया गया। पकड़े गए व्यक्तियों से बरामद जिन्दा गोली से सम्बन्धित वैध कागजात की मांग करने पर इनके द्वारा कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया । जिसके बाद उक्त व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार करते हुए बरामद जिन्दा गोली को जप्त किया गया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अपराधकर्मियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर इन लोगों ने खूँटी जिला के कर्रा थाना क्षेत्र में अवैध हथियार होने की बात बतायी। तत्पश्चात् कर्रा थाना के सहयोग से छापामारी कर पुलिस के द्वारा डेविड संगा, जिला खूँटी के पास से एक देशी पिस्टल बरामद किया गया। जिस सम्बन्ध में अलग से कर्रा थाना कांड सं0-53/23, दिनांक-12.07.23, धारा- 25 (1-B)A/26 शस्त्र अधि० अंकित किया गया है।

☞ **छापामारी दल में शामिल :-**

रंजय कुमार थाना प्रभारी चान्हो, संजय कुमार सिंह, साजिद खाँ, एवं चान्हो थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।●

04 जुलाई से शुरू होगा देवाधिदेव महादेव का पवित्र मास : ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा

● निलेन्दु झा

भारत के प्रसिद्ध, प्रतिष्ठित एवं कई बर्षो से विश्वसनीय ज्योतिष संस्थानों मे एक 'ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान' प्रताप चौक सहरसा बिहार के संस्थापक एवं निर्देशक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की इस बार 04 जुलाई से सावन का पवित्र महीना शुरु हो रहा है,जिस का समापन 31 अगस्त को सावन पूर्णिमा के दिन होगा! ज्ञात हो कि मलमास अर्थात पुरषोत्तम मास शुक्ल प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर अमावस्या को समाप्त होती है, पूर्णिमा इसके बीच मे ही होती है! इस बार मलमास 17 जुलाई से प्रारम्भ होकर 16 अगस्त को खत्म होगा! विद्वान ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बताया कि ज्योतिष मे 02.5 वर्ष ,05 पखवाड़े,03 दिन और 01 दिन का आठवाँ भाग बीत जाने पर अधिकमास होता है, कैलकुलेशन के आधार पर 32 महीने 18 दिन बीत जाने पर मलमास होता है!

★ **मलमास मे क्या करें क्या ना करें** :- ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी बताते है, कि गुरु के अस्त एवं सूर्य के सिंह राशि मे स्थित होने पर अधिक मास मे जो वर्जित कर्म है उसे बिलकुल नहीं करें। इस मलमास में दैनिक नियमित पूजा, श्राद्ध,या किसी जातक कि कुंडली मे मार्केश वगैरह है, तो उसकी शांति हेतु पूजा हो सकती है, लेकिन विवाह, प्रतिष्ठा, गृहप्रवेश,उपनयन, मुंडन इत्यादि बिलकुल भी नहीं करना चाहिए, इस मास के मध्य मे स्नान, जप, दान एवं पितृ तर्पण जरूर करें, तो उनके ये सारे कर्म ऊर्जावान करते है,और काफी लाभदायक होते है!

★ **शुद्ध मास (श्रावण) के सोमवारी व्रत** :-

☞ सोमवारी व्रत :- 10 जुलाई 2023
☞सोमवारी व्रत :- 17 जुलाई 2023
☞ सोमवारी व्रत :- 21 अगस्त 2023
☞ सोमवारी व्रत :- 28 अगस्त 2023

★ **मलमास (श्रावण) अशुद्ध के सोमवारी व्रत** :-

☞ सोमवारी व्रत :- 24 जुलाई 2023
☞ सोमवारी व्रत :- 31 जुलाई 2023
☞सोमवारी व्रत :- 07 अगस्त 2023
☞सोमवारी व्रत :- 14 अगस्त 2023

7 जुलाई से शुरू होगा नवविवाहिता का मधुश्रावणी पर्व

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, प्रताप चौक सहरसा बिहार के संस्थापक एवं निर्देशक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की मैथिल में नई दुलहनों के लिए आस्था का पर्व मधुश्रावणी वैसे तो 13 से 15 दिनों का होता है,लेकिन इस बार अधिकमास (खरमास या मलमास) होने के चलते यह तकरीबन डेढ़ महीने तक चलेगा,मधुश्रावणी की शुरुआत श्रावण मास कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि से होती है, जबकि समापन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होती है। इस बार इसकी शुरुआत 07 जुलाई को होगी और समापन 19 अगस्त को टेमी दागने के साथ होगा!

☞ **ऐसे मनाया जाता है मधुश्रावणी का पर्व** :- ज्योतिषाचार्य प. तरुण झा के अनुसार,परंपराओं के अनुसार कोई भी व्रत खंडित नहीं किया जा सकता है,यही वजह है कि मधुश्रावणी व्रती को इस बार यह आराधना एवं पूजा लगभग डेढ़ महीने तक रखना होगा ही होगा,व्रत के दौरान महिलाएं रोजाना बगीचों से फूल और पत्ते चुनती हैं और उससे विषहारा, मतलब नाग और शिव-पार्वती का पूजा करती हैं, फूल चुनने के क्रम में उनके गीतों से माहौल महक उठता है,15 दिन के इस पूजा के दौरान नवविवाहिता को दो दिन नाग देवता की कथा सुनाई जाती है, जबकि बाकी 13 दिन के दौरान सावित्री, सत्यवान, शंकर-पावर्ती, राम-सीता, राधा-कृष्ण जैसे देवताओं की कथा भी सुनाई जाती हैं! इन दिनों नवविवाहिता अपने मायके का एक दाना तक नहीं खाती हैं, इस दौरान वो अपने ससुराल से आए खाद्य पदार्थ का सेवन करती हैं,और ससुराल से भेजे गए वस्त्र धारण करती है एवं पूजा करती है और पति के दीर्घायु हेतु यह व्रत करती है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा

ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक,
सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- आमदनी के नए स्रोत उत्पन्न होंगे,वैवाहिक जीवन का सुख प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे।

वृषभ राशि :- इस महीने मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहन के बीच आपसी टकराव हो सकता है, इस महीने अविवाहित जातक के लिए शादी का प्रस्ताव आएगा, जिससे घर का माहौल अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि :- संचार माध्यम से कोई लाभदायक सूचना मिलेगी,काम के बोझ के कारण थका हुआ महसूस करेंगे।

कर्क राशि :- कर्क राशि के जातकों को महीने घर में अशांति हो सकती है. आपसी तालमेल की कमी से मन काम में कम लगेगा लेकिन व्यापार में सफलता मिलेगी. नए लोगों के जुड़ाव से व्यापार में गतिशीलता आएगी.

सिंह राशि :- साज-सज्जा के समानों पर धन व्यय होगा,नौकरीपेशा जातको की उच्च पद अधिकारी के साथ वाद-विवाद हो सकता है!

कन्या राशि :- आर्थिक रूप से जातक का अच्छा नहीं है,जातक इस माह कुछ नए कार्य हाथ में लेंगे, किन्तु अच्छा प्रदर्शन नही कर पाएंगे। माह के अंत में एक नया उत्साह दिखाई देगा।

तुला राशि :- नौकरी-पेशा वर्ग कोई साइड व्यापार करने का प्लान बनाएंगे। किन्तु आलस्य हावी होने के कारण क्रियान्वित नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक राशि :- अटके हुए कार्यों को आसानी से खत्म कर लेंगे,नया व्यापार करने के लिए समय उत्तम रहेगा, आकस्मिक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि :- माह के शुरुवात से ही व्यापार में लाभ प्राप्ति के योग बनेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार मे शांतिमय वातावरण रहेगा।

मकर राशि :- माह के मध्य मे अत्यधिक कार्य के कारण खुद को तनावग्रस्त महसूस कर सकते है। माह के अन्त में जातक को निकट का व्यक्ति धोका दे सकता है!

कुंभ राशि :- जो सपने जातक ने देखे हैं, इस महीने पूरे हो सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त होगी। जो जातक लंबे समय से नौकरी करने के इच्छुक हैं!

मीन राशि :- नौकरी-पेशा लोगों को तरक्की मिलने की उम्मीद है। प्रॉपर्टी खरीदने के योग है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। माह के शुरुआत मे ही महत्वपूर्ण कार्य कर लेंगे!

फतुहा में स्वास्थ्य शिविर : बरसाती रोगों में होम्योपैथी है कारगर दवा

भारतीय जनता पार्टी तारा उत्सव पैलेस गोविन्द पुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता अनिल कुमार शर्मा तथा मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहा कि बरसाती मौसम कई बीमारियां साथ लेकर आती है। आइए आज हम जानते हैं की कौन-कौन सी बीमारियां हैं जो बरसात के मौसम में हो सकती हैंध् और हम उनसे कैसे बचें तथा उसकी होम्योपैथी दवा कौन-कौन सी है। बरसात में अक्सर हम बाहर जाते हैं बारिश में लोग भिंगते हैं, भिंगने के कारण सर्दी, खांसी आती है कफ की समस्या उत्पन्न हो जाती है। हल्की सी बुखार, कभी-कभी बदन में दर्द होने लगता है। यह सभी उम्र के व्यक्तियों को हो सकती है। हमें बरसात में भींगने से बचना है तथा बच्चों को भीगने से बचाएं। इस बीमारी से बचने के लिए होम्योपैथिक दवा 30 है। इसके साथ आप इयूपेटोरियम 30 दोनों दवा तीन-चार बार रोज ले सकते है। दस्त, डिहाइड्रेशन, के, विषाक्त भोजन के कारण दस्त आर्सेनिक एल्बम 30 बहुत कारगर दवा है। एक एक बूंद तीन बार रोज लेना है। वयस्कों के लिए कैम्फर 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए। वायरल बुखार से बचने के लिए इन्फ्ल्यूजिनम 200 एक बूंद एक बार तीन दिन तक लें। यह प्रतिरोधक दवा है। बरसात में होने वाला एक और बीमारी है जौंडिस यह बीमारी अक्सर बाहर खाना खाने से होती है, साथ ही साथ घर में जो खाना खाते हैं वह साफ सफाई होना चाहिए ,उबला हुआ पानी होना चाहिए अपने घर में साफ सफाई पर ध्यान दें ताकि घर में बैक्टीरिया, मक्खियां आदि ना आए क्योंकि इनसे के दस्त आदि फैल सकती है। अगर आपको इस जौंडिस हो गया है तो इस दवा को तीन चार बार रोज ले सकते हैं। नेट्रम फास 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना है। बरसात में होने वाले घातक ज्वर में रामवाण दवा है। गेल्समीमियम 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए। लक्षणों के आधार पर कई दवाएं हैं बेलाडोना, एकोनाइट, रस टक्स आदि। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर पूजा कुमारी, रेखा शर्मा, अंकुश कुमार, आशीष कुमार, अमीषा कुमारी, सीमा कुमारी, अनामिका पाण्डेय, शोभा पटेल आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।● **रिपोर्ट :- डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ किसी आपराधिक मामले की सुनवायी के लिए कोई मजिस्ट्रेट के यहां से अगर किसी दूसरे मजिस्ट्रेट की कोर्ट में ट्रांसफर करवाना चाहते हैं तो इसके लिए क्या प्रावधान है?

किसी आपराधिक मामलों की सुनवाई अगर किसी न्यायिक दंडाधिकारी के यहां चल रहा हो और किसी पक्ष कार को यदि है लगता है कि वह कोर्ट दूसरे पक्ष कार के तरफ से काम कर रहे हैं और प्रथम पक्ष कार की बात को नहीं सुना जा रहा है जिसके वजह से उसे न्याय नहीं मिल पाएगा तो इस संबंध में आप मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के यहां केस्को किसी अन्य न्यायिक दंडाधिकारी के यहां ट्रांसफर करवाने के लिए आवेदन दे सकते हैं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 410 में यह प्रावधान है कि कोई मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अपने अधीनस्थ किसी न्यायिक दंडाधिकारी से किसी मामले को वापस ले सकता है या किसी मामले को जिसे उसने ऐसे मजिस्ट्रेट के हवाले किया है वापस मंगा सकता है और मामले की जांच या विचारण स्वयं कर सकता है या उसे जांच या विचारण के लिए किसी अन्य ऐसे न्यायिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित कर सकता है जो उसकी जांच या विचारण करने के लिए सक्षम हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 410(2) मैं यह प्रावधान किया गया है कि कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी मामले को जो उसने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 192 की उप धारा 2 के अधीन किसी अन्य मजिस्ट्रेट के हवाले किया है वापस मंगा सकता है और ऐसे मामले को जांच या विचारण स्वयं कर सकता है।

☆ आपराधिक पुनरीक्षण अर्थात क्रिमिनल रिवीजन क्या होता है?

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 399 के अंतर्गत कोई सेशन न्यायाधीश व्यापक शक्तियों का प्रयोग कर सकता है जैसा कि उच्च न्यायालय सीआरपीसी की धारा 401 के अंतर्गत प्रयोग कर सकता है। निम्न आपराधिक न्यायालय से अभिलेख की मांग करने की शक्ति उच्च न्यायालय के साथ-साथ सेशन न्यायालय को भी प्रदत्त की गई है। पुनरीक्षण का आधार तब उत्पन्न होता है जब न्यायालय के किसी कार्यवाही में आदेश का उद्देश्य अनुचित अनियमित और अवैध रहा है। दंड आदेश के किसी भी त्रुटि को केवल उच्च न्यायालय के पुनरीक्षण की शक्ति के प्रयोग से ही दूर किया जा सकता है। सीआरपीसी की धारा 398 के अधीन उच्च न्यायालय और सेशन न्यायालय उनमोचन के सभी मामलों में वह सीआरपीसी की धारा 249 के अंतर्गत या सीआरपीसी की धारा 245 के अंतर्गत अतिरिक्त जांच का आदेश दे सकते हैं। उच्च न्यायालय और सेशन न्यायालय सक्षम है उन मोचन के आदेश को खारिज करने के लिए और तथ्यों की अतिरिक्त अन्वेषण करने या साक्ष्य पर पुन: विचार हेतु निर्देश देने के लिए और इस प्रकार अतिरिक्त जांच के लिए निर्देश दे सकते हैं। लॉ कमीशन ने न्यायालय की पुनरीक्षण करने की शक्तियों में बहुत से महत्वपूर्ण परिवर्तनों का सुझाव दिया है परिणाम स्वरूप दंड प्रक्रिया संहिता 1973 में बहुत से महत्वपूर्ण परिवर्तन लाए गए हैं। उदाहरण स्वरुप 1973 के पूर्व उच्च न्यायालय इंटरलॉक्यूटरी ऑर्डर अर्थात अंतर्वेती आदेश के संबंध में पुनरीक्षण में हस्तक्षेप कर सकता था परंतु इस प्रावधान का बहुत ज्यादा दुरुपयोग होने लगा इसलिए सीआरपीसी की धारा 397 के स्पष्टीकरण (2) मैं इंटरलॉक्यूटरी ऑर्डर को पुनरीक्षण से बाहर रखा गया है दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 397 एक नवीन धारा है जिसमें उन आधारों का वर्णन है जिस पर न्यायालय पुनरीक्षण की अधिकारिता का प्रयोग कर सकता है। कोई पुनरीक्षण वाद व्यथित पक्षकार के आवेदन पर ग्रहण किया जा सकता है और न्यायालय स्वविवेक पर पुनरीक्षण हेतु कार्यवाही कर सकता है। कोई दूसरा पुनरीक्षण संपोषणीय नहीं है सभी मजिस्ट्रेटों कार्यपालक या न्यायिक के लिए उच्च न्यायालय और सेशन न्यायालय पुनरीक्षण न्यायालय माना जाता है। कोई पक्षकार किसी मजिस्ट्रेट के आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय में पुनरीक्षण आवेदन दाखिल कर सकता है परंतु कोई पक्षकार दोनों न्यायालयों में नहीं जा सकता है जब उसने एक न्यायालय का चुनाव कर लिया है।

☆ क्या किसी व्यक्ति से उसको उत्प्रेरित करके या धमकी या किसी प्रकार का वचन देकर किसी अपराध की संस्वीकृति (कन्फेशन) कराई जा सकती है?

भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की धारा 24 में यह प्रावधान किया गया है कि अगर किसी व्यक्ति से उतप्रेरणा ,धमकी या वचन द्वारा किसी अपराध की संस्कृति करवाई गई है तो वह सुसंगत नहीं होगी अर्थात मान्य नहीं होगी। अभियुक्त व्यक्ति द्वारा की गई संस्कृति दांडीक कार्यवाही में विसंगत होती है यदि उसके किए जाने के बारे में न्यायालय को यह लगता है कि अभियुक्त व्यक्ति के विरुद्ध आरोप के बारे में कन्फेशन वह ऐसी उत्प्रेरण धमकी या वचन द्वारा कराई गई है जो किसी सक्षम व्यक्ति की ओर से कराया गया है और जो न्यायालय की राय में इसके लिए पर्याप्त होगी वह अभियुक्त व्यक्ति को यह अनुमान करने के लिए उसे उचित प्रतीत होने वाले आधार देती है कि उसके करने से वह अपने विरुद्ध कार्यवाही के बारे में ऐहिक रूप का कोई फायदा उठाएगा या ऐहिक रुप के किसी बुराई का परिवर्जन कर लेगा।

☆ क्या किसी अपराधी द्वारा अगर पुलिस के सामने अपना दोष स्वीकार किया गया हो तो इस आधार पर उसको सजा हो सकती है?

अगर किसी अपराधी द्वारा पुलिस अफसर के सामने अपना दोष स्वीकार किया जाता है तो केवल इस आधार पर उसके कन्फेशन को साबित नहीं किया जा सकता है कि उसने अपना दोष स्वीकार कर लिया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के अनुसार पुलिस के सामने कन्फेशन को साबित नहीं किया जा सकता है साथ ही अगर किसी व्यक्ति ने पुलिस कस्टडी में रहते हुए कोई कन्फेशन किया हो तो इस संबंध में भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 26 में प्रावधान है कि कोई भी कन्फेशन जो किसी व्यक्ति ने उस समय की है जब वह पुलिस अफसर की कस्टडी में है तो ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध उसका कन्फेशन उसके विरुद्ध साबित नहीं की जाएगी जब तक की उसका कन्फेशन मजिस्ट्रेट की साक्षात उपस्थिति में ना की गई हो परंतु अगर किसी अपराध के बारे में अभियुक्त ने कन्फेशन किया हो और उसके कन्फेशन के आधार पर अपराध में इस्तेमाल किए गए कोई वस्तु कोई हथियार या कोई और जानकारी उसके द्वारा बताए गए स्थानों से प्राप्त होती है तो वह प्राप्त जानकारी या वस्तु या हथियार को न्यायालय में साबित किया जा सकता है इस बात की व्यवस्था भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 में किया गया है।

College of Commerce, Arts and Science
कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्टस एंड साइंस
A constituent Unit of Patliputra University, Patna

College of Commerce, Arts & Science, Patna (est. 1949) is a constituent unit of Patliputra University, Patna. Re-accredited by NAAC with "A" grade, the college continues to Impart quality education since it's inception.

Vocational Courses offered

- Bachelor of Computer Application (B.C.A.)
- Master of Computer Application (M.C.A.)
- B.Sc. (Information Technology)
- M.Sc. (Information Technology)
- M.Sc. (Electronics)
- Library and Information Sciences.
  - B.L.I.S.
  - M.L.I.S.
- Journalism & Mass Communication
- B.Sc. & M.Sc. (Bio-Technology)
- M.B.A.
- B.B.M.
- B.Com (Self Financing)

Add-on Courses

- Nutrition & Dietetics
- Clinical Psychology
- Medical Lab Technology
- Mass Communication

(Certificate & Diploma)

A GRADE ACCREDITED BY NAAC NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

Kankarbagh, Main Road, Patna- Bihar- 800020
principalcocaspatna@gmail.com www.cocaspatna.ac.in

The Glory of College of Commerce

College of Commerce, Arts & Science, Patna-20 is a constituent unit of Patliputra University, Patna (Bihar) duly recognized by University Grants commission. New Delhi under 2(f) and 12(B). The college was estabilished in 1949 by Pt. Indu Shekhar Jha, the founder principal of the college, a man of great vision, and the fater of commerce education in Bihar Coming from a small village called Sabour in Bhagalpur district of Bihar, Pt. Jha was a post graduate in Commerce from Calcutta University. On the advice of the assistance from the late Dr. Rajendra Prasad, the first president of India, Pt. Jha translated his long-cherished dream of starting Commerce edution in Bihar from Rajendra College Chapra (Bihar) as a department of the college. But, not satisfied with this small beginning, and having a dream of launching an institution on the pattern of London School of Commerce or Sydendam College of Commerce and Economics, Bombay. Pt. Jha soon started campaigning, door to door at the same time, contacting some eminent people in Patna like Late Justice Khalil Ahmad, Late Nageshwar Prasad (Advocate), Late H.B. Chandra, Late Indiraj Bahadur and Late Babu Shyam Nandan Sahay to explain his ideas and seek their help to establish a Commerce College at patna the capital of Bihar. His herculean efforts bore fruit, and in 1949, he successfully launched his cherished institution, College of Commerce, at P.N. Anglo Sanskrit School Campus, Naya Tola, Patna in a rented house. Initially, only I.Com. programme was started with hardly a dozen of students and six faculty member. Later on, in 1953, Raja of Pali graciously donated lands to start the college at the place where it is today. The college was affiliated to Bihar University, Muzaffarpur a new university launched in 1952 in Bihar. In 1957, Science education was introduced in the college on the advice of the then Vice Chancellor of Bihar University Muzaffarpur. Babu Shyam himself, followed by Arts faculty 1960 and Law in 1963.

Prof. (Dr.) Indrajit Prasad Roy
Principal, College of Commerce, Arts and Science

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008

TATA STEEL
We Also Make Tomorrow

TATA TISCON
JOY OF BUILDING

SAME REBAR
NEW MARK

MORE FLEXIBILITY
UTS/YS Ratio ≥ 1.15
Minimum 16% Elongation

PRESENT

NEW

TATA
TISCON 550SD
BE SMART, CHOOSE SD
CALL 1800 108 8282

RAMKRISHNA DWARIKA COLLEGE

Lohia Nagar, Kankarbagh, Patna- 800020
A CONSTITUENT UNIT OF PATLIPUTRA UNIVERSITY, PATNA (BIHAR)
Website: www.rkdcollegepatna.org
Email : principalrkdcollegepatna@gmail.com

Dr. Arbind Kumar
Principal

NAAC ACCREDITED

'तेजस्विनावधीतमस्तु'
Let the Intellect Be Illumined

PROGRAMME PROFILE

- P.G. Courses in Commerce, Pol. Science, Economics, History, Geography
- 4 year honours degree courses in Science, Arts and Commerce
- Vocational courses like Bachelor in Computer Application (BCA), Bachelor in Business Management (BBM), Bachelor of Science in Information Technology (B.Sc. IT), Travel & Tour Management (TTM) & Advertising Sales Promotion & Sales Management (ASP & SM)
- +2 Course from Bihar School Examination Board, Patna in Science, Arts & Commerce
- Remedial Classes for SC/ST/OBC Minorities And Economical Weaker Section

SPECIAL FEATURES

- College has 57 years of existence
- Well Equipped Language And Research Laboratory
- Well Qualified And Experienced Teaching Faculty
- Free Wi-Fi Campus
- The Counselling and Placement Cell of the College helps the students in campus placement.
- Sports, NCC, NSS and Cultural facilities for Boys & Girls
- Lift facility for differently abled person
- 24 Hours Security through CCTV Camera And Guard
- Seminar Hall
- Experienced And Cooperative Staff
- Excellent Academic Results And Healthy Academic Environment
- Health Centre Facilities Available
- Girls Common Room with Facilities of Sanitary Pad Vending Machine
- Fully Digitised Documents for Hassle Free Student Experience

- On the auspicious occasion of Sun being uttarayan 'Patang Mahotsava' was celebrated.
- On the occasion of Republic Day faculty members of R.K.D College were felicitated for their ongoing contribution and continuous work as researcher for the year 2022-23.
- Our college student Arpitama Raj participated in 39th National Junior KYORUGI Taekwondo Championship held at Visakhapatnam from 3rd Feb. to 5th Feb. 2023. She won bronze medal in junior female under 55 kg weight category.
- On the occasion of 'Global Women's Breakfast Day 2023', Department of Chemistry and Department of Zoology organized a talk and documentary presentation on the topic "Indian Women Pathbreakers in the Field of Science". Dr. Shailaja Sinha, Dr. Sarita kumari, Mrs. Nidhi Sinha, Miss Smita Vaidehi, Dr. Nisha Saxena, Shweta Patel were Resource Persons of this Programme.
- Workshops and Seminars were organized by Placement cell.
- Speech competition was held on 14th February on the topic 'Women achievers of India'.
- Inter College Cultural Competition Instrumental (Boys) organised by Patliputra University, was hosted by R.K.D college on 25th February 2023.
- Stupendous performance by our student in 'Inter College cultural competition- 2023' organised by Patliputra University and received 2nd prize in Group Dance (boys), 2nd prize in Group Song (boys), 3rd prize in Group Dance (girls), 3rd prize in Group Song (girls), 3rd prize in Tabla (boys), 3rd prize in Harmonium (boys). College student Anchal Mehta represented Bihar in North East cultural Program held at Dimapur, Nagaland.

सुधा
अब नये अंदाज़ में
COMFED

पटना डेयरी प्रोजेक्ट
टोल फ्री नं.: 1800 345 6199 – Helpline No.- 6204381026

FENICE ENERGY

सोलर सॉल्यूशन - आपके घर और बिजनेस के लिए

लोन प्राप्त करें

ब्याज दर शुरू होती है

8%*

सोलर क्यों ?

बिजली बचाएं

पर्यावरण बचाएं

टॉप क्वालिटी सॉल्यूशन

प्रमुख विशेषताएँ

15 Years	30k+	100%	5 years	100+	Financing
Global Leader	Installations	Quality	Warranty	Cities	upto 100%

अधिकृत ग्रीनपार्टनर

RUDRA Communications

West Jai Prakash Nagar, Durga Mandir Road, PS-Jakkanpur, Patna - 800001

+91 95132 46686

sales@feniceenergy.com

www.feniceenergy.com